धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित www.lagatar.in रांची, मंगलवार 06 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 119 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

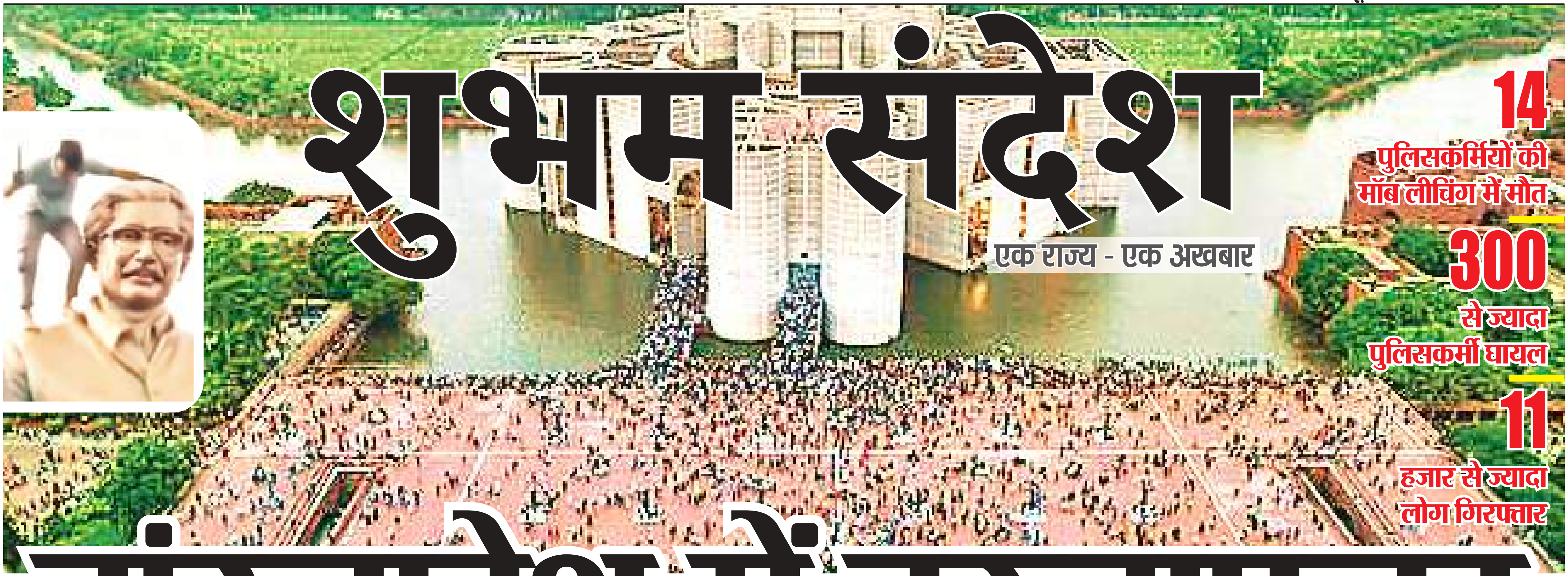

बांग्लादेश में तख्तापलट

सेना ने संभाला सरकार का काम, पूरे देश में लोग मना रहे जीत का जश्न

पीएम शेख हसीना ने इस्तीफा दिया, दिल्ली पहुंची, ब्रिटेन ने किया शरण देने से इन्कार

बिगड़े हालात

पीएम हाउस पर आंदोलनकारियों का कब्जा, लूटपाट, तोड़फोड़, बंग बंधु की प्रतिमा पर चला हथौड़ा

हसीना की पार्टी के नेताओं के घरों पर भी हो रहे हमले, जगह-जगह लूटपाट और आगजनी

आंदोलन को कुचलने की कोशिश पड़ी भारी

पहले आंदोलन को कुचलने की कोशिश की.
फिर कहा- आंदोलनकारी देशद्रोही हैं.
फिर कहा- आंदोलन विपक्ष की साजिश है.
फिर कहा- आंदोलनकारी आतंकी हैं.

और अंततः
शेख हसीना को सत्ता और देश दोनों छोड़ना पड़ा.

शेख हसीना पर जो बड़े आरोप हैं

- लोकतंत्र की चादर ओढ़ कर तानाशाही चलाई.
- मीडिया की आजादी खत्म कर दी.
- चुनावों में धांधली कर जीत हासिल की.
- वंचितों के लिए आवाज उठाने वालों को गायब कराया.
- विपक्ष के नेताओं को गिरफ्तार कराया.
- कानून के दायरे से बाहर जाकर हत्याएं कराईं.
- मानवाधिकारों का तेजी से हनन बढ़ा.

एजेंसियां। ढाका/नयी दिल्ली

बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया है. पाकिस्तान के बाद एक और पड़ोसी देश में सेना का शासन हो गया है. सोमवार को बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज-जमां की तरफ से 45 मिनट में देश छोड़ देने के अल्टीमेटम के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़ कर भारत आ गईं. पहले दिल्ली से उनके लंदन जाने की चर्चा थी. अब कहा जा रहा है कि वह कुछ दिन भारत में ही रहेंगी. उधर, बांग्लादेश में अंतरिम सरकार कार्यभार संभालेगी. बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां ने सोमवार को यहां यह घोषणा की. यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब पिछले दो दिनों में हसीना की सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिनमें 100 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है.

इस बीच, दिल्ली में एनएसए अजीत डोभाल ने हिंडन एयरपोर्ट पर हसीना से डेढ़ घंटे की मुलाकात की. पीएम मोदी ने अपने ऑफिस में गृह मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, अजीत डोभाल, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री आदि के साथ उच्च स्तरीय बैठक करके बांग्लादेश की स्थिति पर मंत्रणा की. हालांकि भारत ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. उधर, शेख हसीना को हिंडन के सेफ हाउस में ठहराया गया है.

हसीना के देश छोड़ देने के बाद सेना प्रमुख ने टीवी पर दिए गए अपने संबोधन में कहा, मैं सारी जिम्मेदारी ले रहा हूं. कृपया सहयोग करें. सेना प्रमुख ने कहा, मैंने नेताओं से मुलाकात की. उन्हें बताया कि सेना कानून-व्यवस्था संभालेगी. शेख मुजीबर रहमान की 76 वर्षीय बेटी हसीना 2009 से बांग्लादेश की बागडोर संभाल रही थीं. उन्हें जनवरी में हुए आम चुनाव में चौथी बार और पांचवीं बार पीएम चुना गया. पिछले दो दिनों में हसीना सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों में 300 से अधिक लोग मारे गए हैं.

पीएम आवास में घुसे प्रदर्शनकारी, तोड़फोड़

इस बीच, बांग्लादेश में हजारों प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को राजधानी ढाका में शेख हसीना के सरकारी आवास में लूटपाट और तोड़फोड़ की, उनके पिता मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को हथौड़ों से तोड़ दिया और उनकी पार्टी के कार्यालयों में आग लगा दी. प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के रूप में हसीना के जाने का जश्न मना रहे थे. सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमां द्वारा प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की घोषणा के बाद, देश भर में उत्साही भीड़ अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर उतर आई. हसीना के इस्तीफे के साथ ही सत्ता में उनके 15 साल का शासन समाप्त हो गया. हजारों प्रदर्शनकारियों ने सैन्य कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए उनके सरकारी आवास पर धावा बोल दिया. हालांकि, वह अपने आवास पर नहीं थीं. वीडियो फुटेज में प्रदर्शनकारियों को राजधानी ढाका में हसीना के आधिकारिक आवास गणभवन में तोड़फोड़ और लूटपाट करते हुए दिखाया गया है. वे गणभवन परिसर में हाथ हिला कर जश्न मनाते देखे गए. उनमें से कई लोग गणभवन का सामान लेकर जाते भी नजर आए.

क्या है मामला?

बता दें कि बांग्लादेश में हाल ही में पुलिस और छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच हिसंक झड़पें हुई हैं. दरअसल, प्रदर्शनकारी छात्र विवादित आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं. इसके तहत बांग्लादेश के लिए वर्ष 1971 में आजादी की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता संग्रामियों के परिवारों के लिए 30 प्रतिशत सरकारी नौकरियां आरक्षित की गईं हैं. इसके बाद शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों से 11 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने देश के राजनीतिक नेतृत्व और सुरक्षा बलों से जीवन के अधिकार और शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपने दायित्वों का पालन करने को कहा. -शेष पेज 07 पर

शेख़ हसीना : दो दशकों से सियासत के शीर्ष पर रहने के बाद पतन की कहानी

लगातार न्यूज नेटवर्क

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख़ हसीना 1947 में पूर्वी बंगाल के एक मुसलमान परिवार में पैदा हुईं शेख़ हसीना को राजनीति विरासत में मिली. उनके पिता राष्ट्रवादी नेता शेख़ मुजीबुर्रहमान थे. वो बांग्लादेश के संस्थापक और राष्ट्रपिता थे. 1975 में सैन्य तख़्तापलट के दौरान, मुजीबुर्रहमान और उनके परिवार के अधिकतर लोगों को मार दिया गया था. सिर्फ़ शेख़ हसीना और उनकी छोटी बहन की जान बची थी क्योंकि उस समय वो विदेश यात्रा पर थीं. भारत में निर्वासित जीवन बिताने के बाद शेख़ हसीना 1981 में बांग्लादेश लौटीं और अपने पिता के राजनीतिक दल अवामी लीग की नेता बन गईं. जनरल हुसैन मुहम्मद इरशाद के सैन्य शासन के ख़िलाफ़ उन्होंने अन्य राजनीतिक दलों के साथ मिलकर सड़कों पर प्रदर्शन किया और लोकतंत्र की मांग की. देश में उठे विद्रोह ने तेज़ी से शेख़ हसीना को राष्ट्रीय आईकॉन बना दिया. वो सबसे पहले साल 1996 में चुनकर सत्ता तक पहुंचीं. एक समय दुनिया का सबसे ग़रीब देश रहा मुस्लिम बहुल बांग्लादेश, उनके नेतृत्व में 2009 के बाद से विश्वसनीय आर्थिक प्रगति हासिल कर चुका है. सत्ता संभालने के बाद से, शेख़ हसीना के सामने आया सबसे गंभीर संकट ताज़ा विरोध प्रदर्शन ही है. ये प्रदर्शन बेहद विवादित चुनाव नतीजों के बाद हुए हैं. विवादित आम चुनावों में लगातार चौथी बार उनकी पार्टी को चुन लिया गया था. इस्तीफ़ा देने की बढ़ती मांगों के बीच शेख़ हसीना डटी हुईं थीं, लेकिन व्यापक सरकार विरोधी आंदोलन के कारण उन्हें इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा. - पेज 12 भी देखें

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,400
चांदी (किलो)	83,000

ब्रीफ खबरें

डाल्टनगंज स्टेशन का नाम मेदिनीनगर

रांची। डालटनगंज रेलवे स्टेशन का नाम अब मेदिनीनगर होगा. इसके प्रस्ताव को सीएम हेमंत सोरेन ने सहमति प्रदान कर दी है. अब आगे की कार्यवाही के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा जाएगा. इसकी मांग कई वर्षों से हो रही थी. -पेज 7 भी देखें

डेथ सेंटर बन गए कोचिंग सेंटर: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन बच्चों की मौत के मामले का स्वतः संज्ञान लिया और केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करके जवाब तलब किया. कहा, कोचिंग सेंटर डेथ सेंटर बन गए हैं.

कश्मीर के लोगों की आकांक्षा पूरी होगी

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी मोदी ने जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख के लोगों को विश्वास दिलाया कि केंद्र सरकार उनके लिए काम करती रहेगी और आने वाले समय में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करेगी. धारा 370 हटाने के पांच वर्ष पूरे होने पर पीएम मोदी ने यह प्रतिक्रिया दी है.

केजरीवाल की बेल याचिका खारिज

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से उपजे भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को बरकरार रखा. कोर्ट ने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी सही है.

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और एसीबी से पूछा

अब तक इस पर क्या कार्रवाई हुई?

संवाददाता। रांची

तत्कालीन रघुवर सरकार के पांच मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने राज्य सरकार और एसीबी को चार सप्ताह के भीतर एफिडेविट के माध्यम से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. एसीबी को इस मामले में अब तक हुई कार्रवाई और जांच की दिशा के बिंदु पर जवाब दाखिल करना है.

हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ में इस जनहित याचिका की सुनवाई हुई. इस मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी. बता दें कि वर्ष 2020 में प्रार्थी पंकज यादव ने जनहित याचिका दायर कर पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी, नीरा यादव, नीलकंठ सिंह मुंडा, लुइस मरांडी और रणधीर सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति होने का आरोप लगाते हुए एसीबी से जांच की मांग की थी.

तत्कालीन रघुवर कैबिनेट के पांच मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला

- चार सप्ताह के भीतर एफिडेविट के माध्यम से देना है जवाब
- वर्ष 2020 में पंकज यादव ने दायर की थी जनहित याचिका

हेमंत सरकार ने एसीबी को सौंपी थी जांच की जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 26 जुलाई 2023 में कैबिनेट से पांचों पूर्व मंत्रियों के खिलाफ एसीबी जांच की स्वीकृति दे दी थी. इसके बाद एसीबी की प्रारंभिक जांच में पूर्व मंत्रियों के खिलाफ प्रार्थी की शिकायत को सत्य पाया था और इस बात का जिक्र किया था कि सभी पांचों पूर्व मंत्रियों की संपत्ति में अप्रत्याशित इजाफा हुआ है. एसीबी ने इस मामले में पीई दर्ज कर पूर्व मंत्रियों तथा शिकायतकर्ता को नोटिस भी भेजा था. सभी पीई की जांच की जिम्मेदारी पांच डीएसपी को सौंपी गई थी. अब देखना यह है कि इस मामले की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में शुरू होने के बाद एसीबी की जांच और कार्रवाई कितनी तेज होती है. -शेष पेज 07 पर

ब्लैक मंडे

बाजार धड़ाम, 17 लाख करोड़ खाक

अमेरिका, जापान, ताइवान के बाजार में कोहराम, मंदी की आहट से 57 साल की सबसे बड़ी गिरावट

एजेंसी। मुंबई

भारतीय शेयर बाजार के लिए हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र ब्लैक मंडे साबित हुआ. अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी की आहट से भारत, जापान, ताइवान सहित दुनिया के तमाम देशों के शेयर बाजार सोमवार को बिखर गए. बीएसई सेंसेक्स 2,222.55 अंक का गोता लगाकर 78,759.40 और एनएसई निफ्टी 662.10 अंक टूट कर 24,055.60 अंक पर बंद हुए.

इस दौरान बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 17 लाख करोड़ रुपए घट कर 440.16 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया. दरअसल, अमेरिका के हाल में जारी आंकड़े दिखाते हैं कि वहां की कंपनियों के सकल मैन्युफैक्चरिंग आंकड़े (पीएमआई) में कमी आई है. इसका अर्थ है कि अमेरिका में निर्माण में कमी आ रही है. इसका सीधा असर वहां की कुछ बड़ी कंपनियों में छंटनी के रूप में सामने आ सकता है. यदि ऐसा होता है तो अमेरिका में बेरोजगारी का दौर बढ़ेगा. इसके कारण वहां की प्रमुख कंपनियों के उत्पादों की खपत में कमी आ सकती है. इसका एक असर भारत से एक्सपोर्ट होने वाली वस्तुओं के निर्यात में कमी के रूप में भी सामने आ सकती है. यानी अमेरिका में मंदी आई, तो इसका असर केवल वहीं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उसके कारण दुनिया भर से अमेरिका को होने वाले एक्सपोर्ट पर असर पड़ सकता है. इससे मंदी का असर वैश्विक रूप ले सकता है.

भारत पर बड़े असर की संभावना नहीं

यदि अमेरिका में मंदी आती है, तो इसका भारत पर क्या असर पड़ सकता है? इस प्रश्न के जवाब में आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ कहते हैं कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था इस ओर संकेत कर रही है कि वह मंदी की चपेट में आ सकता है. यह कितना व्यापक और कितना गहरा होगा, इसका आकलन अगली दो तिमाही के पीएमआई के आंकड़े ही बता पाएंगे. लेकिन शुरुआती लक्षण ठीक नहीं है, इसका अर्थ है कि यदि अमेरिकी सरकार ने दखल नहीं दिया, तो भविष्य में स्थिति ज्यादा खराब हो सकती है. जहां तक भारत पर इसके कारण पड़ने वाले असर की बात है, इसका सीधा असर भारत के उन क्षेत्रों पर पड़ सकता है जिनसे अमेरिका को निर्यात किया जाता है. इसमें खाने-पीने वाली चीजों के निर्यात, फल-फूल और सब्जी के निर्यात, डेयरी उत्पादों और कृषि-प्रसंस्कृत कंपनियों के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के निर्यात में कमजोरी आ सकती है. यदि निर्यात में कमी होती है तो तो भारतीय कंपनियों पर भी इसका असर पड़ सकता है. उत्पादन कमजोर होने से यहां भी छंटनी का सामना करना पड़ सकता है. जो लोग अमेरिकी कंपनियों के लिए काम कर रही बीपीओ कंपनियों में काम कर रहे हैं, वहां मंदी होने का सीधा असर उन पर पड़ सकता है. इसी तरह जो भारतीय अमेरिका में रहकर नौकरी कर रहे हैं, उनकी नौकरियों पर भी खतरा पैदा हो सकता है. ऐसे में ऐसे लोगों के द्वारा भारत को भेजा जाने वाला धन और उन पर आश्रित लोगों के जीवन पर भारत में भी असर पड़ सकता है.

राजनीति

धुरंधर सरयू राय के जदयू में आने से बढ़ी सुदेश महतो की दोहरी टेंशन

भाजपा के लिए विस चुनाव में आसान नहीं सीटों का बंटवारा

कौशल आनंद। रांची

सरयू राय के बड़े दांव से आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो की टेंशन दोहरी हो गयी है. सुदेश महतो पहले से ही झारखंड की राजनीति में एक नए कुरमी टाइगर जयराम महतो के उदय से टेंशन में हैं, वहीं अब सरयू राय के अचानक जदयू में शामिल होने के बाद झारखंड में जदयू की भी राजनीतिक तपीश बढ़ गयी है.

जदयू फिलहाल झारखंड में विधायक विहीन पार्टी के रूप में जानी जा रही थी, मगर सरयू राय के आ आने से पार्टी को बैठे-बिठाए एक विधायक मिल गया है, वहीं पार्टी का एक राज्यसभा सांसद भी खीरू महतो के रूप में है. आने वाले विधानसभा में नीतीश कुमार और सरयू राय ने बड़े खेल की तैयारी शुरू कर दी है. कल तक राजनीतिक रूप से कमजोर संगठन के रूप में माने जाने वाले जदयू संगठन में अचानक से प्राण वायु आ गई है.

फंसेगा पेंच

- कुर्मी बहुल सीटों के अलावा अब पलामू, धनबाद, जमशेदपुर एवं बोकारो पर दावेदारी कर सकता है जदयू
- आजसू 25, जदयू 11 पर दावेदारी की तैयारी में, भाजपा 65 से नीचे नहीं करेगी समझौता, एक सीट कमलेश सिंह के लिए भी छोड़ना होगी

अब आजसू 20-25 सीटों पर कैसे करेगी दावेदारी

सरयू राय के पार्टी में आ जाने से कई सीटों का समीकरण भी अचानक से बदला-बदला नजर आ रहा है. जदयू का वोट बैंक कुर्मी और कोयरी-महतो के बीच ही रहा है. मगर सरयू के आने से धनबाद, जमशेदपुर और बोकारो में पार्टी की दावेदारी मजबूत हुई है. सरयू के आने के पूर्व ही जदयू हजारीबाग, रामगढ़, मांडू, डुमरी, टुंडी आदि सीटों पर दावेदारी कर रहा था. अब सरयू राय के आने के बाद धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर की भी कई सीटों पर जदयू दावेदारी कर सकता है. जानकारी के अनुसार जदयू कम से कम 11 सीटों पर दावेदारी करेगा. वहीं आजसू ने भी पहले से 20 से 25 सीटों पर दावेदारी का मन बना रखा है. ये भी बातें सामने आई हैं कि सुदेश महतो केंद्रीय मंत्रिमंडल में आजसू को बर्थ नहीं मिलने पर इसी शर्त पर तैयार हुए कि विधानसभा चुनाव में भाजपा उन्हें सम्मान देगी. अब यह सम्मान कितनी सीट तक रहेगा, यह भी आने वाले दिनों में पता चलेगा.

भाजपा रघुवर की सीट सरयू के लिए छोड़ेगी !

अभी यह तय नहीं है कि सरयू राय अपनी पुरानी सीट जमशेदपुर पश्चिम से चुनाव लड़ते है या मौजूदा जमशेदपुर पूर्वी से. क्योंकि 2019 के चुनाव में सरयू राय ने अपना सीट बदल कर पूर्व सीएम रघुवर दास की सीट जमशेदपुर पूर्वी से चुनाव मैदान में उतर गए थे. राय का मकसद रघुवर दास को हराना था, जिसमें वे सफल भी हुए. मगर राय की परंपरागत सीट तो जमशेदपुर पश्चिम ही है. जहां से अभी बन्ना गुप्ता विधायक हैं. एनसीपी शिंदे गुट अब एनडीए का हिस्सा है. -शेष पेज 07 पर

जुबान पर ताला लगाना चाहती है सरकार: प्रियंका

एजेंसी। नयी दिल्ली

- प्रसारण सेवा विधेयक तुरंत वापस ले सरकार
- केंद्र सरकार का यह प्रयास पूरी तरह अस्वीकार्य है

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक से डिजिटल, सोशल मीडिया व निजी हैसियत में लिखने-बोलने वालों की जुबान पर ताला लगाना चाहती है. ये मंजूर नहीं है.

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का यह प्रयास अस्वीकार्य है. प्रियंका गांधी ने महात्मा गांधी और पंडित नेहरू के प्रेस की आजादी से जुड़े कथनों का हवाला देते हुए एक्स पर पोस्ट किया, ये दो उदाहरण बताते हैं कि नागरिकों को अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता यूं ही नहीं मिली है. इसके लिए वर्षों तक लाखों लोगों ने लड़ाई लड़ी है. नागरिक स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत है. आजाद भारत के इतिहास में किसी सरकार ने नागरिकों को मिली स्वतंत्रता को कुचलने का कभी प्रयास नहीं किया. प्रियंका का कहना है, एक तरफ सत्ता के जोर से पूरे मीडिया को सरकारी भोंपू बना दिया गया.दूसरी तरफ, सरकार प्रसारण बिल लाकर डिजिटल, सोशल मीडिया, ओटीटी मंचों और यहां तक कि निजी हैसियत में लिखने-बोलने वालों की जुबान पर ताला लगाने जा रही है. यह पूरी तरह अस्वीकार्य है. देश ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगा.

सदर अस्पताल में आर्थोपेडिक चिकित्सक का पदस्थापन नहीं, मॉनसून सत्र में सरकार से मिले एक सवाल के जवाब से खुलासा

झारखंड में सदर अस्पतालों के लिए सिर्फ 20 हड्डी रोग विशेषज्ञ ही पदस्थापित

- चक्रधरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में एईआरबी लाइसेंस नहीं होने के कारण एक्स-रे मशीन चालू नहीं

संवाददाता। रांची

झारखंड में सदर अस्पतालों के लिए सिर्फ 20 हड्डी रोग विशेषज्ञ ही हैं. इस वजह से सभी सदर अस्पताल में भी एक-एक हड्डी रोग विशेषज्ञ का पदस्थापन तक नहीं है. इस बात का खुलासा मॉनसून सत्र में सरकार की तरफ से मिले एक सवाल के जवाब से हुआ है. विधायक सुखराम उरांव ने सवाल किया था कि चक्रधरपुर अनुमंडल के सरकारी अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ नहीं हैं. इसके जवाब में सरकार ने कहा कि वर्तमान में 20 हड्डी रोग विशेषज्ञ हैं, जिन्हें राज्य के विभिन्न जिलों में पदस्थापित किया गया है. एक हड्डी रोग विशेषज्ञ का पदस्थापन चाईबासा सदर अस्पताल में किया गया है. सरकार ने सवालों का जवाब देते हुए यह भी माना है कि चक्रधरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में एक्स-रे मशीन तो है, टेक्नीशियन भी नियुक्त हैं, लेकिन एईआरबी लाइसेंस नहीं होने के कारण मशीन को चालू नहीं किया जा पा रहा है. इसके साथ ही सरकार के जवाब से यह साफ हो गया है कि राज्य के जिलों में सिर्फ सदर अस्पतालों में ही हड्डी रोग विशेषज्ञ उपलब्ध हैं.

अनुमंडल अस्पताल के लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ है ही नहीं

किसी भी अनुमंडल स्तरीय अस्पताल में पदस्थापित करने के लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ है ही नहीं. यह एक ऐसी स्वीकारोक्ति है, जो झारखंड में स्वास्थ्य को लेकर उठ रहे सवालों को और बड़ा कर दे रहा है. साफ है कि अगर किसी जिला में दुर्घटना या किसी अन्य वजह से किसी व्यक्ति की हड्डी टूटती है या चोटिल होता है, तो उसका इलाज प्राथमिक या अनुमंडल स्तरीय सरकारी अस्पतालों में संभव नहीं होता है. मरीज को या तो प्राइवेट अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराना पड़ता है या फिर जिला के सदर अस्पताल में जाना पड़ता है. इसकी वजह अस्पतालों में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है.

गोमिया व कसमार में चिकित्सकों की कमी

- किसी अस्पताल में दो की जगह एक, तो कहीं एक भी चिकित्सक नहीं

रांची। बोकारो जिला के गोमिया व कसमार इलाके के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की भारी कमी है. इसकी वजह से स्थानीय लोगों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. जानकारी के मुताबिक, गोमिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सात की जगह सिर्फ चार चिकित्सक ही पदस्थापित हैं. इसी तरह कसमार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी सात की जगह सिर्फ तीन चिकित्सक पदस्थापित हैं. गोमिया प्रखंड के महुआटांड़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दो की जगह सिर्फ एक चिकित्सक पदस्थापित हैं, जबकि साड़म प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक भी चिकित्सक पदस्थापित नहीं हैं. चतरोचट्टी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को पीपीपी मोड पर सिटीजन फाउंडेशन अस्पताल का संचालन करता है. वहां दो की जगह एक चिकित्सक का पदस्थापन है. इसी इलाके के खौराचातर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो चिकित्सक पदस्थापित हैं, जबकि करमा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो की जगह सिर्फ एक चिकित्सक पदस्थापित हैं.

राज्यपाल संतोष गंगवार मिले गृहमंत्री अमित शाह से

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मिले. इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया गया है. राज्यपाल बनने के बाद संतोष कुमार गंगवार की यह पहला दिल्ली दौरा है. मिली जानकारी के अनुसार राज्यपाल और गृह मंत्री के बीच राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात सहित अन्य कई मुद्दों पर चर्चा हुई.

झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को लेकर दिया धरना

आर-पार की लड़ाई के लिए शिक्षक तैयार, अनशन शुरू

संवाददाता। रांची

रांची में राजभवन के समक्ष अनशन पर बैठे शिक्षक.

शिक्षकों के संगठन झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है. धरना के साथ-साथ पांच अगस्त से अनशन कार्यक्रम शुरू किया गया है. शिक्षकों के समूह ने राजभवन के समक्ष आंदोलन शुरू किया है. आंदोलन में प्राथमिक व मध्य विद्यालय के शिक्षकों अलावा झारखंड प्लस टू शिक्षक संघ, झारखंड प्रदेश संयुक्त मोर्चा, एमएसीपी संघर्ष मोर्चा आदि संगठन भी शामिल हैं.

संघ के अध्यक्ष अनूप केसरी, महासचिव राममूर्ति ठाकुर व मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने बताया कि हम अब आर-पार की लड़ाई लड़ने को तैयार हैं. राज्य के अन्य कर्मचारियों को एसीपी का लाभ मिल रहा है, लेकिन शिक्षकों को यह लाभ नहीं मिल रहा है. सरकार, शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है. शिक्षकों को जो छठा वेतनमान दिया गया है, उसमें भी कई खामियां हैं.

अनशन कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष अनूप केसरी, बसंत कुमार झा, मनोरंजन कुमार, जुबेर अंसारी, अनूप कुमार सिंह, शंकर राम, धुरेंदर कुमार, सुषमा नाग, ग्रेबियल क्लरेंश, अखिलेश प्रसाद, सुरेंद्र पासवान, महबूब आलम, राममूर्ति ठाकुर, मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद, असदुल्लाह, संतोष कुमार दीपक दत्ता, अनिल कुमार सिंह, हरेकृष्ण चौधरी, राकेश कुमार, अजय ज्ञानी प्रभात कुमार, सलीम सहाय, कृष्णा शर्मा, अमरनाथ झा, नरेंद्र यादव शर्मा आदि शामिल रहे.

खास बातें

- मांगों को लेकर आंदोलन तेज, कई संगठन आए साथ
- सरकार पर शिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप

शिक्षकों की मांग

- अंतरजिला स्थानांतरण में गृह जिला का विकल्प मिले.
- छठे वेतनमान की खामियों को दूर किया जाये.
- एमएसीपी का लाभ शिक्षकों को भी दिया जाये.

विज्ञापन निकालने के विरोध में चौकीदारों का जेल भरो अभियान

रांची। तीन सूत्री मांगों को लेकर झारखंड राज्य दफादार-चौकीदार पंचायत राज्य कमेटी के लोगों ने सोमवार से जेल भरो आंदोलन शुरू किया. झारखंड के विभिन्न जिलों में सरकार ने चौकीदारों के रिक्त पदों को भरने के लिए विज्ञापन निकाला है. उसे रद्द कराने की मांग को लेकर सैकड़ों चौकीदार और दफादर 20 जुलाई से राजभवनन के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना दे रहे थे. सीएम से वार्ता नहीं होने के कारण सोमवार को राजभवन से पैदल मार्च करते हुए राजभवन की ओर आगे बढ़ने के क्रम में पुलिस ने सभी को रोक दिया. अध्यक्ष दयाल सिंह ने कहा कि जबतक सीएम से वार्तालाप नहीं होता है और विज्ञापन को रद्द नहीं किया जाता है, तबतक उनका आंदोलन चलता रहेगा.

ये तीन सूत्री मांगें हैं

- सेवा विमुक्त चौकीदार और अनुकंपा के आधार पर चौकीदार के रिक्त पदों पर निकाले विज्ञापन को रद्द हो.
- विमुक्त चौकीदार को पुनः योगदान कराया जाए.
- एक जनवरी 1990 के पूर्व और बाद में सेवानिवृत्त चौकीदार दफादारों के आश्रितों की नियुक्ति पूर्व प्रक्रिया के अनुसार हो.

स्कूल और मंदिर के पास शराब न बिके : हाईकोर्ट

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने डीजीपी और रांची एसएसपी को निर्देश दिया है कि शहर में स्कूल और मंदिरों के पास किसी भी हाल में शराब की बिक्री न होने दें. नशे के बढ़ते कारोबार के खिलाफ स्वतः संज्ञान लिए मामले की सोमवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने यह बात कही. सुनवाई के दौरान डीजीपी और रांची एसएसपी अदालत में हाजिर थे. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि उत्पाद विभाग के साथ-साथ पुलिस की भी यह जिम्मेवारी है कि शहर में अवैध ढंग से शराब की बिक्री न हो. देर रात तक बार एवं रेस्टूरेंट खुले रहने से अप्रिय घटना होने की आशंका ज्यादा रहती है. पुलिस की पीसीआर वैन रात में शराबियों और आपराधिक तत्वों पर नजर रखे. अदालत ने डीजीपी को निर्देश दिया कि अफीम, चरस, गांजा समेत अवैध शराब पर नियंत्रण के लिए एसओपी बनाएं. कोर्ट ने कहा कि खूंटी सहित राज्य के कई जिलों में जंगलों में अफीम की खेती होती है. सैटेलाइट मैपिंग के माध्यम से पुलिस और एनसीबी समन्वय कर इसका पता लगाएं और नष्ट करने की कार्रवाई करें.

मंईयां योजना अवैध वसूली के लिए लाई गई है : मरांडी

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ड्रीम स्कीम मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में महिलाओं से वसूली का आरोप प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने लगाया है. मरांडी ने अपने एक्स हैंडल के जरिए कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के शुभारंभ के पहले दिन ही फॉर्म के नाम पर वसूली का शुभारंभ कर दिया गया है. हेमंत सरकार की चरणबद्ध योजना के तहत अभी फॉर्म के नाम पर, फिर पंजीकरण के नाम पर, फिर सूची में नाम डालने के नाम पर और अंत में खाते में पैसे भेजने के नाम पर वसूली के सारे चरण पूरे किया जाएंगे. मरांडी ने आरोप लगाया कि झारखंड में बिना पैसों के कोई भी काम नहीं होता है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इसके तो हजारों उदाहरण पहले ही हिम्मतवाली सरकार ने पेश कर दिए हैं. लेकिन फिर से एक बार, एक नया वसूली का उदाहरण एक नई योजना के साथ पेश किया जा रहा है. इन सारी घटनाओं से यह तो स्पष्ट हो ही जाता है कि हेमंत सरकार में योजनाओं को लाने का उद्देश्य जनकल्याण नहीं, बल्कि वसूली करने और कराने का है.

सर्वर डाउन लोग फार्म नहीं भर पा रहे हैं : सीता

इधर सीता सोरेन ने भी इस योजना के जरिए सरकार को घेरा है. उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए जनता को बरगलाने के लिए सरकार ने मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की है. स्थिति यह है कि लोग फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं. सर्वर डाउन है .आदिवासियों के सम्मान की बात करने वाले हेमंत सोरेन की सरकार को इस राज्य की जनता देख रही है.

जेएसएससी परीक्षा कैलेंडर 2024 को संघ ने बताया विफल

रांची। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष संगम उरांव ने झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन द्वारा जारी परीक्षा कैलेंडर 2024 को विफल बताया है. उन्होंने कहा कि जेएसएससी द्वारा महिला पर्यवेक्षक प्रतियोगी परीक्षा की संभावित तारीख जुलाई 2024 के अंतिम सप्ताह में घोषित की गई थी, लेकिन अब तक परीक्षा आयोजित नहीं हो सकी है. संगम उरांव ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को विस चुनाव का चिंता है. लेकिन छात्रों का भविष्य संवारने में कोई ध्यान नहीं दिया है.

ईडी में लीगल रिटेनर पद के लिए नियुक्ति

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को देशभर में विभाग का पक्ष रखने के लिए लीगल रिटेनर की जरूरत है. केंद्र सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी की है. केंद्र सरकार की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, वकालत के पेशे में दो वर्षों का अनुभव रखने वाले वकील लीगल रिटेनर के पद पर नियुक्ति के लिए योग्य होंगे और उन्हें 80 हजार रुपये बतौर मासिक वेतन दिया जाएगा. आवेदन जमा करने की अंतिम 25 अगस्त निर्धारित की गयी है.

साहिबगंज जिले में अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

आरोपियों की बेल पर 12 को सुनवाई

संवाददाता। रांची

साहिबगंज जिला में अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी भगवान भगत और सुनील यादव की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में अब 12 अगस्त को सुनवाई होगी. शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस अगस्टिन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है. रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट दोनों आरोपियों को बेल देने से इंकार कर चुका है, जिसके बाद इन्होंने सुप्रीम कोई का दरवाजा खटखटाया है.

आर्किटेक्ट विनोद सिंह ने अग्रिम जमानत अर्जी वापस लेने के लिए दायर की याचिका

रांची। लैंड स्कैम केस के आरोपी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह ने अपनी अग्रिम जमानत याचिका वापस लेने के लिए याचिका दायर की है. विनोद सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लाउंड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी अग्रिम ज़मानत अर्जी वापस मांगी है. ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है. जिसमें विनोद सिंह को भी अभियुक्त बनाया गया है. ईडी की पीसी पर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. इस केस के प्रमुख आरोपी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हाईकोर्ट से बेल मिलने के बाद जमानत पर बाहर हैं और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं.

2300 रुपए की वसूली मामले में सीआईडी जांच का आदेश दिया

रांची। संथाल परगना के पाकुड में अवैध पत्थर लोड प्रति ट्रक से 2300 रुपए की वसूली मामले में सीआईडी ने जांच का आदेश दिया है. सीआईडी मुख्यालय ने पाकुड के सीआईडी प्रभारी को दिये आदेश में कहा है कि पाकुड़ जिले के हिरणपुर थाना क्षेत्र स्थित श्यामनगर चेक पोस्ट से अवैध खनन, अवैध परिवहन और 2300 रुपये की अवैध वसूली से संबंधित सूचना मिली है. आदेश दिया जाता है कि इस मामले की सुस्पष्ट जांच कर जांच प्रतिवेदन समर्पित करें. मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक श्यामनगर चेकपोस्ट से रोजाना लाखों रुपए के सरकारी राजस्व की चोरी हो रही है.

दी जानकारी जेएसएससी ने हाईकोर्ट को बताया

वेबसाइट पर जारी होगी मेरिट लिस्ट व कट ऑफ मार्क्स

संवाददाता। रांची

जेएसएससी द्वारा वर्ष 2016 में हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति विज्ञापन का राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट जारी करेगा. सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट में यह जानकारी जेएसएससी की ओर से दी गई है. झारखंड हाईकोर्ट में जेएसएससी की ओर से यह बताया गया कि राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट अपनी वेबसाइट पर 10 दिन में अपलोड कर देगा. इसके साथ ही कमीशन कट ऑफ मार्क्स भी अपनी वेबसाइट पर जारी करेगा. कोर्ट ने जेएसएससी को निर्देश दिया है कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट जारी करे. अब हाईकोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 5 सितंबर को होगी. बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व में जेएसएससी को वर्ष 2016 के हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति विज्ञापन के आलोक में राज्य स्तरीय मेरिट जारी करने का निर्देश दिया था. मामले में मीना कुमारी समेत सात अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई. जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजॉय पिपरवाल और प्रिंस कुमार ने बहस की.

सरकारी कर्मियों को बच्चों के लिए मिल सकता है एजुकेशन भत्ता

- राज्य सरकार कर रही विचार, दूसरे राज्यों से मांगी जानकारी
- केंद्र के कर्मियों के बच्चे के लिए 2250 रुपये मिलता है भत्ता

रांची। झारखंड के सरकारी कर्मियों को अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए एजुकेशन भत्ता दिया जा सकता है. राज्य सरकार इस पर विचार कर रही है. केंद्र सरकार, छठे व सातवें वेतन आयोग लागू होने के बाद अपने कर्मियों के बच्चे को एजुकेशन भत्ता के रुप में 2250 रुपये देती है. झारखंड के सरकारी कर्मी भी इसी आधार पर एजुकेशन भत्ता की मांग करते रहे हैं. इसी मद्देनजर दो अप्रैल और 10 जून को सरकार ने विभिन्न राज्यों के वित्त विभाग को पत्र लिख कर एजुकेशन भत्ता के बारे में जानकारी मांगी थी. साथ ही सरकार के स्तर पर इस योजना के वित्तिय प्रभावों पर भी विचार किया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक बिहार, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश व पंजाब में सरकारी कर्मियों के बच्चों की पढ़ाई के लिए एजुकेशन भत्ता देने का कोई प्रावधान नहीं है. जबकि उत्तर प्रदेश, नागालैंड, केरल व हरियाणा में सरकारी कर्मियों के बच्चों के लिए अलग-अलग राशि एजुकेशन भत्ता के तौर पर दी जाती है. सिर्फ एक राज्य तमिलनाडु में केंद्र सरकार की तरह ही राज्य के कर्मियों को चिल्ड्रेन एजुकेशन भत्ता दिया जाता है.

क्लासिफाइड

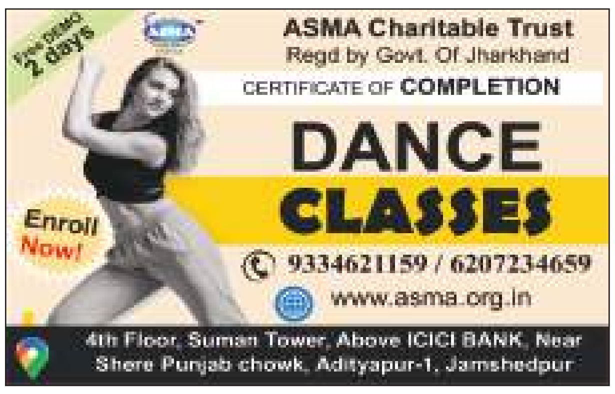

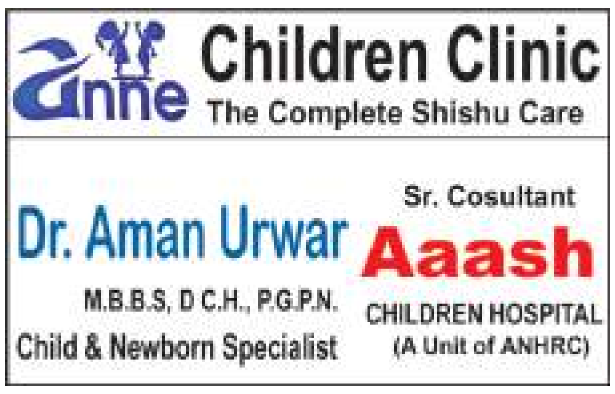

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | धनबाद, मंगलवार 06 अगस्त 2024 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 119 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष जांच शिविर कल

खास बातें

- 7 से 10 अगस्त तक सदर अस्पताल धनबाद में शिविर
- 20 से 22 अगस्त को प्रखंड में मिलेगा ऑन स्पॉट प्रमाण पत्र

संवाददाता । धनबाद

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष राम शर्मा के निर्देश पर सदर अस्पताल धनबाद में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिविर लगाया जा रहा है. शिविर में वैसे बच्चे जो शारीरिक अथवा मानसिक रूप से दिव्यांग है, उनका मेडिकल चेकअप करने के बाद दिव्यांगता का सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा. इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश राकेश रोशन ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के लिए सदर अस्पताल में 7 अगस्त से लेकर 10 अगस्त तक विशेष चेकअप शिविर लगाया जाएगा. जिसमें मेडिकल बोर्ड द्वारा जांच की जाएगी तदोपरांत उनका सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा. न्यायाधीश रोशन ने बताया कि अब तक 2618 बच्चे चिन्हित किया जा चुके हैं जो दिव्यांग हैं और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला है. वहीं 439 बच्चे ऐसे हैं जिनके पास दिव्यांगता का सर्टिफिकेट नहीं है, इस कारण उन्हें सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है. न्यायाधीश ने बताया कि सभी बच्चों का सर्टिफिकेट बनने के बाद उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा.

बोकारो सदर अस्पताल में सिविल सर्जन और जिला प्रशासन की मिलीभगत से हुआ बड़ा खेल

अधिक रेट कोट करने वाली एल-2 कंपनी से खरीदी सोनोग्राफी मशीन

खास बातें

- अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन के लिए एल-1 कंपनी ने 18 .48 लाख का रेट किया था कोट
- एल-2 कंपनी ने मशीन का एक हिस्सा हटा कर 6 .83 लाख के अंतर को पाट दिया

प्रवीण कुमार । रांची

डीएमएफटी फंड का दुरुपयोग

राज्य में डीएमएफटी फंड के दुरुपयोग के कई मामले सामने आते रहे हैं. बोकारो जिला में भी डीएमएफटी फंड खर्च करने में कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने के मकसद से नियमावली की शर्तों का खुल कर उल्लंघन किया गया है. मामला बोकारो सदर अस्पताल में अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन खरीद से जुड़ा है. डीएमएफटी फंड से नई अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन खरीदने की स्वीकृति मिली.

इसके लिए बोकारो के सिविल सर्जन की अध्यक्षता में क्रय समिति बनायी गयी. मशीन की आपूर्ति करनेवाली कंपनियों ने 4डी कनवेक्स प्रोव जांच 4.0-7 ओएमएचजेड के लिए निविदा भरी, लेकिन एल-1 रही कंपनी से मशीन न खरीद कर एल-2 रही कंपनी से खरीदारी कर ली गयी. एल-2 कंपनी ने 6.83 लाख के बदले मशीन का एक हिस्सा वापस ले लिया. विशेषज्ञों के मुताबिक, मशीन के इस हिस्से के बिना विश्वसनीय स्कैनिंग संभव ही नहीं है.

सिविल सर्जन ने मशीन के 6.83 लाख लागतवाले हिस्से को वापस किया

पूरे मामले में पेच फंस जाने के बाद आपूर्तिकर्ता द्वारा दी गई मशीन में से 6 .83 लाख की लागत वाला एक हिस्सा 4-डी कन्वैक्शन प्रूफ जांच 4 .07 ओएमएचजेड को एल टू वाली आपूर्तिकर्ता कंपनी को वापस कर दिया गया . यह मशीन का वह हिस्सा है, जिसके बिना पेट की गहराई तक स्कैन करना संभव नहीं हो पाता .

एल-2 कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए 18.48 लाख में अधूरी मशीन ले ली

सिविल सर्जन की अध्यक्षता वाली जिला क्रय समिति ने 18 .48 लाख में मशीन की आपूर्ति की तकनीकी स्वीकृति एल-1 वाली कंपनी को दी थी . लेकिन एल-2 रही कंपनी, जिसने 25 .31 लाख रेट कोट किया था, उसे लाभ पहुंचाने के लिए मशीन आपूर्ति का आर्डर दे दिया गया . एल-1 कंपनी के लिए बोकारो के उप विकास आयुक्त ने मशीन खरीद की फाइल पर लिखा था कि तकनीकी योग्यता के संबंध में सभी दस्तावेज संचिका में उपलब्ध हैं . इसके बाद जिला क्रय समिति को मामला फंसता हुआ नजर आया . इसलिए, बीच का रास्ता निकालने के लिए एल-1 आपूर्तिकर्ता द्वारा दी गई निविदा दर पर भुगतान करने का निर्णय हुआ, जो एल-2 कंपनी से 6 .83 लाख रुपये कम था .

ब्रीफ खबरें

चिटाही मंदिर का रास्ता खुला, आवागमन शुरू

बरोरा । बरोरा थाना अंतर्गत मुराईडीह से रामराज मंदिर चिटाही धाम जाने वाले मुख्य मार्ग में भू धंसान के तीसरे दिन बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र के मुराईडीह कोलियरी प्रबंधन द्वारा ओबी डालकर गोफ को बंद कर दिया गया. इसके बाद चिटाही धाम मार्ग सुचारू रूप से शुरू किया गया. मौके पर नोडल आफिसर नवल किशोर एवं सेफ्टी आफिसर पी पांडेय ने संयुक्त रूप से कहा कि वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर सुरक्षा के मद्देनजर गोफ के आगे के हिस्से को मशीन से ही काटकर जांच परख कर ओबी डालकर भराई कर दी गई ताकि भविष्य में कोई घटना न हो सके.

बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना

तोपचांची: रविवार की रात अज्ञात चोरों ने तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत कांडेडीह स्थित गोवर्धन मंडल के घर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है. गोर्वधन मंडल के भतीजा चंदन कुमार मंडल ने बताया कि गोर्वधन मंडल के घर मे कोई नही था. रात को अज्ञात चोरों ने घर में रखे 4 तोला सोना की ज्वेलरी, 2 तोला चांदी की ज्वेलरी, कांसा का बर्तन और नगद 25 हजार रुपए चुरा लिया. चोरों ने घर में रखे समान को इधर-उधर फेंक दिया.

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष कैद

धनबाद । नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के एक मामले में धनबाद पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने नामजद आरोपी बेकारबांध निवासी नारायण कुमार को बीस वर्ष कैद एवं दस हजार रुपए जुर्माना से दंडित किया है. शनिवार को अदालत ने उसे दोषी करार दिया था. मुकदमे की प्राथमिकी पीड़िता की शिकायत पर धनबाद थाने में दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 2015 में सरस्वती पूजा के दिन पीड़िता एक अपार्टमेंट में पीने का पानी लाने गई थी. जब वह पानी लेकर लौट रही थी तो आरोपी स्नेही यादव एवं नारायण कुमार ने उसे पकड़ लिया और जबरन अपने घर में ले गया. फिर दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया.

मंइयां सम्मान योजना का विशेष कैंप अब 15 तक, सीएम का निर्देश

तकनीकी समस्याओं को शीघ्र दूर करें

विशेष संवाददाता । रांची

सीएम बोले

- कैंप के बाद भी योजना का कभी भी लाभ ले सकेंगी महिलाएं
- योजना की पूरी प्रक्रिया नि :शुल्क, बिचौलियों से सावधान रहें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 'झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना' की शुरुआत होने के बाद अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट कर झारखंड की बहनों को बहुत-बहुत बधाई दी है. उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने में बहनों को आ रही शुरुआती परेशानी के बारे में उन्हें जानकारी मिली है. तकनीकी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए उन्होंने निर्देश दिया है. इस मामले को लेकर वरीय पदाधिकारियों की भी बैठक हुई है. योजना को लेकर दिख रहे उत्साह को लेकर पूरे राज्य में प्रज्ञा केंद्रों की संख्या बढ़ाने का भी निर्देश दिया गया है.

विशेष कैंप के बाद प्रज्ञा केंद्र से भी उठा सकते हैं लाभ

सीएम ने कहा कि सभी बहनों को यह बताना चाहता हूं कि यह हमेशा चलने वाली योजना है. योजना का लाभ लेने के लिए कोई समय सीमा नहीं है. विशेष कैंप के आयोजन के बाद भी जरूरतमंद बहनें कभी भी अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर इस योजना का लाभ ले सकेंगी. बहनों को योजना का आसानी से लाभ मिले, इसलिए 10 अगस्त तक लगाए गए विशेष कैंप को पांच दिन आगे बढ़ाने का निर्देश दिया गया है. यानी कि राज्यभर में अब 15 अगस्त विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा. इसके बाद भी बहनें अपनी सुविधानुसार योजना का लाभ ले सकती हैं.

बिचौलिए पर प्रशासन कार्रवाई करे

हेमंत सोरेन ने कहा है कि उन्हें यह भी जानकारी मिली है कि योजना में बहनों को मिल रहे लाभ को देखते हुए कहीं-कहीं कुछ बिचौलिए भी सक्रिय हो गए हैं . उन्होंने कहा कि वह सभी को बताना चाहते हैं कि इस योजना की पूरी प्रक्रिया नि :शुल्क है, इसलिए बिचौलियों से सावधान रहें . उन्होंने सभी जिले के प्रशासन को निर्देश दिया है कि कहीं भी बिचौलियों की सूचना मिले, तो उनपर कड़ी कार्रवाई करें . उन्होंने कहा कि इस योजना से राज्य की लाखों बहनों को हर साल 12 हजार रुपये मिलेंगे . झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना और उनका भी यही लक्ष्य है .

सर्वर नहीं, महिलाओं का उत्साह डाउन

धनबाद/गोविंदपुर । 1000 रुपये महीने पाने की लालसा में जिले की हजारों महिलाएं पिछले तीन दिनों से परेशान हो रही हैं . लगभग सभी केंद्रों पर बैठे कंप्यूटर ऑपरेटर भी लाचार बैठ कर महिलाओं की भीड़ को झेल रहे हैं . मालूम हो कि तीसरे दिन वार्ड नं 29 के भूदा विवाह भवन कैम्प में मात्र चार रजिस्ट्रेशन हो पाया है . जबकि रविवार को मात्र एक का ही रेजिस्ट्रेशन हो पाया था . वहीं वार्ड नं 41 में तीन दिनों में मात्र पांच महिलाओं का रजिस्ट्रेशन हो सका है . जबकि हजारों महिलाएं मायूस होकर लौट गई . यही हश्र लगभग सभी वार्डो एवं पंचायत का हैं . इधर गोविंदपुर में शनिवार और रविवार को पंचायत सचिवालय में महिलाओं की जो भीड़ दिखी थी, वह सोमवार को नहीं दिखी . रविवार को पूरे प्रखंड के 39 ग्राम पंचायत में करीब 10, 000 आवेदन आए थे . हालांकि ऑनलाइन करीब 75 ही हो पाए थे . सोमवार को यह संख्या घटकर करीब 3500 रह गई और ऑनलाइन केवल 34 हो पाए . साइट नहीं खुलने और सर्वर डाउन रहने के कारण महिलाओं का उत्साह फीका पड़ गया है . महिलाएं पंचायत सचिवालयों से निराश लौट रही हैं . अनेक पंचायत सचिवालयों में सोमवार को आंगनबाड़ी सेविकाएं नहीं पहुंची या आधे से कम पहुंचीं . प्रखंड विकास पदाधिकारी ने जहीर आलम ने कहा कि साइट चले या नहीं चल सभी कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रज्ञा केंद्र संचालकों, आंगनवाड़ी सेविकाओं एवं पर्यवेक्षकों को प्रतिदिन पंचायत सचिवालय पहुंचना है . पीएसएस, जेएसएलपीएस, पंचायत सचिव मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य आदि को इसमें सहयोग करना है . यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है . उन्होंने कहा कि पंचायत सचिवालयों में लगे शिविरों में जितने भी आवेदन आएंगे, सभी को कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रज्ञा केंद्र संचालक ऑनलाइन करेंगे .

विशेष अभियान में 105 वांछित गिरफ्तार

संवाददाता । धनबाद

- रविवार को पूरी रात चला अभियान, जिले के सभी थानों के वांछितों की खोज
- एसएसपी ने कहा - 112 पर फोन कर दें अपराध की सूचना, गिरफ्तार करना हमारा काम

झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता के निर्देश पर धनबाद पुलिस ने रविवार की रात विशेष अभियान चला कर कल 105 वांछितों को गिरफ्तार किया है. इसमें कई वारंटी और अपराधी भी पकड़े गए हैं. जिन्हें जेल भेज दिया गया है.अभियान जिले के लगभग सभी थाना क्षेत्र में चलाया गया. इस अभियान में की गई मेहनत से पुलिस को सफलता मिली है. धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक हरदीप पी जनार्दनन ने जानकारी देते हुए बताया कि धनबाद पुलिस दो महीने में विशेष अभियान चला कर और एप के सहयोग से 20 साइबर अपराधी को साइबर अपराध करते हुए रंगेहाथ पकड़ चुकी है जबकि 5 अपहरणकर्ता को भी पकड़ने में सफलता मिली है. डकैती के 2 मामले का भी उद्भेदन पुलिस द्वारा किया गया है.

एसएसपी ने प्रेस वार्ता में कहा कि चेन छिनतई रोकने को लेकर भी सभी थानेदारों को दिशा-निर्देश दिया गया है. पकड़े गए अपराधी जेल से छूट कर फिर से छिनतई में लग जाते हैं, इसलिए महिलाओं को भी सचेत रहने की आवश्कता है. बताया कि नशा के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है. नशा के विरोध में लगातार कार्रवाई की गई है. ट्रैफिक जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है, पुलिस की पाठशाला के मध्यम से स्कूलों में बच्चों को जागरूक किया जा रहा है. कहा कि लोग 112 पर कॉल कर पुलिस को अपराध की जानकारी दें. इसके बाद पुलिस अग्रतर कार्रवाई करेगी, अपराधियों को दबोच कर जेल भेजने का काम करेगी.

ॐ नमः शिवाय

तीसरी सोमवारी को आरपीएफ मंदिर में जल चढ़ाती महिलाएं

पूजा करने गया सिजुआ का युवक नदी में बहा

गिरिडीह । बाबा दुखहरण नाथ धाम पूजा अर्चना के लिए धनबाद के कतरास, सिजुआ से परिवार के साथ आए एक 17 वर्षीय युवक गौतम चौहान दुःखहरण नाथ धाम के उसरी नदी में पानी के तेज धार में बह गया. युवक का अभी तक कोई अता पता नहीं चला. स्थानीय गोताखोर कुछ युवक गौतम का पता लगाने में जुटे हुए हैं. वही दूसरी तरफ उसकी मां, दादा, दादी और चाची का रो रो ,कर बुरा हाल है. साथ में नहा रहा बहनोई को भी इसकी भनक नहीं लगी. फिलहाल सकुशल गौतम के निकलने की उम्मीद लगाए सभी नदी तट पर ही रुके हुए हैं. वहीं गौतम की मां मंदिर के भीतर शिवलिंग के पास बेटे को सुरक्षित वापसी की प्रार्थना कर रही है. इस दौरान जानकारी मिलने के बाद मुफ्फसिल थाना पुलिस भी दुखहरण नाथ धाम पहुंच कर युवकों के प्रयास से गौतम के तलाश में जुटी हुई है.

नीरज सिंह हत्याकांड : सुप्रीम कोर्ट से मिली पिंटू को जमानत

संवाददाता । धनबाद

नीरज हत्याकांड में बीते आठ वर्षों से जेल में बंद जैनेंद्र सिंह उर्फ पिंटू सिंह को भारत के सर्वोच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है. पिंटू सिंह के अधिवक्ता जया कुमार ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति बीआर गवई और केभी विश्वनाथन की खंडपीठ ने वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे व सन्नी चौधरी की दलील सुनने के बाद पिंटू सिंह को जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया है. सर्वोच्च न्यायालय का आदेश ट्रायल कोर्ट को पहुंचते ही वह जमानत पर मुक्त हो जाएंगे. पिंटू सिंह 30 मार्च 2017 से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है.

चार बार हाईकोर्ट से एक बार सुप्रीम कोर्ट से लगा था झटका : बीते 8 वर्षों में पिंटू सिंह ने चार बार झारखंड उच्च न्यायालय में जमानत अर्जी दाखिल कर जमानत पर मुक्त करने की गुहार लगाई थी परंतु हाईकोर्ट से उसे राहत नहीं मिली थी. झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रंगन मुखोपाध्याय की खंडपीठ ने 21 फरवरी 24 को पिंटू सिंह की चौथी जमानत याचिका को खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया था कि मामले का जल्दी निष्पादन किया जाए. इस आदेश को पिंटू सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी क्रिमिनल नंबर 6452/24 दायर कर 3 मई 24 को चुनौती दी थी.

स्टीलगेट पर हुई थी हत्या

21 मार्च 2017 की संध्या करीब 7 बजे नीरज सिंह अपने फॉरच्यूनर जेएच10एआर-4500 से सरायढ़ेला स्थित अपने आवास रघुकुल लौट रहे थे . वह ड्राईवर के साथ आगे सीट पर बैठे थे . पीछे के सीट पर उनका सहायक सरायढ़ेला न्यू कॉलोनी निवासी अशोक यादव और दो निजी अंगरक्षक मुन्ना तिवारी बैठे थे . स्टील गेट के पास बने स्पीड ब्रेकर पर नीरज की गाड़ी की रफ्तार कम होते ही दो बाईक पर सवार हमलावरों ने उनकी कार पर गोलियों की बरसात कर हत्या कर दी थी . इस मामले में झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह समेत अन्य आरोपियों में पिंटू सिंह भी शामिल थे .

धनबाद में नहीं मिलेगा मुफ्त बालू

सीएम की घोषणा का नहीं मिल पाएगा लाभ, जेएसएमडीसी के अंतर्गत यहां एक भी बालू घाट नहीं

- जिले के 9 बड़े घाटों के लिए आज निकलेगा टेंडर

संवाददाता । धनबाद

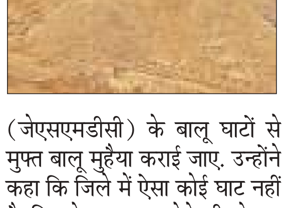

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के नॉन टैक्स पेअर को मुफ्त बालू देने की घोषणा तो कर दी है लेकिन इसके धरातल पर उतरने की उम्मीद बहुत कम है. सीएम ने राज्य के सभी नॉन टैक्स पेअर को मुफ्त बालू देने की घोषणा की थी. जिसके आलोक में धनबाद जिला खनन विभाग को भी पत्र आया है. जिला खनन पदाधिकारी मिहिर सलकर ने बताया कि विभाग से आए पत्र में लिखा है कि झारखंड स्टेट मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (जेएसएमडीसी) के बालू घाटों से मुफ्त बालू मुहैया कराई जाए. उन्होंने कहा कि जिले में ऐसा कोई घाट नहीं है, जिससे मुफ्त बालू देने की योजना को पूरा किया जा सके. मिहिर सलकर ने बताया कि आस-पास के जिलों में सिर्फ देवघर में ही ऐसा घाट है, जहां से मुफ्त बालू दी जा सकती है.

चौथी बार निकलेगा जिले के बालू घाटों का टेंडर : मंगलवार को 9 बालू घाटों का टेंडर एक बार फिर से निकाला जा रहा है. जिससे आम लोगों को महंगे और अवैध बालू की खरीदारी से राहत मिलने की उम्मीद है. बता दें कि अक्टूबर महीने में निकाले गए टेंडर को रद्द कर दिया गया है. लगातार तीसरी बार यह टेंडर रद्द किया गया है. जिले के 9 बड़े बालू घाटों के लिए पिछले साल अक्टूबर महीने में टेंडर निकाली गई थी. जिसकी प्रक्रिया पूरी भी कर ली गई थी लेकिन सिया कमिटी (स्टेट लेवल एनवॉयरनमेंट इम्पैक्ट असेसमेंट ऑथिरिटी के भंग होने के कारण एनवायरनमेंट क्लीयरेंस नहीं मिल पाया था. इस कारण बालू का उठाव सम्भव नहीं हो पाया. अप्रैल महीने में सिया कमिटी का गठन तो हो गया लेकिन पिछला टेंडर को रद्द कर दिया गया. जिला खनन पदाधिकारी मिहिर सलकर ने बताया कि पिछले टेंडर को रद्द कर नया टेंडर निकाला जा रहा है. एक महीने में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर बालू का उठाव शुरू कराने की उम्मीद है.

9 बड़े घाटों की नीलामी से आम लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

जिले के 9 बड़े घाटों की नीलामी नहीं होने के कारण बालू की अवैध बिक्री जोरों पर है . अवैध रूप से बिक रहे बालू को दुगने से ज्यादा दाम पर खरीदने को लोग मजबूर हैं . अवैध रूप से बिक रहे बालू का इस्तेमाल ही सरकारी कार्यों के साथ निजी कार्यों में भी किया जा रहा है . जिससे उपभोक्ताओं को दुगनी मार झेलनी पड़ रही है . इन 9 बड़े बालू घाटों का टेंडर फाइनल हो गया होता तो लोगों को सस्ते दर पर बालू उपलब्ध हो जाता . मालूम हो कि वर्षों से धनबाद के लोग ऊंची कीमत पर बालू खरीदने को मजबूर हैं . घाटों की नीलामी से बालू की कीमत कम होगी . बढ़े दाम से आम लोगों से लेकर रियल एस्टेट व सरकारी योजनाएं तक प्रभावित हैं . जिन बालू घाटों की नीलामी होगी, उनमें जहाजटांड़ व भौंरा झरिया, सिंगरा व नगदा बाघमारा, जाजलपुर, हरिहरपुर तोपचांची, तेलमच्चो बाघमारा, लोहपट्टी बाघमारा व एग्यारकुंड प्रखंड स्थित डुमरकुंडा बालू घाट शामिल हैं .

रतिलाल ने किया पश्चिमी टुंडी का दौरा

टुंडी: टुंडी विधानसभा क्षेत्र के झामुमो नेता रतिलाल टुडू ने पश्चिमी टुंडी की कई पंचायतों का दौरा कर झारखंड मुख्यमंत्री मंइया सम्मान योजना के महिलाओं की हौसला अफजाई की. उन्होंने मनियाडीह, मछियारा जीतपुर, फतेहपुर, जांताखूंटी आदि पंचायतों का दौरा किया.इस दौरान मइया सम्मान योजना में कम इंट्री सर्वर डाउन पर अफसोस जाहिर किया. उन्होंने पंचायत भवन में मौजूद मईया सम्मान योजना के लाभुकों को हौसला अफजाई की. कहा कि पूरे राज्य में एक साथ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना शुभारंभ हुई है. इसलिए प्रारंभिक दौर में ऐसी अड़चनें आ रही हैं. इसको लेकर धरातल की वस्तुस्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया जा रहा है. इस काम पूरे प्रशासनिक महकमा लगा है. बहुत जल्द तकनीकी अड़चनें दूर की जायेगी या सरकार कोई विकल्प जरुर निकालेगी.

आईआईटी में परियोजना-वित्तीय प्रबंधन पर कार्यक्रम

संवाददाता । धनबाद

आईआईटी (आईएसएम) द्वारा दक्षिण पूर्वी कोयला क्षेत्र लिमिटेड के शीर्ष और मध्य स्तर के प्रबंधकों के लिए परियोजना और वित्तीय प्रबंधन पर पांच दिवसीय कार्यक्रम शुरू किया गया है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य दक्षिण पूर्वी कोयला क्षेत्र लिमिटेड के शीर्ष और मध्य स्तर के कार्यकारियों को परियोजना और वित्तीय प्रबंधन में प्रशिक्षित करना और उन्हें परियोजना प्रबंधन और सिमुलेशन सॉफ्टवेयर के साथ हाथों-हाथ अनुभव प्रदान करना है. आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा ने ऑनलाइन मोड में उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की और खनन परियोजनाओं के लिए वित्तीय प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला. इससे पहले, एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक डॉ पीएस मिश्रा ने उद्घाटन किया था. कार्यक्रम में चार सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रोफेसर जेके पट्टनायक और प्रोफेसर संदीप मंडल द्वारा विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई. प्रोफेसर पट्टनायक ने रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन और कोयला खनन परियोजनाओं में लागत मुद्दों और वित्त के स्रोतों पर चर्चा की. अगले चार दिनों में, अन्य प्रमुख संसाधन व्यक्तियों द्वारा खनन परियोजनाओं में नेतृत्व और प्रेरणा मुद्दों, परियोजनाओं की वित्तीय मूल्यांकन और विवरण विश्लेषण, कोयला खनन में एजाइल प्रबंधन, खनन परियोजनाओं में स्थिरता मुद्दों, और जोखिम विश्लेषण और सिमुलेशन मॉडलिंग पर चर्चा की जाएगी.

▼ ब्रीफ खबरें

दरिदा के युवक की अहमदाबाद में मौत

बरोरा। दरिदा पंचायत के छारटांड टोला निवास मनोज मिस्त्री नामक युवक की अहमदाबाद में मौत हो गई. गुरुवार को अपने गांव से काम की तलाश में अहमदाबाद अपने बड़े भाई लखन मिस्त्री भाई के पास जा रहा था. इसी दौरान अचानक पेट में हुआ दर्द हुआ और ट्रेन में ही तबीयत बिगड़ने लगी. अहमदाबाद पहुंचने पर उसके भाई ने आनन-फानन में हॉस्पिटल में भर्ती कराया. जहां सोमवार की शाम को तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उसकी मौत हो गई. फिलहाल उसका बड़ा भाई मृत शरीर को लेकर एम्बुलेंस से घर लौट रहा है. मौत की खबर सुनकर परिजनों का बुरा हाल है. मनोज को एक बेटी एवं दो बेटा है.

14 अगस्त को अखंड भारत संकल्प दिवस की तैयारी

गोविंदपुर। जिला ग्रामीण विहत जिला अध्यक्ष विपिन मंडल की अध्यक्षता में सोमवार को ऊपर बाजार दुर्गा मंदिर परिसर में हुई. बैठक में सभी गांवों में संगठन विस्तार का निर्णय लिया गया. 14 अगस्त को अखंड भारत संकल्प दिवस पर प्रखंड क्षेत्रों में एक-एक कार्यक्रम किया जाएगा. स्थापना दिवस कार्यक्रम 22 अगस्त से 01 सितंबर तक मनाया जाएगा. षष्ठी पूजन के रूप में अधिक से अधिक गांवों में स्थापना दिवस कार्यक्रम किया जाएगा. 01 सितंबर 2024 को गोविंदपुर प्रखंड का स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम प्रखंड स्तर का एक भव्य कार्यक्रम किया जाएगा1 प्रांत सत्संग प्रमुख रंजन कुमार सिन्हा ने कहा झारखंड में लव जिहाद, धर्मांतरण बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या घुसपैठ तथा हिंदू समाज के ऊपर अत्याचार बहुत ही बढ़ गया है. इसकी रोकथाम व हिंदू समाज के रक्षा के लिए विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ता हर समय तत्पर रहते हैं.

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी दोषी करार

धनबाद। शादी का पर प्रलोभन देकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के एक मामले में धनबाद पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने नामजद आरोपी बरवाअड्डा निवासी प्रकाश रजवार को दोषी करार दिया है. अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए मंगलवार की तारीख निर्धारित की है. प्राथमिकी पीड़िता की शिकायत पर गोविंदपुर थाने में 26 मार्च 2022 को दर्ज की गई थी । प्राथमिकी में पीड़िता ने आरोप लगाया था कि 19 मार्च 2022 को प्रकाश ने उसे प्रलोभन दिया कि वह उससे शादी करेगा. फिर उसे साहिबगंज के एक शिव मंदिर में ले गया. उसकी मांग में जबरन सिंदूर डाल दिया फिर उसके साथ दुष्कर्म किया. वहां से भाग गया. अनुसंधान के बाद पुलिस ने 16 मई 22 को प्रकाश के विरुद्ध आरोप पत्र दायर किया था.

111 कांवरियों का जत्था देवघर के लिए रवाना

मैथन। पिछले 17 वर्षों से सावन माह में चिरकुंडा कांवरिया संघ देवघर की यात्रा करता रहा है. इस वर्ष भी संघ के 111 कांवरियों का जत्था सावन की तीसरी सोमवारी पर तीन नंबर चढ़ाई से देवघर से सुल्तानगंज के लिए रवाना हुआ. सुल्तानगंज स्थित पवित्र गंगा नदी में डुबकी लगाने के बाद कांवरिये पैदल देवघर जाएंगे तथा बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण करेंगे. इसके बाद कावरिये बासुकीनाथ जाएंगे. रवाना होते समय कांवरियों ने कहा कि विगत 17 वर्षों से हमलोग देवघर में बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक करते रहे हैं. जत्था में अजय सिंह, मनोज सिंह, रीता सिंह, प्रतिभा सिंह, रूपा सिंह, अनीता समेत अन्य कांवरिये शामिल हैं.

सुस्ती : धनबाद की 256 पंचायतों में शुरू होनी वाली थी योजना

फाइलों में सिमटी ममता वाहन सेवा योजना

धनबाद। अर्जुन मंडल

जननी शिशु कार्यक्रम के तहत धनबाद जिले की 256 पंचायतों में ममता वाहन सेवा योजना स्वास्थ्य विभाग की फाइलों में ही सिमट कर रह गई. जिले में फिलहाल प्रखंड स्तर पर ही ममता वाहन उपलब्ध है. लगभग 9 माह पहले पंचायत स्तर पर ममता वाहन सेवा शुरू करने की तैयारी की गई थी. इसके लिए जिला स्वास्थ्य विभाग ने टेंडर निकाला गया था. प्रक्रिया पूरी करने के बाद पंचायत स्तर पर ममता वाहन तैनात करने की योजना को लागू भी कर दिया गया. लेकिन कम दर और प्रत्येक गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक पहुंचाने के एवज में पेमेंट की राशि वाहन मालिकों को कम लगा. इस कारण से वाहन मालिकों ने अपनी गाड़ी ममता वाहन में नहीं दी. इस कारण योजना पूरी तरह विफल साबित हो रही है.बता दें कि जननी सुरक्षा कार्यक्रम के तहत गर्भवती और एक साल तक के बीमार शिशु को अस्पताल लाने के लिए ममता वाहन सेवा निःशुल्क प्रदान की जाती है. इस पर आने वाला खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है. ऑनलाइन माध्यम से ममता वाहन की सेवा प्राप्त की जाती है. जलालपुरी जिले में 56 ममता वाहन चल रही है.

योजना के तहत 1348 गांव के लोगों को मिलता लाभ

धनबाद, गोविंदपुर, बलियापुर, निरसा, कलियासोल, एग्यारकुंड, टुंडी, पूर्वी टुंडी, तोपचांची और बाघमारा प्रखंड में कुल 256 पंचायतें हैं . पंचायत स्तर पर ममता वाहन सेवा शुरू होने पर इन पंचायतों के कुल 1348 गांवों के ग्रामीणों को योजना का लाभ मिलता . इधर दामोदरपुर पंचायत के मुखिया कमला देवी ने बताया कि अगर प्रत्येक पंचायत में एक ममता बहन उपलब्ध होती तो इससे गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाने के लिए आसानी होती .

ममता वाहन का ये है उद्देश्य

गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने के लिए सरकार की ओर से ममता वाहन की व्यवस्था की गई है . यह पूरी तरह से निशुल्क सेवा है . सूचना मिलने के आधा घंटा के अंदर पंचायत पहुंचकर संबंधित गर्भवती महिला को नजदीक के प्रसव केंद्र पहुंचाने की जिम्मेदारी ममता वाहन की है . इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली गर्भवती महिलाओं को समय पर चिकित्सकीय सुविधा देना है .

घर से अस्पताल तक यह रेट निर्धारित

पहला 8 किलोमीटर 300 रुपए उसके बाद प्रति किलोमीटर 10 रुपए तय किया गया था . फिलहाल इसे बढ़ाकर पहले 6 किलोमीटर तक में पांच सौ रुपए और इससे अधिक होने पर प्रति किलोमीटर 13 रुपए की दर से दी जा रही है .

नहीं निकलेगा गाड़ी का खर्चा

वाहन मालिकों का कहना है कि पंचायत स्तर में गर्भवती महिला कम मिलने के कारण इस योजना से जुड़ना नहीं चाहते . वाहन मालिकों का कहना है कि महीने में एक पंचायत में एक से दो ही गर्भवती महिलाएं ममता वाहन की जरूरत होती है ऐसे में ना ही गाड़ी का ही खर्चा निकलेगा और ना ही ड्राइवर का .

सीआईएसएफ छापेमारी में 100 बोरा कोयला जब्त

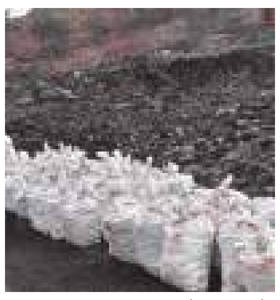

झरिया । जयरामपुर कोलियरी के बीआर कंपनी के नीचे चल रहे सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना में सीआईएसएफ के सहयोग से छापामारी की गईं. छापामारी के दौरान लगभग 100 बोरा कोयला जब्त किया गया है. कोयले को बागडिगी कोलियरी डंप में गिरा दिया गया.अधिकारियों का कहना है कि छापामारी लगातार जारी रहेगी.बता दें कि बीआर कंपनी के समीप कोयला तस्करों द्वारा आउटसोर्सिंग परियोजना से कोयला काट कर लोदना क्षेत्र संख्या 10 में चलने वाले तीन अवैध कोयला डीपू में कोयला पहुंचाया जा रहा है.

मलेरिया के बढ़ते प्रकोप पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

लापरवाही बरतने वालों पर होगी कार्रवाई, इस माह चलेगा सतर्कता अभियान

संवाददाता । धनबाद

मानसून सीजन में धनबाद में डेंगू और मलेरिया का प्रकोप बढ़ता जा रहा है. डेंगू और मलेरिया के पांव पसारने की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग भी बढ़ते मरीजों की संख्या को लेकर गंभीर है और अलर्ट मोड में आ गया है. सीएस डा. चंद्रभानु प्रतापन की अध्यक्षता में बैठक हुई. इस दौरान सिविल सर्जन ने सभी पर्यवेक्षक को डेंगू और मलेरिया के रोकथाम के लिए कई दिशा निर्देश दिए. इसके साथ ही कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि अगर लापरवाही बरती जाती है तो उन पर कार्रवाई की जाएगी. कहा कि इस महीने को सतर्कता अभियान के रूप में चलाया जाएगा. इसे लेकर सहियाओं को जांच के लिए किट उपलब्ध कराई गई है. निर्देश दिया गया है कि कोई भी डेंगू और मलेरिया के लक्षण मिलते हैं तो उसे पर तुरंत पर्यवेक्षक को इसकी सूचना दें और त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाज की समुचित व्यवस्था की कराई जाए. स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कर्मियों द्वारा लोगों को घर-घर जाकर मच्छरों से बचाव करने और सचेत रहने की सलाह दी जाएगी. इसके लिए सहियाओं को बैनर, पोस्टर तथा हैंडबिल उपलब्ध कराया गया है. जिसके माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा. इसके साथ ही सहियाओं को कहा गया है कि जिन क्षेत्रों पर वह जा रहे हैं, वहां मौजूद फाइलेरिया के मरीज की दवा उपलब्ध है या नहीं, जांच कर ले. बैठक में सिविल सर्जन डा. चंद्रभानु प्रतापन के अलावा डॉक्टर सुनील कुमार, रमेश सिंह, उत्तम सिंह और रमेश चौधरी अन्य मौजूद थे.

जिला चेंबर का चुनाव 22 अगस्त को

- नामांकन पत्र जमा करने की तारीख 7 से 11 अगस्त तक

धनबाद। फेडरेशन ऑफ धनबाद जिला चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्रीज ने सत्र 2024-2026 के लिए चुनाव की घोषणा कर दी है. चुनाव 22 अगस्त को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक कला भवन के सामने विवाह स्थल में होगा. नामांकन पत्र 7-8 अगस्त की सुबह सुबह 11 बजे से 2 बजे तक लिया जा सकेगा. नामांकन पत्र जमा करने की तिथि 7 से 11 अगस्त तक है. नामांकन पत्र की जांच 12 अगस्त को होगी. नामांकन वापस लेने की तारीख 14 अगस्त सुबह 11 बजे से 2 बजे तक है. चुनाव में भाग लेने वाले अधिकृत उम्मीदवारों की सूची 16 अगस्त शाम 6 बजे जारी होगी. मतदाताओं की अंतिम सूची 17 अगस्त को घोषित होगी. मतपत्रों की गिनती के बाद चुनाव परिणाम की घोषणा 22 अगस्त संध्या 5 बजे के बाद की जाएगी. यह जानकारी सोमवार को यूनियन क्लब में चेंबर के चुनाव पदाधिकारी प्रदीप सिंह, ललित जगनानी व राजेश दुधानी ने प्रेस कांफ्रेंस में दी.

गुड्डू को सांसद ने मुकदमे में फंसा कर जेल भिजवाया : चंडी ग्याली

खास बातें

- वारदात के दिन गुड्डू के दिल्ली आने-जाने का प्रमाण
- जरूरत पड़ने पर खोलेंगे सांसद ढुल्लू का काला चिट्ठा

संवाददाता । मधुबन

गरीब मजदूर शोषित पीड़ित व्यक्तियों के साथ मुखर होकर खडे.रहने वाले एवं गरीब व्यक्तियों के बीच 24 घंटा मदद करने वाले कांग्रेस नेता और बडे. भाई शेख गुड्डू की जनता के बीच बढ़ती लोकप्रियता और बढ़ते राजनीतिक कद के कारण राजनीतिक षड्यंत्र के तहत धनबाद सांसद ढुल्लू महतो द्वारा अपने पद और पावर का दुरुपयोग कर उन्हें झूठा मुकदमे में फंसा कर जेल भिजवाने का काम किया गया है। उक्त बातें कांग्रेस युवा नेता चंडी ग्याली ने सोमवार की शाम खरखरी में आयोजित प्रेस वार्ता में कही.उन्होंने कहा जबकि पुलिस केस या फिर किसी गांव ग्रामीण का केस हो, किसी में भी शेख गुड्डू नहीं है, जरूरत पड़ने हम सभी कार्यकर्ता पूरा गवाही से सिद्ध कर देंगे कि जब जब घटना घटी है उस वक्त शेख गुड्डू कहां थे. इसलिए हम सभी कार्यकर्ता कानून का सम्मान करते हुए, कानून पर पूरा भरोसा है. प्रशासन से मांग है कि मामले को संज्ञान में लेते हुए इसका निष्पक्ष जांच करें. उन्होंने कहा जो भी नेता सांसद ढुलू महतो के गलत कार्यों का विरोध करेगा, उसे झूठे मुक़दमे में फंसाकर जेल भिजवाने का काम किया जाता हैं. लेकिन हम सभी कार्यकर्ता ढुलू महतो के कुकर्मों से नहीं घबराते हैं. ढुलू महतो ने अपने ही गांव चिटाही बस्ती के कई घरों में स्वयं एवं अपने समर्थकों द्वारा घरों में घुसकर महिलाओं के साथ मारपीट करने, अपने ही गांव के नंदु महतो को इतना मानसिक प्रताड़ित किया गया कि सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. कमला कुमारी को इतना प्रताड़ित किया गया कि वो भी अपना केस वापस ले ली. ढुल्लू ने पुलिस की वर्दी फाड़ी,सांसद होने के बाद बोकारो डीसी और एसपी के साथ मर्यादा तोड़ कर बदतमीजी से बात की. जरूरत पड़ने पर ढुल्लू का पूरा काला चिट्ठा खोला जाएगा. धर्माबांध थाना क्षेत्र में जो बमबाजी और गोली चलने की घटना हुई, उससे एक दिन पहले ही 22 जुलाई को शेख़ गुड्डू दिल्ली के लिए रवाना हुए थे.इसका प्रमाण हम लोगों के पास है. दिल्ली जाने और दिल्ली से लौटने फ्लाइट का टिकट,दिल्ली के एक होटल में रहने का प्रमाण, हम प्रशासन और न्यायालय के समक्ष उपलब्ध करा रहे हैं. फिर किस आधार पर प्रशासन ने शेख गुड्डू को मुख्य अभियुक्त बनाया, यही नहीं शेख गुड्डू के बड़े बेटे शेख जीशान जो एक विद्यार्थी है, उसका भी नाम इस केस में जोड़ दिया गया. बाघमारा की जनता इतना परेशान हैं. इसका जवाब विधानसभा चुनाव में दिया जाएगा. वार्ता में चंडी ग्याली, शेख डब्लू, पुरनन्दु दास, सुनील महतो, अमीत नापीत आदी लोग उपस्थित थे.

स्कार्पियो से गोवंश की तस्करी, दो गिरफ्तार

संवाददाता । गोमो

गोमो हरिहरपुर थाना प्रभारी गिरधर गोपाल लगातार उपलब्धियां हासिल करने में लगे हैं. बीती रात 3 बजे अमलखोरी नेशनल हाईवे पर सफेद रंग के स्कार्पियो डब्लूबी16एजे-6523 को पकड़ा. जिसके अंदर 5 गोवंश को ठूंसकर बंगाल तस्करी कर के ले जा रहे थे. नेशनल हाईवे पर सफेद रंग की स्कॉर्पियो से गोवंश की तस्करी कर रहे दो तस्करों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है. दोनों तस्कर बिहार के बरही से गोवंशों को स्कॉर्पियो में भरकर बंगाल के आसनसोल ले जा रहे थे. हरिहरपुर पुलिस ने दोनों तस्करों मोहम्मद फैयाज और मोहम्मद साहिल को जेल भेज दिया है वहीं पांच गोवंशों को कतरास गौशाला भेज दिया गया है. घटना के दौरान मौके पर थाना प्रभारी गिरधर गोपाल, नारायण यादव सहित अन्य पुलिस जवान उपस्थित थे.

बाघमारा मुखिया प्रतिनिधि मंडल ने की रेल-कृषि मंत्री से मुलाकात

संवाददाता । मधुबन

बाघमारा प्रखंड अंतर्गत 61 पंचायत के मुखिया प्रतिनिधिमंडल ने केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं अश्वनी वैष्णव से पंचायत के विकास के लिए अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संसद भवन स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की. मुखिया प्रतिनिधि मंडल में मुखिया संघ के अध्यक्ष सह भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष धनेश्वर महतो, मुखिया संघ के महासचिव समीर कुमार लाला,फुलारीटांड़ पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि दिलीप विश्वकर्मा, बॉबी महतो, कैलाश रवानी, शिबू महतो, गिरिडीह सांसद प्रतिनिधि मटुक मिश्रा ,पार्षद सह भाजपा के जिला मंत्री महेश पासवान ने सोमवार 5 अगस्त 2024 को अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन भारत सरकार के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को सौंपा. प्रधानमंत्री आवास योजना को अविलंब पूर्ण रूप से पंचायत स्तर पर मुहैया करवाने, मनरेगा योजना के तहत चल रहे 261 योजनाओं जिसमें से केवल पांच, छः योजनाएं ही धरातल पर हैं, बाकी योजनाएं जिनका अभी तक किसी भी पंचायत में श्रीगणेश भी नहीं हुआ है, शुरू कराने और डीएमएफटी फंड का पचास प्रतिशत पंचायत के विकास के लिए देने संबंधित मांग की गई. महुदा तथा फुलारीटांड़ स्टेशन पर दूरगामी ट्रेनों का ठहराव हो इससे भी संबंधित एक ज्ञापन रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को भी दिया. दोनों मंत्रियों ने ज्ञापन के संबंध में ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया है.

गुनघुसा पंचायत में 2021-22 की जलापूर्ति योजना के भुगतान में गड़बड़ी

गजब : काम किसी का, भुगतान किसी को

संवाददाता । तोपचांची

प्रखंड के गुनघुसा पंचायत में वर्ष 2021-22 की जलापूर्ति योजना का काम किसी और ने किया लेकिन भुगतान दूसरे लाभुक समिति को कर दिया गया. इस संबंध में पहले लाभुक समिति के दोनों सदस्यों ने पैसे की भुगतान को लेकर उपायुक्त व बीडीओ से गुहार लगाई गई है. लाभुक समिति की शिकायत के बाद बाकि के भुगतान पर रोक लगा दी गई है. उक्त मामला पंचायत चुनाव से ठीक पहले का है. इस वजह से काम करने के बाद आचार संहिता लागू होने की वजह से भुगतान नहीं हो सका. जब चुनाव समाप्त हुआ तो मुखिया बदल गया, इसके बाद नया लाभुक समिति बनाकर उसे एक लाख 85 हजार का भुगतान करा दिया गया. जब पुरानी लाभुक समिति को पता चला तो उसने शिकायत की जिसके बाद से शेष भुगतान करीब तीन लाख रुपये पर रोक लगाते हुए जांच की जा रही है.

ये है मामला : लाभुक समिति के अध्यक्ष आफताब आलम ने बताया कि वह और सचिव के रूप में छुटु अंसारी ने योजना संख्या 4/2021-22 का काम सुकुडी उर्दू मध्य विद्यालय में शुरू किया. जिसके लिए विभाग से हमें एमबी बुक भी मिला. साथ ही 15 हजार रुपए एडवांस दिया गया. इसके बाद हमलोगों ने काम शुरू करते हुए सप्लायर से सारा सामान लिया और किसी तरह योजना को पूरा कर दिया. इसके एवज में सप्लायर मुकेश सिंह ने एक लाख का चेक ले लिया ताकि जब विभाग से भुगतान हो तो उसका पेमेंट वे ले लें. इस बीच पंचायत चुनाव आने की वजह से भुगतान नहीं हो सका. चुनाव समाप्त हुआ तो हमलोग नए मुखिया के पास भुगतान के लिए गुहार लगाते रहे. लेकिन कोई भुगतान नहीं किया गया. इसी बीच हमें पता चला कि नए मुखिया लक्ष्मी वर्णवाल और पंचायत सचिव मनोरंजन ने दूसरी लाभुक समिति बनाकर उसे एक लाख 85 हजार का भुगतान कर दिया. पता चलते ही हम लोगों ने शिकायत करते हुए भुगतान की मांग की है. इसके बाद से भुगतान पर रोक लगा दी गई. पंचायत सचिव मनोरंजन से पूछे जाने पर कहा कि पुराने लाभुक समिति को 15 हजार एडवांस दिया गया लेकिन उसने काम नहीं किया. पूर्व मुखिया पूर्णिमा देवी के पति श्रीकांत मंडल ने पेंच फंसाया था. इस वजह से काम नहीं हुआ. हमने मुखिया के साथ बात कर नया लाभुक समिति का गठन कराकर सप्लायर मुकेश सिंह से काम पूरा कराया और एक लाख 85 हजार का भुगतान समिति को कराया गया. लेकिन शिकायत कर फिर से पेंच फंसा दिया गया है. सूढ़ी बांध का काम भी अधूरा रहने की शिकायत आ रही है. उसे भी पूरा कराना है. पूर्व मुखिया ने उसे भी पूरा नहीं किया था. हालांकि इस मामले में पता चला कि सूड़ी बांध में जलापूर्ति योजना चालू था लेकिन नए मुखिया ने उसे खुलवाकर पंचायत सचिवालय में रखवा लिया था. इस मामले में गुनघुसा के वर्तमान मुखिया लक्ष्मी वर्णवाल से भी बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी.

दुश्मनों को लाठी से देंगे खदेड़ : रोहित यादव

दरदा बस्ती में लाठी खेल मुकाबला

संवाददाता । कतरास

दरदा बस्ती स्थित शहादत क्लब मैदान में रविवार की रात लाठी खेल महामुकाबला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजद बाघमारा प्रखंड अध्यक्ष रोहित यादव थे. उन्होंने प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया. इसके पूर्व रोहित यादव का आयोजन समिति ने स्वागत किया. प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए रोहित यादव ने कहा कि लाठी खेल से स्वरक्षा की प्रेरणा मिलती है. दुश्मनों को हम तोप या बंदूक से खदेरने के बजाए लाठी से भी खदेड़ सकते हैं. हिंदू, मुस्लिम, सिख ईसाई आपस में हम सब भाई भाई के नारे को बुलंद करते हुए हमें महामुकाबला का आनंद लेना चाहिए. प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न इलाकों के गांव-देहात के प्रतिभागियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता समापन के बाद रोहित यादव ने विजेता को 11 हजार रुपए और उप विजेता को एक हजार रुपए नगद समेत अन्य पुरस्कार दिया. मौके पर रविन्द्र पाण्डेय, झामुमो के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष रतिलाल टुडू, सोनू शर्मा, पप्पू दुबे, दीपक कुमार, राजा सिंह समेत अन्य लोग मौजूद थे.

चूल्हा चौकी, नावाडीह (असर्फी अस्पताल के समीप, धनबाद)

झारखंड पुरुष, महिला कबड्डी टीम घोषित

संवाददाता। बोकारो

कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर ने झारखंड पुरुष व महिला कबड्डी टीम की घोषणा कर दी है. यह टीम 9 से 11 अगस्त तक बिहार के बोधगया में होने वाली 11वीं राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता मे भाग लेगी. गोपाल ठाकुर ने बताया कि महासचिव मुकेश कुमार सिंह की देखरेख में बोकारो के केंद्रीय विद्यालय नंबर 3 रेलवे स्टेशन कबड्डी मैदान में टीम गठन के लिए चयन ट्रायल का आयोजन किया गया था. चयन ट्रायल में राज्य के विभिन्न जिलों से 47 पुरुष व 26 महिला खिलाडियों ने भाग लिया. एसोसिएशन की तीन सदस्यीय चयन समिति ने खिलाडियों के बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टीम का चयन किया. चयन समिति में तेज नारायण, आलोक कुमार व हैदर हुसैन शामिल थे.

झारखंड कबड्डी टीम में शामिल खिलाड़ी

पुरूष वर्ग : अंगद कुमार (कप्तान), नवाज दिलशान, गौतम कुमार, राहुल कुमार, गोलू कुमार व रविशंकर आनंद. टीम के प्रशिक्षक विक्की कुमार व प्रबंधक हैदर हुसैन बनाए गए हैं.

महिला वर्ग : सुविग्या कुमारी (कप्तान), ममता कुमारी, खुशबू कुमारी, लकी कुमारी, सृष्टि रानी व पल्लवी कुमारी. टीम में प्रशिक्षक प्रकाशित मिंज व प्रबंधक जीतेंद्र कुमार बनाए गए हैं.

लेदा-सिंदवारिया इलाके में जन समस्याओं की भरमार, लोग परेशान

विकास के नाम पर हो रही है लूट : राजेश यादव

संवाददाता। गिरिडीह

लेदा-सिंदवारिया इलाके में जन समस्याओं की भरमार है और विकास के नाम पर भारी लूट मची है. कुरुमडीहा से लेदा की हाल ही में बनी सड़क हो या जलापूर्ति योजना, ये विकास के नाम पर मची लूट की भेंट चढ़ गई या शोभा की वस्तु बन कर रह गई है. मनरेगा योजना से लेकर अबुआ आवास तक में लूट का खेल जारी है. और-तो-और अबुआ आवास के नाम पर अत्यंत गरीब परिवारों से भी रिश्वत ली जा रही है. कई गरीब परिवार इस कारण इसके लाभ से वंचित हो जा रहे हैं.

उक्त बातें भाकपा माले के गांडेय विधानसभा क्षेत्र के नेता राजेश यादव ने आज लेदा तथा सिंदवारिया पंचायत क्षेत्र के कुछ गांवों में भ्रमण कर स्थानीय लोगों से मुलाकात के उपरांत कही. यादव ने कहा कि कुरुमडीहा से लेदा सड़क बनने के दौरान भी घटिया निर्माण का लोगों ने विरोध किया, लेकिन उल्टे विरोध करने वालों को ही धमकियां मिलने लगी तो वे चुप हो गए. कहा कि इस महत्वपूर्ण सड़क की लूट पर विधायक-सांसद या उनके खास लोगों की चुप्पी भी समझ से परे है.

हाल ही में करोड़ों की लागत से बनी ग्रामीण जलापूर्ति योजना से लोगों को 3 माह से पानी ही नहीं मिला है. वहीं लोग लेदा शिवालय के पास कम क्षमता का ट्रांसफार्मर होने के कारण उसके बार-बार जल जाने से भी काफी परेशान हैं. माले नेता ने वहां 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाने, जलापूर्ति योजना से लेदा में पानी की आपूर्ति तत्काल चालू करने, अबुआ आवास का लाभ सभी गरीब परिवारों को देने और इस नाम पर रिश्वतखोरी बंद करने की मांग की.

मौके पर मुख्य रूप से सदानंद स्वर्णकार, गजानंद पांडेय, सोनू पांडेय, सुजीत पंडित, अनिल पंडित, मंगर पंडित, चेतलाल पंडित, संतोष स्वर्णकार, विशाल स्वर्णकार, संतोष पांडेय, पप्पू पंडित, झगरू पंडित, फिरंगी पंडित, दिनेश स्वर्णकार, राजेश कोल, अमृत कोल, गणेश कोल, मतलु कोल, मनोज कोल, एतवारी कोल, हुलसी देवी, रीना देवी, पूजा देवी, कलावती देवी, हेमंती देवी, डुमरी देवी, झलिया देवी, मीना देवी सहित अन्य मौजूद थे.

तीसरे दिन भी सर्वर खराब, निराश हो लौटीं महिलाएं

कथारा (बोकारो)। झारखंड सरकार की अति महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना का लाभ देने में सर्वर की समस्या आड़े आ रही है. बेरमो अनुमंडल के विभिन्न इलाकों में लगातार तीसरे दिन सोमवार को भी सर्वर डाउन की समस्या रही. जारंगडीह उत्तरी पंचायत सचिवालय में लगे शिविर में योजना का फार्म जमा करने महिलाएं उत्साह के साथ पहुंचीं. लेकिन सर्वर डाउन रहने के कारण घंटों इंतजार के बाद निराश होकर उन्हें लौटना पड़ा. महिलाओं ने बताया कि सरकार ने महिलाओं के हित को ध्यान में रख मईयां सम्मान योजना लाई है, लेकिन तीन दिनों से सर्वर खराब होने के कारण उन्हें बैरंग लौटना पड़ रहा है.

केबी कॉलेज में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

कथारा। बेरमो प्रखंड के जारंगडीह स्थित केबी कॉलेज में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया. उक्त आयोजन कॉलेज के जंतु शास्त्र सभागार में प्राचार्य लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में हुआ. कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि आत्मरक्षा प्रशिक्षक धानांतर कुमार, विशिष्ट अतिथि सहायक आत्मरक्षा प्रशिक्षक कुमारी आकांक्षा, रतन कुमारी थीं. मुख्य अतिथि आत्मरक्षा प्रशिक्षक धानांतर कुमार ने कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से लड़कियों का मनोवेज्ञानिक, बौद्धिक, शारीरिक रूप से इतना मजबूत बनना सिखलाया जाता है कि वे संकट के समय में खुद की रक्षा कर सकें. विशिष्ट अतिथि सहायक आत्मरक्षा प्रशिक्षक ने कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण एक जीवन कौशल है जो लड़कियों को आस पास के वातावरण के बारे में अधिक जागरूक होने और किसी भी समय अप्रत्याशित स्थिति के लिए तैयार रहने में मदद करता है. प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आत्मरक्षा तकनीकों के बारे में जानकारी होने से छात्राओं को खुद की रक्षा करने में मदद मिलती है, इसके साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है. समाज में महिलाओं की सुरक्षा हेतु आत्मरक्षा प्रशिक्षण की जानकारी उन्हें भयमुक्त बनाता है.

ब्रीफ खबरें

फरार 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

डुमरी (गिरिडीह)। पुलिस महानिरीक्षक उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र बोकारो एवं पुलिस अधीक्षक गिरिडीह द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में रविवार की रात्रि में लंबित कांडों के वांछित, लंबित वारंटी, फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु विशेष छापामारी अभियान डुमरी एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में सम्पूर्ण डुमरी अनुमंडल क्षेत्र में चलाया गया. जिसमें निमियांघाट थाना द्वारा फरार 08 अभियुक्त को, डुमरी थाना द्वारा 01 अभियुक्त एवं खुखरा थाना द्वारा 02 अभियुक्त को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया गया. साथ ही वरीय पदाधिकारी के निर्देशानुसार इस तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रखने की बात कही.

अगस्त में झारखंड आ सकते हैं राहुल गांधी

गिरिडीह। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के झारखंड के प्रस्तावित दौरे को लेकर गिरिडीह के कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साहित हैं. जिला कांग्रेस अध्यक्ष धनंजय सिंह ने सोमवार को बताया कि राहुल गांधी के अगस्त में झारखंड के दौरे पर आने की संभावना है. प्रदेश कांग्रेस ने पार्टी आला कमान को इसका प्रस्ताव भेजा है. सिंह ने कहा कि राहुल गांधी के आगमन की तैयारी को को लेकर जिले के सभी प्रखंडों में पार्टी की बैठक हो चुकी है. कार्यक्रम तय होते ही प्रदेश नेतृत्व एक बड़ा सम्मेलन का आयोजन करेगा. उन्होंने बताया कि राहुल गांधी झारखंड में आकर संगठनात्मक इकाइयों के पदाधिकारियों से संवाद करेंगे. इसके अलावा प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक के पदाधिकारी से मिलकर चुनाव के संबंध में फीडबैक प्राप्त करेंगे. राज्य सहित जिले के बीस सूत्री कमेटियों से भी राहुल गांधी संवाद कर सकते हैं.

इग्नू में नामांकन के लिए प्रोफेशनल बैठक आयोजित

देवघर। इग्नू अध्ययन केंद्र एवं शुभा देवी मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, देवघर में जुलाई 2024 सत्र में इग्नू में नामांकन हेतु एक प्रमोशनल बैठक आयोजित की गई. बैठक में मुख्य अतिथि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ सरोज कुमार मिश्र उपस्थित थे. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के शिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए सहायक निदेशक डॉ सरोज कुमार मिश्र ने इग्नू में चल रहे सभी कार्यक्रम की जानकारी दी.

साहिबगंज: पुलिस ने शराबियों को खदेड़ा

साहिबगंज। नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अमित गुप्ता ने रविवार को देर रात्री शहर में खुले में शराब पी रहे लोगों को खदेड़ा. पुलिस की एकाएक कार्रवाई से जहां-तहां शराब पी रहे लोगों व नशेड़ियों में हड़कंप मच गया. शहर में नशेड़ियों, शराबियों व बदमाशों का जमावड़ा लगा रहने की शिकायत पर इंस्पेक्टर ने त्वरित संज्ञान लिया. उन्होंने दलबल के साथ शहर के बाटा रोड, रसूलपुर दहला, एलसी रोड, स्टेशन चौक, चौक बाजार, टॉकीज फील्ड का भी जायजा लिया. थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि उनके कार्यकाल में किसी प्रकार की उद्दंडता बर्दाश्त नहीं की जाएगी. शराब पीकर गाली-गलौज करने वालों, असमाजिक तत्व व बदमाश किस्म के लोग सुधार जाएं. पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी.

सड़क निर्माण कार्य में गड़बड़ी को लेकर जेबीकेएसएस ने किया विरोध

मौके पर पहुंचे कनीय अभियंता, संवेदक को दिया गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का आदेश

संवाददाता। कसमार (बोकारो)

कसमार प्रखंड के बगियारी मोड़ से मधुकरपुर चौक से मधुकरपुर, ओरमो होते हुए दांतू एनएच तक निर्माणाधीन सड़क में अनियमितता बरतने का आरोप जेबीकेएसएस ने लगाया है.

जेबीकेएसएस जिलाध्यक्ष सह दुर्गापुर मुखिया अमरेश कुमार महतो के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने अनियमितता का आरोप लगाकर खांजो पुल के समक्ष विरोध प्रदर्शन भी किया. अमरेश महतो ने कहा कि प्राक्कलन के अनुरूप कार्य नहीं हो रहा है. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इसका चौड़ीकरण किया जा रहा है, लेकिन किनारे में मात्र छह इंच की खुदाई कर उसे डस्ट भर दिया गया है और उसके ऊपर सड़क बनाई जा रही है. इससे सड़क बनने के बाद भारी वाहन चलने पर सड़क धंस सकती है. उन्होंने कहा कि जीएसबी व डब्ल्यूएमएम में 2 इंच, एक इंच, हाफ इंच का चिप्स, जीरा पत्थर चूर्ण व 5 से 10 फीसदी सीमेंट की मात्रा होनी चाहिए, लेकिन पत्थर चूर्ण की बजाय छाई और 10 से 20 फीसदी चिप्स दिया जा रहा है. इससे सड़क काफी कमजोर बनेगा. कहा कि पुरानी सड़क को रफ किये बिना काम कराया जा रहा है. मौके पर मौजूद केंद्रीय संगठन सचिव भुनेश्वर महतो ने कहा कि इस तरह का मनमाना काम नहीं होने देंगे. अगर संवेदक जोर जबरजस्ती काम करना चाहेगा तो पार्टी को मजबूरन यहां आंदोलन के लिए उतरना पड़ेगा. बताया गया कि कुल 11 करोड़ रूपए की लागत से यह सड़क बनाई जा रही है. जिसमें ओरमो स्थित पुल निर्माण 1 करोड़ 28 लाख, दांतू स्थित जोरिया नाला में पुल निर्माण 1 करोड़ 72 लाख से बनना है तथा 8 करोड़ की लागत से सड़क, गार्डवाल, पुलिया, नाली- नाला का निर्माण होना है. इधर, सूचना पाकर विभागीय कनीय अभियंता भागीरथ दास मौके पर पहुंचे. उन्होंने कार्यस्थल का जायजा लेने के बाद स्वीकार किया कि गुणवत्ता की कमी है. उन्होंने संवेदक को निर्माण कार्य गुणवत्ता बरतने का निर्देश दिया.

मौके पर पार्टी के केंद्रीय संगठन सचिव भुनेश्वर महतो, प्रखंड अध्यक्ष प्रशांत महतो, प्रखंड महासचिव नरेन्द्र घांसी, प्रखंड सचिव सत्यनारायण कपरदार, सृष्टिधर महतो, कपिल रजक, रोहित महतो, संदीप महतो, रंजीत महतो, दुर्गापुर पंसस प्रतिनिधि सनातन महतो आदि मौजूद थे.

धारदार हथियार से हमला कर युवक की हत्या

कथारा। कथारा ओपी थाना क्षेत्र के झिरकी रविदास टोला में सोमवार को धारदार हथियार से हमला कर 25 वर्षीय युवक मनीष कुमार की हत्या उसके ही घर में कर दी गई. घटना लगभग 2 से 3 बजे दिन की है. इसकी सूचना मिलते ही कथारा ओपी पुलिस मौके पर पहुंच कर खून से लथपत युवक को उठाकर सीसीएल कथारा क्षेत्रीय अस्पताल लाया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया. युवक के गर्दन के बाएं तरफ एवं सिर पर जख्म के निशान हैं. इस संबंध में युवक के पिता जुगेश्वर रविदास कुछ भी बताने में असमर्थ हैं. युवक घटना के दिन सुबह लगभग सात बजे बाहर से वापस लौटा था. जानकारी के अनुसार युवक अपने पुराने आवास में खाना खाकर पास स्थित नए घर में सोने की बात कह कर गया था. दिनदहाड़े हुई इस वारदात से पूरे टोला के लोग सहमे हुए हैं. इस घटना के बाद पुलिस भी सक्रिय हो गई है. बोकारो थर्मल के थाना इंस्पेक्टर शैलेन्द्र कुमार सिंह, कथारा ओपी प्रभारी राजेश प्रजापति, केएन पाठक, तेनुघाट ओपी प्रभारी अजीत कुमार घटनास्थल पर पहुंच कर परिजनों से जानकारी लेते हुए सीसीटीवी आदि खंगालने में लग गए. इस दौरान कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं. दूसरी ओर टोला के लोग भी हैरान हैं कि हत्या जैसी घटना हो जाने के बाद भी घटना को अंजाम देने वालों पर नजर नहीं पड़ी.

47 वारंटियों को पुलिस ने भेजा जेल

बोकारो। जिलान्तर्गत अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के मद्येनजर पुलिस महानिरीक्षक, उ०छो० प्रक्षेत्र, बोकारो के निर्देशानुसार, पुलिस अधीक्षक, बोकारो के नेतृत्व में सभी थानों में एक साथ रविवार की रात लंबित कांडों में वांछित, लंबित वारण्टी (गवाही को छोड़कर), फरार अभियुक्तों के विरूद्ध समकालीन अभियान चलाया गया. अभियान में सभी थाना प्रभारी, ओ०पी० प्रभारी के द्वारा लक्ष्य निर्धारित कर काण्डों के वांछित अभियुक्तों, वारंटियों, फिरारियों के विरूद्ध छापामारी कर 47 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया.

बोकारो क्लब में मना सावन महोत्सव

बोकारो। बोकारो क्लब में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया. इस महोत्सव में महिलाओं ने नृत्य संगीत का जमकर लुफ़्त उठाया. इस अवसर पर अशोक कुमार, जनरल सेक्रेटरी बोकारो क्लब उपाथित रहे. सावन उत्सव में महिलाओं ने मेहंदी, रैप वाक, नृत्य, गायन प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाई. कई प्रकार के खेलों का भी लुफ्त लिया तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया. हरे रंग के वस्त्रों में सजी महिलाओं का पार्टी में स्वागत गिफ्ट हैंपर के साथ हुआ. मनोरंजन के लिए खड़गपुर से गायकों का ग्रुप बुलाया गया था.

क्षेत्रीय राजपूत समाज की नयाडीह ग्राम कमिटी गठित

तलगडिया। धनबाद-बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज केन्द्रीय कमिटी का द्वितीय त्रैमासिक बैठक जोन चार के गांव नयाडीह में केन्द्रीय अध्यक्ष जन्मेजय सिंह की अध्यक्षता में हुई. बैठक में नयाडीह ग्राम कमिटी का गठन किया गया. जिसमें अध्यक्ष बलराम सिंह, सचिव हाराधन सिंह, उपाध्यक्ष भीम चंद सिंह, कोषाध्यक्ष संतोष सिंह, प्रवक्ता कृष्ण कुमार सिंह सर्वसम्मति से चुने गये. बैठक में संयुक्त महामंत्री भीम सिंह, केन्द्रीय प्रवक्ता राधेश्याम सिंह, कोषाध्यक्ष रामचरित सिंह, जोनल अध्यक्ष दीनानाथ सिंह सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे. बैठक का संचालन जोन अध्यक्ष उमेश कुमार सिंह ने किया.

जेवेरियन एलुमनी ट्रस्ट ने स्कूल प्रबंधन को दिया पंखा

बोकारो। बोकारो ओल्ड जेवेरियन एलुमनी ट्रस्ट की ओर से सोमवार को कॉपरेटिव कॉलोनी स्थित मध्य विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सुविधा के लिए स्कूल प्रबंधन को पंखा उपलब्ध कराया. ट्रस्ट के व्यवस्थापक अरविंद चोपड़ा ने कहा कि मानव जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व है. शिक्षा के सहारे विद्यार्थी जीवन पथ पर आगे बढ़ेंगे. इसलिए विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना चाहिए. कहा कि कुछ सरकारी विद्यालयों में सुविधा व संसाधन का अभाव है. इसलिए संस्था की ओर से विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को बेहतर सुविधा व संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में सकारात्मक काम किया जा रहा है.

शिवेश भगत ने किया वृद्धा आश्रम में खाद्य सामग्री वितरित

डुमरी (गिरिडीह)। डुमरी क्षेत्र के शिक्षाविद शिवेश भगत उर्फ नाजू भगत ने महिला शक्ति समपर्ण फाउंडेशन द्वारा संचालित वृद्धा आश्रम पहुंच कर मौजूद बुजुर्ग महिला, पुरूषों के साथ समय व्यतीत कर उनके मनोभाव को समझा एवं अपने स्तर से खाद्य सामग्री व तौलिया का वितरण कर भविष्य में भी यथासंभव सहयोग का भरोसा दिया. लालमणि वृद्धा आश्रम के नाम से संचालित आश्रम में मौजूद महिला, पुरुष वृद्धाओं की सेवा कर श्री भगत काफी आनंदित दिखाई दिए. इस दौरान आश्रम की संगीता सिंह, मधु कुमारी, माही सिन्हा, आश्रम के फाउंडर देवेन्द्र शरण, प्रशांत शरण, सुधीर कुमार, संतोष कुमार आदि उपस्थित थे.

चिकित्सकों की दो दिवसीय कार्याशाला आयोजित

बोकारो। जिले के चिकित्सा पदाधिकारियों का दो दिवसीय कार्याशाला सिविल सर्जन के सभागार में आयोजित किया गया. जिसमें राज्य प्रशिक्षक के रूप में राज्य समन्वयक रॉची डा० सिद्धार्थ विश्वाल उपस्थित थे. कार्याशाला का शुभारंभ डा० सुधा सिंह, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी एवं जिला कुष्ठ परामर्शी मो० सज्जाद आलम के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. कार्यशाला में कुष्ठ रोग के उपचार एवं पूर्णनिर्माण सर्जरी एवं रोग से बचाव के लिए एकल डोच रिफाम्पसीन का उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया. कुष्ठ रोग से होने वाले दिव्यंगता के उपचार एवं घर-घर खोज अभियान जो आगामी 28 अगस्त से 13 सितम्बर, 2024 तक पूरे जिले में संचालित होगा, जिसमें नये कुष्ठ रोगियों की खोज कर समय सीमा के अन्दर एम०डी०टी० द्वारा त्वरित उपचार किया जायेगा. ताकि जन सहयोग की शक्ति से कुष्ठ को हर एक बस्ती से मिटाया जा सके.

सेवा शिविर में तीसरी सोमवारी को भी जारी रही सेवा

देवघर। सावन माह के तीसरी सोमवारी को खजुरीया गेट स्थित कांवरिया पथ पर सलूजा गोल्ड व विश्व सनातन वैदिक संघ के द्वारा संयुक्त रूप से लगे निःशुल्क सेवा शिविर में अनवरत सेवा जारी रही. शिविर के माध्यम से कांवरियों को निरंतर एक महीने चिकित्सा, पेयजल, फलाहार, शर्बत इत्यादि सेवा प्रदान की जाती है. विश्व सनातन वैदिक संघ के राष्ट्रीय सचिव लक्ष्मीकांत मालवीय ने बताया कि तीसरी सोमवारी को दस हजार से अधिक लोगों के बीच मिठाई, फल, नींबू शरबत, शीतल जल का वितरण किया गया एवं कावंरियों को दर्द निवारक दवा दी गई. तीसरी सोमवारी के अवसर पर सलूजा गोल्ड व विश्व सनातन वैदिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे निःशुल्क सेवा शिविर में अंकुश कुमार के द्वारा चालीस किलो लड्डु एवं अमन मिश्रा द्वारा जलेबी बांट कर सेवा की गई.

पूर्व आईजी ने ट्रांसफार्मर का किया लोकार्पण

धनवार (गिरिडीह)। पूर्व आईजी सह भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह ने भलुवाई गांव में 100 केवीए का ट्रांसफार्मर का लोकार्पण किया. गांव में घूम कर लोगों से मिले. इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया. बाद में वह 100 केवीए ट्रांसफार्मर का लोकार्पण कर अंधेरे में जी रहे लोगों के बीच समर्पित किया. बता दें कि यहां पिछले कई सप्ताह पूर्व लगा हुआ ट्रांसफार्मर जल गया था. जिससे यहां के लोग अंधेरे में जीने को विवश थे. ऊपर से उमस भरी गर्मी लोगों को अलग से परेशान कर रखा था. मौके पर अशोक प्रसाद सिंह, नीरज सिंह, अरविंद सिंह, प्रमोद सिंह, फितल प्रसाद सिंह, राकेश सिंह, राजू दास, अजीत वर्मा, समेत दर्जनों लोगों उपस्थित थे.

तीसरी सोमवारी को 25 हजार श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

जमुआ। सावन की तीसरी सोमवारी को झारखंड धाम में आस्था का सैलाब उमड पड़ा. सुबह से ही मुख्य मंदिर एवं पार्वती मन्दिर के सामने श्रद्धालुओं की लंबी लम्बी कतारें लगी रही. शिवगंगा में भी डुबकी लगाने के लिए भी लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा. एसडीपीओ नीरज सिंह, पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह, हिरोडीह थाना प्रभारी धर्मेंद्र अग्रवाल स्वयं मौजूद रहकर पुलिस के जवानों को गाइड करते रहे एवं विधि व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए लगे रहे. जगह-जगह महिला पुलिस की भी तैनाती की गई थी. पर्याप्त संख्या में पुलिस बल के जवान भी जगह-जगह मौजूद थे. रास्ते की ब्रेकेडिंग हर तरफ की गई थी. सीसीटीवी कैमरे से भी मेले की निगहबानी की जा रही थी. कांवरियों के कई जत्थे भी सुल्तानगंज और राजदह धाम से आए. भारी संख्या में पुलिसकर्मी श्रावणी मेले की विधि व्यवस्था के लिए झारखंडधाम में मुस्तैद हैं.

सांसद ढुल्लू महतो की पहल से मजदूरों में हर्ष का माहौल

संवाददाता। बोकारो

धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने बोकारो स्टील प्लांट के इस्पात कर्मियों, ठेका मजदूरों, पूर्व कर्मचारियों, विस्थापितों और नगरवासियों की समस्याओं को पत्र के माध्यम से इस्पात मंत्री एचडी कुमारवास्वामी को अवगत कराया तथा मामलों का समाधान के लिए मंत्री से क्षेत्र का दौरा करने की अपील की. सांसद के अपील पर इस्पात मंत्री ने सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया है. इससे मजदूर, विस्थापित, नगरवासी में हर्ष का माहौल है.

सांसद ढुल्लू महतो ने इस्पात मंत्री को जो पत्र सौंपा है उसमें इस्पात कर्मियों का 39 महीना का वेज रिवीजन का एरियर, ठीका मजदूरों का पूरा वेतन की गारंटी, ठीका मजदूरों के निधन पर उनके आश्रित को नौकरी, टेंडर बदलने पर मजदूर नहीं बदलने, सभी टाइप क्वार्टर की लिजिंग, लीज लाइसेंस के भाड़ा एक समान करना, सम्पूर्ण अधिग्रहित जमीन पर उद्योग लगाने या खाली जमीन रैयतों को वापस करने, विस्थापित का आरक्षण बहाल करने, अप्रेंटिस की ज्वाइनिंग, हवाई अड्डा चालू करने, फुटबाल मैदान को विश्व स्तरीय बनाने, पुनर्वास क्षेत्रों के विस्थापितों को निःशुल्क बिजली पानी, बंद पड़े भवनों का उपयोग, नगरवासियों के बच्चों को भी बीएसएल द्वारा संचालित डीएवी स्कूल में नामांकन, मान्यता प्राप्त यूनियन का चुनाव, बीस किलोमीटर तक क्षेत्र के विकास में योगदान, नगर वासियों को उचित दर पर पानी, बिजली इत्यादि मामले शामिल हैं. उक्त जानकारी जनता मजदूर सभा के महासचिव साधु शरण गोप ने दी.

आंगनबाड़ी सेविका पर पैसे लेकर मंईयां सम्मान योजना का फॉर्म देने का आरोप

मामला तिसरी प्रखंड के बेलवाना आंगनबाड़ी का

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर पूरे राज्य में शिविर का आयोजन किया जा रहा है. इस योजना के तहत 21 से 49 वर्ष की महिलाओं को प्रत्येक माह ₹1000 भत्ता देने की कवायद की जा रही है. इसी को लेकर तिसरी प्रखंड के सभी पंचायत भवनों में भी शिविर का आयोजन किया गया है, इस योजना के लिए आवेदन फॉर्म बांटने की जिम्मेवारी आंगनबाड़ी सेविकाओं को दी गई है. वहीं प्रखंड के बेलवाना गांव की कुछ महिलाओं ने आंगनबाड़ी सेविका पर पैसे लेकर फॉर्म देने का आरोप लगाया है.

ग्रामीण रुबीना खातून ने बताया कि वे जब फॉर्म लेने आंगनबाड़ी सेविका के पास गई तो उनसे 100 रुपए लिया गया तब उन्हें फॉर्म भर के दिया गया. रजिया खातून ने भी कहा कि आंगनबाड़ी सेविका द्वारा उनसे भी फॉर्म के बदले 100 रुपए लिए गए. ग्रामीण मो. रईस ने बताया कि उक्त आंगनबाड़ी केंद्र हमेशा बंद रहता है. टीकाकरण या पदाधिकारियों के आने पर ही आंगनबाड़ी केंद्र खोला जाता है। सेविका सारे काम अपने घर पर ही करती है.

वहीं ग्रामीणों ने इसकी शिकायत झामुमो प्रखंड अध्यक्ष रिंकू बर्णवाल से की. रिंकू बर्णवाल बेलवाना आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचे, जहां केंद्र पर ताला लगा था. वहीं ग्रामीणों ने पैसे लेकर फॉर्म देने की बात कही. जिसके बाद प्रखंड अध्यक्ष ने मौके से ही तिसरी के प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार को फोन कर इस मामले की जानकारी दी. वहीं इस मामले में फोन पर पूछे जाने पर आंगनबाड़ी सेविका खतिजा बानो ने सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है.

डीपीएस के विद्यार्थियों का विभिन्न ओलंपियाडों में शानदार प्रदर्शन

56 छात्र-छात्राओं ने मारी बाजी, 14 को जोनल रैंक वन, 14 राज्य में रहे अव्वल

संवाददाता। बोकारो

दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के छात्र-छात्राओं ने सत्र 2023-24 के लिए सिल्वर जोन और साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) की ओर से आयोजित विभिन्न ओलंपियाडों में शानदार प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है. सीनियर व प्राइमरी, दोनों इकाइयों को मिलाकर कुल तीन विद्यार्थियों को ओलंपियाड रैंक 1 तथा 14 को जोनल रैंक 1 मिली, जबकि 14 विद्यार्थियों ने स्टेट रैंक 1 के साथ राज्य में अव्वल होने का गौरव प्राप्त किया. विद्यालय की सीनियर इकाई में सेकेंड लेवल में आदित्य मिश्रा, कुमार अनमोल और शिवम ओझा ने एनओएस (नेशनल ओलंपियाड ऑफ साइंस) में ओलंपियाड रैंक 1 पाई. आदित्य मिश्रा ने आईओईएल (इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज) में ओलंपियाड रैंक- 3 और अमोघ आनंद झा ने स्टेम इनोवेशन ओलंपियाड में ओलंपियाड रैंक 3 पाई. अखिल भारतीय हिन्दी ओलंपियाड (अभाहिओ) में सात्विक रूपम द्विवेदी और आयुषी श्री ने स्टेट रैंक 1 लाकर एक्सीलेंस स्वर्ण पदक व प्रमाण-पत्र जीते. आराध्या सिंह, शिप्रा हेम्ब्रम एवं आरिवा एंजेल ने स्टेट रैंक 2, अश्लोक आनंद, शिखा श्रेया एवं अमोघ आनंद झा ने स्टेट रैंक 3 पाई.

वहीं, इंटरनेशनल रीजनिंग एंड एप्टीट्यूड टेस्ट ओलंपियाड में रक्षित राज ने जोनल रैंक 1 एवं ओलंपियाड रैंक 2 और कुणाल आनंद ने जोनल रैंक 3 पाकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया. आदित्य राज, आयुषी श्री, वंशिका सिंह एवं कुमार अनमोल को रैंक 2, सरित चक्रवर्ती, अश्लोक आनंद, जय सात्विक मदिरेड्डी एवं श्रेयांशु घोष को स्टेट रैंक 3 मिली.

इधर, साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन के इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड में हर्षिता ने जोनल रैंक 1, बरुणी अग्रवाल ने रैंक 2, आदित्य मिश्रा ने एनएसओ और आईएसएसओ में रैंक 1, आईईओ में आराध्या मिश्रा ने जोनल रैंक 1 के साथ गोल्ड मेडल, राशि मान्या ने रैंक 2, हर्षल गुप्ता एवं अंकिता साक्षी ने रैंक 3, रयान सिंह ने आईएमओ में जोनल रैंक 1 व एनएसओ में रैंक 3, आदित्य राज ने आईएमओ में रैंक 2 और नेशनल साइबर ओलंपियाड में सार्थक सिद्धांत ने जोनल रैंक 3 प्राप्त की.

दूसरी ओर, विद्यालय की प्राइमरी इकाई में विभिन्न ओलंपियाडों में कुल 9 छात्र-छात्राओं को जोनल रैंक 1 तथा 12 विद्यार्थियों ने स्टेट रैंक वन हासिल की.

स्टेट रैंक व जोनल रैंक पाने वाले सभी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल मिले.

विभिन्न स्पर्धाओं के लिए प्रतिभागियों को नकद पारितोषिक राशि भी मिली. विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. उन्होंने इसे विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम तथा शिक्षकों के कुशल मार्ग दर्शन का परिणाम बताते हुए इसी प्रकार बेहतरी का सिलसिला जारी रखने की प्रेरणा दी.

चारकोल फैक्ट्री के अचानक बंद होने से 70 मजदूर बेरोजगार

बकाया वेतन भुगतान और फैक्ट्री खोलने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

खास बातें

- मालिकों के आपसी झगड़े के कारण बंद हुई फैक्ट्री, पुलिस से मध्यस्थता करने की अपील

संवाददाता । अंडाल

अंडाल के काजोरा के पास चिताडांगा इलाके में रविवार को एक चारकोल फैक्ट्री अचानक बंद हो गई, जिससे 70 कर्मचारी बेरोजगार हो गए। सोमवार को श्रमिकों ने फैक्ट्री गेट पर प्रदर्शन किया और बकाया वेतन भुगतान और फैक्ट्री खोलने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे मजदूरों की ओर से रॉबिन बाउरी ने कहा कि फैक्ट्री में चारकोल का उत्पादन होता था, जिसमें 70 पुरुष एवं महिला श्रमिक काम करते थे। रविवार सुबह श्रमिक काम पर आए तो फैक्ट्री के गेट पर ताला लगा मिला, जिससे मजदूरों को पता चला कि मालिक ने अपनी फैक्ट्री बंद कर दी है। रॉबिन बाबू ने कहा कि कर्मियों का डेढ़ माह का वेतन बकाया है और मालिक द्वारा बिना सूचना दिए अचानक फैक्ट्री बंद कर दिए जाने से बेरोजगार कर्मचारी संकट में हैं। कुछ मजदूरों ने बताया कि मालिकों के आपसी झगड़े के कारण फैक्ट्री बंद हो गयी है। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ता अंडाल थाने गये और पुलिस से फैक्ट्री खुलवाने और कर्मचारियों को बकाया वेतन दिलाने के लिए मध्यस्थता करने की अपील की।

सीवरेज सुधार की मांग को लेकर अंडाल की शंकरपुर कोलियरी में प्रदर्शन

अंडाल। अंडाल में स्थानीय निवासियों ने जल निकासी नहर के नवीनीकरण की मांग को लेकर ईसीएल के बंकोला क्षेत्र के शंकरपुर कोलियरी में सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। विरोध के कारण कुछ देर के लिए कोलियरी का उत्पादन बंद कर दिया गया था। करीब ढाई घंटे तक प्रदर्शन चला। बाद में कोलियरी अधिकारियों ने ग्रामीणों व पंचायत मुखिया से मामले पर चर्चा की। निवासियों ने कहा कि इलाके में सीवरों की हालत खराब है। काफी समय से इसका जीर्णोद्धार नहीं हुआ है, नाले में गंदा कचरा गिर रहा है। पिछले शुक्रवार को हुई लगातार बारिश के कारण नालियों में जमा कचरा इलाके में फैल गया है। उन्होंने शीघ्र नालियों की मरम्मत कराने की मांग की।

ब्रीफ खबरें

जेमहारी में आधी रात रेलकर्मी की पिटाई

सालानपुर : सालानपुर थाना क्षेत्र के जेमहारी रेलवे गेट पर काम करने वाले एक रेलकर्मी की बीते रविवार आधी रात को कुछ लोगों ने पिटाई कर दी। रेलवे गेट पर ड्यूटी पर तैनात एक व्यक्ति चोट लगने से बेहोश हो गया। रेल कर्मी का नाम सुजॉय मुखर्जी है। जी घटना के समय गेट मेन के रूप में तैनात थे। आरपीएफ सूत्रों के अनुसार करीब 12 बजे एक ट्रेन अचानक जेमहारी रेलवे गेट के समीप सिंगल ना मिलने पर खड़ी हो गई, मामले की सूचना पा कर मौके पर पहुँचे आरपीएफ जवानों ने देखा कि घायल अवस्था मे गेट मेन बेहोश पड़ा है।

नए प्रभारी का बराकर चेंबर ने किया स्वागत

बराकर । बराकर चैंबर ऑफ़ कॉमर्स का अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल ने बराकर फाड़ी के नए प्रभारी सुकांत दास का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया , इस संबंध में बरकत चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि बराकर चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से किसी भी नए प्रभारी का औपचारिकता के रूप में स्वागत किया जाता है , उन्होंने कहा कि इस अवसर पर उनके साथ चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव भी मौजूद थे ,श्री अग्रवाल ने कहा कि पुलिस प्रभारी से मिलकर बराकर के कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई ।

अंडाल एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू

दुर्गापुर: लगातार बारिश के कारण अंडाल के काजी नजरूल इस्लाम एयरपोर्ट पर पानी जमा हो गया है. इसीलिए शुक्रवार से रविवार तक हवाई सेवा बंद थी. बंदरगाह अधिकारियों ने बताया कि सोमवार से हवाई सेवा फिर से शुरू हो गई है. लगातार बारिश के कारण गुरुवार देर रात अंडाल के काजी नजरूल इस्लाम एयरपोर्ट पर पानी भर गया. रनवे, टैक्सीवे, टरमैक, टर्मिनल हर जगह पानी जमा हो जाता है. जलभराव और आपदा के कारण शुक्रवार से उड़ान सेवाएं निलंबित कर दी गईं।

बीसीसीएल पर्सनल मैनेजर को विदाई

बराकर। बराकर में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड एरिया बारह के एरिया पर्सनल मैनेजर का तबादला होने पर अधिकारियों ने उन्हें विदाई दी। इस संबंध में बताया गया है कि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड एरिया बारह के एरिया पर्सनल मैनेजर आशीष कुमार मिश्रा का तबादला गोविंद एरिया में किया गया है। इसके बाद बीसीसीएल एरिया बारह के बेगुनिया स्थित महाप्रबंधक कार्यालय में उन्हें विदाई दी गई। इस दौरान उन्हें फूलों का गुलदस्ता और अन्य उपहार भेंट किए गए। इस अवसर पर एजीएम आशीष घोष, कार्मिक प्रबंधक बी भट्टाचार्य, कार्मिक सहायक प्रबंधक राकेश नायक आशा, जोवा गोराई आदि उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल के बॉर्डर पर जवानों की संख्या बढ़ाई

बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत ने लिया जायजा

भारत-बांग्लादेश सीमा पर अलर्ट जारी , जवान तैनात

संवाददाता । कोलकाता

पड़ोसी देश बांग्लादेश में तख्ता पलट की घटना के बाद पश्चिम बंगाल के बॉर्डर इलाकों में सुरक्षा कैसी है, इसका जायजा लेने के लिए सीमा सुरक्षा बल के पूर्वी कमान के महानिदेशक आइपीएस दलजीत सिंह चौधरी ने पूर्वी कमान के अतिरिक्त महानिदेशक रवि गांधी और दक्षिण बंगाल के महानिरीक्षक मनिंदर प्रताप सिंह के साथ उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के साथ पश्चिम बंगाल के सुंदरबन के विस्तीर्ण इलाकों का औचक दौरा किया. इस दौरान उन्होंने भारत-बांग्लादेश के कई महत्वपूर्ण सीमा पर सुरक्षा एवं बीएसएफ की ओर से परिचालन की तैयारियों और जवानों की रणनीतिक तैनाती जैसे कई अहम मुद्दों की समीक्षा की.आइपीएस दलजीत सिंह चौधरी (डीजी एसएसबी) ने गत 3 अगस्त को ही बीएसएफ के नये डीजी का अतिरिक्त कार्यभार संभाला है. इसके बाद उनका सबसे पहला एवं काफी अहम आधिकारिक दौरा पश्चिम बंगाल में भारत बांग्लादेश सीमा पर हुआ है. बांग्लादेश में बदले हुए हालात के मद्देनज़र बीएसएफ ने भारत बांग्लादेश सीमा पर अलर्ट जारी किया है, इसके साथ बांग्लादेश सीमा पर जवानों की संख्या में भी काफी इजाफा किया गया है.यह दौरा बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के एडीजी (पूर्वी कमान) रवि गांधी द्वारा पूर्वी कमांड की विस्तृत ब्रीफिंग के साथ शुरू हुआ. ब्रीफिंग में पूर्वी कमांड की बटालियनों के रणनीतिक परिदृश्य और संचालन को शामिल किया गया. जिसमें महानिदेशक को संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय सीमा पर राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने में बीएसएफ की भूमिका पर विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया. बीएसएफ के महानिदेशक आइपीएस दलजीत सिंह चौधरी का पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश सीमा का दौरा भारत की सीमाओं की सुरक्षा, इस क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने में बीएसएफ के समर्पण और सतर्कता को उजागर करता है. सुंदरबन और उत्तर 24 परगना में बीएसएफ के चल रहे प्रयास अंतरराष्ट्रीय अपराधों को रोकने और राष्ट्र की संप्रभुता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण हैं.

कोलकाता से बांग्लादेश की कई उड़ानें हुई रद्द

बांग्लादेश के हालात को देखते हुए ढाका एयरपोर्ट फिलहाल बंद कर दिया गया है . हिंसा के बाद ढाका एयरपोर्ट से सभी विमानों का परिचालन पूरी तरह से बंद कर दिया गया . सभी उड़ानें रोक दी गयी . यहां तक की कोलकाता से ढाका जानेवाली उड़ानें भी सारी रद्द कर दी गयी है . वहीं दूसरी राज्यों से भी ढाका की उड़ानें रद्द कर दी गयी है . इधर, हिंसा को देखते हुए भारत सरकार ने अपने नागरिकों से की अपील की है कि अगले आदेश तक बांग्लादेश की यात्रा न करने की सख्त सलाह दी गयी है .सूत्रों के मुताबिक, शाम 4 .46 बजे से लेकर ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सभी परिचालन रोक दिये गये . हवाई अड्डा से परिचालन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है . यह फिलहाल अगले आदेश तक रात सोमवार रात साढ़े दस बजे तक के लिए सभी सेवाएं बंद कर दी गयी है .ढाका एयरपोर्ट से परिचालन बंद होने की घोषणा के पहले ही चेन्नई से ढाका के लिए भरी इंडिगो की उड़ान 6ई 1113 से 81 यात्रियों को लेकर विमान जा रही थी

बराकर सब्जी की कीमतों पर नियंत्रण चला निरीक्षण अभियान

कीमत पर हुई सुधार, आम लोगों को मिला राहत

खास बातें

- ममता बनर्जी ने कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर दिए थे सख्त निर्देश

संवाददाता । बराकर

जिला प्रशासन ने सब्जी और आलू की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए भिन्न-भिन्न बाजारों में निरीक्षण अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत सोमवार को जिला शासक के निर्देश पर टास्क फोर्स और एग्री मार्केट की टीम ने बराकर बस स्टैंड स्थित सब्जी मार्केट और आलू थोक विक्रेताओं के गोदामों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सब्जी बाजार में जाकर हरी सब्जियों के कीमतों का जायजा लिया और आलू प्याज के थोक विक्रेताओं के गोदामों में जाकर निरीक्षण किया। अधिकारी विकास दत्त ने कहा कि हम जिला शासक के निर्देश पर एनफोर्समेंट विभाग और एग्री मार्केटिंग के सदस्यों को लेकर सब्जी बाजारों का निरीक्षण करने पहुंचे हैं, ताकि आलू प्याज और सब्जी के मूल्य में अनुचित तरीके से वृद्धि न हो और ग्राहकों को उचित मूल्य पर सब्जियां उपलब्ध हों। राज्य के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लगातार सब्जियों और आलू की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर सख्त निर्देश दिए थे कि इस बढ़ी हुई कीमतों पर रोक लगाया जाए। इसके बाद से प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय होकर विभिन्न बाजारों में निरीक्षण अभियान चल रही है। इस अभियान के बाद से बढ़ी हुई सब्जियों की कीमत पर धीरे-धीरे सुधार आनी शुरू हो गई है, जिससे आम लोग राहत की सांस ले रहे हैं।

तीसरी सोमवारी को बराकर बैगुनिया सिद्धेश्वरी मंदिर में रात 2 बजे से बाबा को जल अर्पण करने के लिए कावड़ यात्रियों की लगी भीड़ , दुकानदारों ने कैंप लगाकर किया प्रसाद वितरण

रानीगंज में राग रत्न कीर्तन मुकाबले का आयोजन

5 से 22 वर्ष की आयु के बच्चों ने भाग लिया

संवाददाता । रानीगंज

रानीगंज में श्री गुरु हरकृष्ण साहिब जी के पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर 16वां राग रतन कीर्तन मुकाबला आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में 5 से 22 वर्ष की आयु के बच्चों ने भाग लिया, जिन्हें सुर, लय, ताल और गुरबाणी शुद्धता की परख के लिए विशेषज्ञों द्वारा आंका गया। इस अवसर पर गुरु गोविंद सिंघ स्टडी सर्किल पश्चिम बंगाल के कार्यों के चित्रों का संग्रह एल्बम का विमोचन किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को नकद पुरस्कार और सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सिंघारन नदी को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग तेज

नदी को बचाने के लिए ग्रामीणों का आंदोलन सही : जितेंद्र तिवारी

खास बातें

- कई करखानों ने नदी के बहाव पथ के साथ की छेड़छाड़

संवाददाता । जामुड़िया

जामुड़िया । जामुड़िया में स्थित औद्योगिक क्षेत्र में कई कारखानों द्वारा सिंघारन नदी का अतिक्रमण किया गया है, जिससे नदी का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। स्थानीय ग्रामीणों और भाजपा नेताओं द्वारा नदी को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की जा रही है। सिंघारन नदी जामुड़िया की जीवन रेखा मानी जाती है, लेकिन कारखानों द्वारा इसका अतिक्रमण कर नदी को नाले में तब्दील कर दिया गया है। ग्रामीणों और भाजपा नेताओं द्वारा इसके खिलाफ आवाज उठाई जा रही है। भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर नदी की रक्षा की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक वर्ष पहले नदी को बचाने की लड़ाई शुरू की थी, जिसमें अब जनता भी शामिल हो गई है। उन्होंने कहा कि कुछ कारखानों द्वारा नदी के गति पथ के साथ छेड़छाड़ किया गया है और नदी का अतिक्रमण कर उसे अपने कारखानों के अंदर ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि नदी को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए जिला शासक और जामुड़िया के बीडीओ को ज्ञापन सौंपा गया है, लेकिन प्रशासन शासक दल इस पर चुप है। उन्होंने कहा कि सिंघारन नदी को बचाने के लिए ग्रामीणों का आंदोलन सही है और भाजपा इसका पूरी तरह समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि आसनसोल में नदियां लोगों की जिंदगी खत्म कर रही हैं, तो दूसरी ओर जामुड़िया के कारखाना मालिक नदी को समाप्त कर रहे हैं।

न्यूज अपडेट

150 साल प्राचीन शनि मंदिर का पुनर्निर्माण

रानीगंज: रानीगंज के हालदार बांध स्थित 150 साल प्राचीन शनि मंदिर के पुनर्निर्माण के उद्देश्य से श्री शनि देव भगवान, पंचमुखी बालाजी, और शिव परिवार का प्राण प्रतिष्ठा आयोजन किया गया। इस अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें श्री शनिदेव भगवान का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शिव चर्चा, भजन कीर्तन, और महा भंडारा का भी आयोजन किया गया। भजन संध्या में मशहूर गायिका अंजलि कर्मकार, गायक रंजीत बिस्वास, गौतम लाहा, और अंडाल से आए गायक ललित अग्रवाल ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिसे सुनकर भक्तगण भाव-विभोर हो उठे। इस दौरान बाबा का भव्य श्रृंगार भी किया गया। इस मौके पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रानीगंज के विधायक तापस बनर्जी, रानीगंज शहर के तृणमूल अध्यक्ष रुपेश यादव, रानीगंज बोरो चेयरमैन मुजम्मिल शहजाद अंसारी, आसनसोल नगर निगम के मेयर परिषद दिव्येंदु भगत, वार्ड संख्या 91 के पार्षद राजू सिंह,आस्था जोशी, रूद्र जोशी और अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

महारुद्र अभिषेक पूजा का विशेष महत्व : सुशील

रानीगंज। रानीगंज में आर्ट ऑफ़ लिविंग सेंटर काज़ाडा में श्रावण मास की महारुद्राभिषेक पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित हुए। पूजा का आयोजन आर्ट ऑफ़ लिविंग के प्रशिक्षक सुशील कुमार सिंह ने विधिवत रूप से किया। सुशील कुमार सिंह ने बताया कि महारुद्राभिषेक पूजा का हमारी जिंदगी में विशेष महत्व है, यह पूजा न केवल व्यक्ति विशेष के लिए बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए प्रभावशाली है। उन्होंने कहा कि इस पूजा में ध्यान और संकल्प का विशेष महत्व है, ध्यान के द्वारा नकारात्मक भावनाएं दूर होती हैं और सकारात्मक भावनाएं मन में आती हैं। पूजा के दौरान आर्ट ऑफ़ लिविंग की शिक्षिका बिंदु भगत और अन्य श्रद्धालुओं ने भजनों की प्रस्तुति करके वातावरण को भक्तिमय बनाया।

बराकर विद्युत विभाग की लापरवाही से कर्मी घायल

परेशानी सीमेंट के खंभे का इंतजाम कर समस्या का समाधान करें

खास बातें

- इलाके में कई बार हो चुकी हैं दुर्घटनाएं लेकिन विभाग ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की

संवाददाता । बराकर

के सीतारामपुर के वार्ड 18 स्टेशन रोड के मस्जिद पाड़ा में एक विद्युत खंबे में कार्य कर रहे बराकर विद्युत विभाग कर्मी विद्युत के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे बचाया और इलाज के लिए नजदीकी नर्सिंग होम हॉस्पिटल में भर्ती कराया। इस घटना के दौरान मौके पर लोगों में आक्रोश दिखा, और उन्होंने बताया कि बराकर विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण इस इलाके में कई समस्याएं हैं। यहां के विद्युत खंभे वर्षा काल में विद्युत प्रवाह के कारण खतरनाक हो जाते हैं, जिससे कई लोग और जानवर प्रभावित होते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई खंभे टूटकर लटके हुए हैं और कभी भी गिर सकते हैं। उन्होंने विद्युत विभाग से मांग की है कि वे सीमेंट के खंभे का इंतजाम करें और लाइट की समस्या का समाधान करें, ताकि भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना न हो। उन्होंने बताया कि बराकर विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण इस इलाके में कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन विभाग ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने मांग की है कि विभाग जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करे और सुनिश्चित करे कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं न हों। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में विद्युत विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ गया है, और उन्होंने विभाग से जवाबदेही की मांग की है। उन्होंने कहा कि विभाग को अपनी लापरवाही के लिए माफी मांगनी चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं न हों।

बराकर में शनि जयंती धूमधाम से मनायी

बराकर। बराकर शहर के वार्ड नंबर 68 स्थित शनि मंदिर में न्याय के देवता शनिदेव की जयंती और मंदिर की स्थापना दिवस का समारोह धार्मिक कार्यक्रम के माध्यम से आयोजित किया गया। मंदिर को रंग-रोगन कर जगमगाती रोशनियों से सजाया गया। स्थानीय पुजारी और मंदिर के पुजारी काशी जोशी ने संयुक्त रूप से शनिदेव की पूजा-अर्चना की। काशी जोशी ने बताया कि यह मंदिर उनके पिता द्वारा स्थापित किया गया था और इसकी स्थापना के लगभग 42 वर्ष पूरे हो चुके हैं। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास की अमावस्या को शनि जयंती और मंदिर की स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ धार्मिक वातावरण में मनाया जाता है, जिसमें आसपास के क्षेत्र के लोग भाग लेते हैं।

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष संतान भाव मे शुक्र, चंद्रमा और बुध का योग है। गलत दोस्तों से बचें. विद्यार्थी वर्ग शोध कार्य व शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा.

वृषभ बैभव सुख में बृद्धि होगी. साथ ही कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करना पड़ेंगे. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा. आय होगी.

मिथुन पराक्रम से कार्य सिद्ध होगा. किसी प्रबुद्ध से मुलाकात होगा. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. भरपूर प्रयास करें.

कर्क कोई बड़ा कार्य होने से मन प्रसन्न होगा. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. कार्य के प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह समय बहुत ही उत्तम है. शारीरिक और मानसिक शांति मिलेगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है.

कन्या नेत्र विकार से बचना चाहिए. कर्ज लेना पड़ सकता है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

तुला आय के लिए दिन उत्तम है. नए कार्य को लेकर लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. जल्दबाजी न करें. इतर का दान करें.

वृश्चिक कोई मानसिक पीड़ा हो सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

धनु किसी महिला मित्र से विवाद हो सकता है. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर बेकार के बहस से बचना चाहिए. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

कुंभ उदर विकार हो सकता है. ब्यापार में लाभ का योग है. दांपत्य जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. नए कार्य का लाभ होगा.

मीन पड़ोसियों से बिना वजह उलझे नहीं. मौसमी बीमारियों से बचना चाहिए. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. पीली वस्तु का दान करें.

बियोंड बिजनेस : इम्पैक्ट ऑफ टाटा ग्रुप का होगा प्रकाशन

सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स करेगी अंग्रेजी भाषा में लिखी गई पुस्तक प्रकाशित

संवाददाता | जमशेदपुर

सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज टाटा ग्रुप की उपलब्धियों का बखान करती एक कॉफी टेबल बुक का प्रकाशन करने जा रही है. इस पुस्तक का संपादन लेखक संदीप मुरारका ने किया है. खूबसूरत आवरण एवं लगभग 170 रंगीन पृष्ठों से सुसज्जित यह पुस्तक राष्ट्र निर्माण में टाटा ग्रुप के योगदान को बयां करेगी.

पुस्तक के प्रथम पृष्ठों में महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी बाजपेयी, देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टाटा घराने की यादगार तस्वीरों को संकलित किया गया है. टाटा ग्रुप प्रबंधन एवं टाटा से जुड़े अन्य सहयोगियों की विशिष्ट उपलब्धियों को भारत सरकार ने समय-समय पर देश के सर्वोच्च पुरस्कारों से नवाजा है. देश में पद्म पुरस्कार प्रदान करने की परंपरा वर्ष 1954 में प्रारंभ की गई थी. तब से वर्ष 2024 तक कुल 53 भारत रत्न, 336 पद्म विभूषण, 1320 पद्म भूषण एवं 3531 पद्मश्री प्रदान किये जा चुके हैं. इस कॉफी टेबल बुक में टाटा ग्रुप से संबंधित नामों को चिन्हित कर अलग संकलित करने का प्रयास किया गया है, ताकि प्रबंधन के छात्र-छात्राएं इनकी सफलता की कहानियों को पढ़कर प्रेरणा प्राप्त कर सकें. संपादक संदीप मुरारका ने बताया कि उद्योग एवं व्यवसाय के क्षेत्र में आज तक मात्र एक भारत रत्न प्रदान किया गया है और यह सम्मान टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन जेआरडी टाटा को प्राप्त हुआ है. साथ ही टाटा ग्रुप द्वारा वैज्ञानिक अनुसंधान और उच्च शिक्षा के लिये स्थापित अग्रगण्य शिक्षण संस्थान 'भारतीय विज्ञान संस्थान' के दो पूर्व निदेशकों प्रो. सीएन रामचंद्र राव और डॉ. सीवी रमन को भी भारत रत्न से अलंकृत किया जा चुका है.

व्यवसाय से परे टाटा समूह का प्रभाव : अंग्रेजी भाषा में लिखी गई पुस्तक 'बियोंड बिजनेस : इम्पैक्ट ऑफ टाटा ग्रुप' में टाटा प्रबंधन, टाटा द्वारा स्थापित संस्थानों में कार्यरत चिकित्सक, वैज्ञानिक, इंजीनियरों की फेहरिस्त है. इनमें तीन भारत रत्न, 17 पद्म विभूषण, 62 पद्म भूषण, 51 पद्मश्री विभूषित व्यक्तित्व शामिल हैं. साथ ही टाटा घराने की ओर से खेलने वाले खिलाड़ियों को पांच मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार, नौ द्रोणाचार्य पुरस्कार, 79 अर्जुना अवार्ड, पांच तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार, पांच राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं.

13 माउंट एवरेस्ट विजेताओं का है जिक्र : सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका कहते हैं कि टाटा ग्रुप ने ना केवल कारखाने स्थापित किये, बल्कि कई ऐसी संस्थाओं का गठन किया, जिनके कीर्तिमानों से पूरे विश्व में देश का गौरव बढ़ा है. ऐसा ही एक संस्थान है -'टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन', जहां प्रशिक्षित तेरह पर्वतारोहियों ने माउंट एवरेस्ट के साथ साथ विश्व के उच्चतम शिखरों पर भी तिरंगा लहराया है. इन सबका परिचय इस कॉफी टेबल बुक में शामिल किया गया है.

कुल आठ अध्याय हैं इस पुस्तक में : सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के पीआरडब्ल्यू विंग द्वारा प्रकाशित की जाने वाली बियोंड बिजनेस : इम्पैक्ट ऑफ टाटा ग्रुप के विषय में उपाध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल गोल्डी बताते हैं कि टाटा ग्रुप द्वारा अर्जित पुरस्कारों के अलावा नौ ऐसे व्यक्तित्वों का परिचय भी इस पुस्तक में शामिल किया गया है. जो पद्म पुरस्कारों से अलंकृत किए गए और उनकी जड़ें भी कभी ना कभी टाटा की माटी से जुड़ी रहीं हैं. ऐसे लोगों में मिल्क मैन ऑफ इंडिया के नाम से विख्यात वर्गीस कुरियन, विख्यात लेखिका, प्रेरक वक्ता एवं मनोनीत राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति, देश के प्रमुख उद्योगपति वेणु श्रीनिवासन एवं देश में औद्योगिक और शैक्षणिक संबंधों की मजबूती के पैरोकार प्रो. अशोक झुनझुनवाला का नाम उल्लेखनीय है. होटल ताज की घरेलू मैगजीन 'ताज' की संपादक फातिमा जकारिया को भी पद्मश्री से विभूषित किया जा चुका है.

टाटा पर जारी हुए कई सिक्के, डाक टिकट और स्पेशल कवर : सिंहभूम चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के पीआरडब्ल्यू सचिव लिपु शर्मा ने बताया कि पोस्टल विभाग द्वारा समय समय पर टाटा के योगदान पर कई सिक्के, डाक टिकट और स्पेशल कवर जारी किए जा चुके हैं. इस पुस्तक में उस पूरी यात्रा का विस्तृत व सचित्र विवरण है. इस अध्याय को जमशेदपुर कॉयन कलेक्टर्स क्लब के प्रेम पीयूष कुमार और प्रीतम बासु ने संकलित किया है.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना-लगातार सर्वर डाउन, बढ़ा आक्रोश

पहले दिन तीन लोगों की हुई इंट्री

- अधिकांश महिलाएं शिविर में फॉर्म जमा करके बगैर पावती रसीद लिए ही वापस लौट गई
- अधिकांश शिविर में इक्के दुक्के महिलाओं का फॉर्म ही पोर्टल में सबमिट हुआ

संवाददाता । पलामू

प्रज्ञा केंद्रों पर लगी महिलाओं की लंबी कतार.

जिले भर के प्रखंड की पंचायत व शहरी क्षेत्र के वार्डों में लगातार सर्वर डाउन रहने के कारण मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के शिविर से महिलाओं का लौटने का सिलसिला जारी है. बड़ी मुश्किल से महिलाएं बच्चे लेकर दिनभर कैंपों में खड़ी रही, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी, जिससे महिलाओं में भारी आक्रोश देखा जा रहा है. बताते चलें कि विभिन्न पंचायत और वार्डों में सोमवार को तीसरे दिन भी कैंप लगा. शिविरों में बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची, लेकिन सर्वर की समस्या जस की तरह बरकरार रही. अधिकांश शिविर में इक्के दुक्के महिलाओं का फॉर्म ही पोर्टल में सबमिट हुआ और ऑनलाइन एंट्री के बाद पार्टी रसीद प्राप्त कर सकीं. अधिकांश महिलाएं शिविर में फॉर्म जमा करके बगैर पावती रसीद लिए ही वापस लौट गई. मेदिनीनगर शहर के टीचर ट्रेनिंग स्कूल में 25, 26, 27, 28 वार्ड के लिए तीसरे दिन कैंप लगाया गया. पहले दिन मात्र तीन लोगों की इंट्री हुई, उसके बाद से लगातार सर्वर डाउन चल रहा है. तीसरे भी समस्या बरकरार रही. यहां मात्र एक कंप्यूटर ऑपरेटर था.

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कैंप से लगातार गड़बड़ी सामने आ रही है. सर्वर डाउन रहने की समस्या आम है. इस बीच सोमवार को तरहसी पंचायत भवन में आयोजित कैंप से 9 प्रज्ञा केन्द्रों में से 8 संचालक गायब मिले. मामले की जानकारी मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी वरुण कुमार कार्रवाई में जुट गए हैं. उन्होंने इसे बड़ी चूक बताया है. बतातें चलें कि झारखंड सरकार ने 21 वर्ष से लेकर 50 वर्ष की महिलाओं को 1 हजार रूपए प्रतिमाह देने के लिए मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की शुरूआत की है. इसके तहत प्रखंड की पंचायत में कैंप लगाए जा रहे हैं और इसके माध्यम से सभी के आवेदन ऑनलाइन किए जा रहे हैं.

बीडीओ ने बताया कि तरहसी पंचायत भवन में चल रहे मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कैंप से 8 सीएससी संचालक गायब मिले. उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए अग्रतर भेजी गई है. उन्होंने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना से सीएससी संचालक का गायब रहना कार्य के प्रति लापरवाही एवं कर्तव्यहीनता का प्रतीक है.

विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) की शुरुआत पर एक्स हैंडल पर पोस्ट कर झारखंड की बहनों को बहुत-बहुत बधाई दी है. उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने में बहनों को आ रही शुरुआती परेशानी के बारे में उन्हें जानकारी मिली है. योजना को लेकर आ रही तकनीकी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए उन्होंने निर्देश दिया है तथा इस मामले को लेकर वरीय पदाधिकारियों की भी बैठक हुई है. योजना को लेकर दिख रहे उत्साह को लेकर उन्होंने पूरे राज्य में प्रज्ञा केंद्रों की संख्या बढ़ाने का भी निर्देश दिया है.

उन्होंने कहा है कि सभी बहनों को यह बताना चाहता हूं कि यह हमेशा चलने वाली योजना है. योजना का लाभ लेने हेतु कोई समय सीमा नहीं है. विशेष कैम्प के आयोजन के बाद भी जरूरतमंद बहनें कभी भी अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर इस योजना का लाभ ले सकेंगी. योजना से लोगों को आसानी से लाभ मिले, इसलिए 10 अगस्त तक विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसे और पांच दिन बढ़ाने का निर्देश दिया है.

सभी पंचायतों में शिविर लगाया गया है : जिले के पाटन प्रखंड की सभी पंचायतों में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का शिविर लगाया जा रहा है. सैकड़ों फार्म जमा कर लिया गया है, लेकिन ऑनलाइन सेवा नदारत है. सतोवा के मुखिया अखिलेश पासवान ने कहा कि उनकी पंचायत में अब तक 300 से ऊपर फॉर्म जमा हो चुके हैं. पंचकेडिया पंचायत में भी 500 से उपर फॉर्म जमा है, लेकिन ऑनलाइन नहीं होने के चलते परेशानी बनी हुई है. अब सभी लोगों का फॉर्म ऑफलाइन लिया जा रहा है. प्रमुख शोभा देवी ने कहा कि प्रखंड की कई पंचायत का दौरा किया. सर्वर की समस्या सभी पंचायत में देखने को मिल रही है. इससे लाभुकों को फॉर्म ऑनलाइन नहीं हो पा रहा है. झारखंड सरकार को इस समस्या को जल्द ही निदान करने की आवश्यकता है, ताकि हर गरीब परिवार तक योजना का लाभ पहुंच सके.

पेज एक का शेष

बांग्लादेश में तख्तापलट

बंग बंधु की प्रतिमा पर चले हथौड़े : सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में प्रदर्शनकारी ढाका में हसीना के पिता एवं 1971 के मुक्ति संग्राम के नायक शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा पर चढ़ते और हथौड़ों से उसे तोड़ते हुए नजर आए. धानमंडी और ढाका में हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यालय को प्रदर्शनकारियों ने आग के हवाले कर दिया और सरकार विरोधी नारे लगाए. उन्होंने राजधानी में गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के आवास पर भी हमला किया और तोड़फोड़ की. उनके घर से धुआं निकलता भी देखा गया. नई सरकार ने प्रदर्शनकारियों के आम जनता से लॉन्ग मार्च टू ढाका में भाग लेने का आह्वान करने के बाद इंटरनेट को पूरी तरह बंद करने का सुबह आदेश दिया. एक सरकारी एजेंसी ने हालांकि सोमवार को अपराह्न करीब सवा एक बजे ब्रॉडबैंड इंटरनेट शुरू करने का मौखिक आदेश दिया. सोमवार की सुबह हिंसा के नए मामलों में छह लोग मारे गए, जब हजारों प्रदर्शनकारी लॉन्ग मार्च टू ढाका के लिए एकत्र हुए थे. प्रदर्शनकारियों के राजधानी में एकत्र होने के दौरान पुलिस और सेना सड़कों पर नजर आई.

इंटरनेट सेवा शुरू, पूरे देश में कर्फ्यू हटा : सेना प्रमुख ने हसीना की सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच एक नाटकीय घटनाक्रम में उनके इस्तीफे की घोषणा करने के बाद देश से कर्फ्यू हटाने एवं इंटरनेट सेवाएं बहाल करने का आदेश दिया. इससे पहले सरकार ने प्रदर्शनकारियों के आम जनता से लॉन्ग मार्च टू ढाका में भाग लेने का आह्वान करने के बाद इंटरनेट को पूरी तरह बंद करने का सुबह आदेश दिया था.

भारत की करीबी नजर : इस बची, भारत सरकार के सूत्रों ने कहा कि ढाका में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम पर नयी दिल्ली करीबी नजर रखे हुए है. हालांकि बांग्लादेश में जारी घटनाक्रम पर भारत की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है. सरकार की तरफ से शेख हसीना को शरण देने के मामले पर किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार शाम को पीएम मोदी से मुलकात कर बांग्लादेश के ताजा घटनाक्रम की जानकारी दी. उधर, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बांग्लादेश के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है. उन्होंने कहा, बांग्लादेश को लेकर भारत सरकार जो भी फैसला लेगी, हम उसे मानेंगे. बांग्लादेश से लगने वाली सीमा पर तैनात बीएसएफ ने चौकसी कड़ी कर दी है.

अब तक क्या कार्रवाई हुई?

क्या है जनहित याचिका में : वर्ष 2020 में प्रार्थी पंकज कुमार यादव ने तत्कालीन रघुवर सरकार के पांच मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति को लेकर जनहित याचिका दायर की थी. उनका आरोप था कि 2014 के चुनाव के वक्त अमर बाउरी ने 7.33 लाख की संपत्ति का ब्यौरा दिया था. यह संपत्ति 2019 में 12 गुणा से अधिक बढ़ कर 89.41 लाख हो गयी. रणधीर सिंह ने 2014 में 88.92 लाख की संपत्ति दिखाई थी, जो 2019 में 5.06 करोड़ हो गई. डॉ नीरा यादव ने 2014 में 80.59 लाख संपत्ति का ब्यौरा दिया था. उनकी संपत्ति 2019 में 3.65 करोड़ हो गई थी. लुईस मरांडी के पास साल 2014 में 2.25 करोड़ की संपत्ति थी, जो 2019 में चार गुणा बढ़ कर 9.06 करोड़ हो गई. वहीं नीलकंठ सिंह मुंडा के पास 2014 में 1.46 करोड़ की संपत्ति 2019 में 4.35 करोड़ हो गई थी.

भाजपा के लिए विस चुनाव में

इस लिहाज से कमलेश सिंह अब साथी विधायक हैं. इसलिए भाजपा को पहले से हुसैनाबाद सीट कमलेश सिंह के लिए छोड़नी होगी. ऐसे में भाजपा को अब दो-दो अन्य सहयोगी दलों को संतुष्ट कर पाना बेहद कठिन टॉस्क के रूप में नजर आ रहा है.

भाजपा 65 से कम पर नहीं होगी तैयार : भाजपा खेमे से मिली जानकारी के अनुसार हुसैनाबाद सीट को छोड़ कर कुल 80 सीटें बचती हैं. ऐसे में भाजपा 80 में से कम से कम 65 सीट से कम पर समझौता करने को तैयार नहीं होगी. ऐसे में आजसू पार्टी और जदयू को कम सीटों पर समझौता करना पड़ सकता है. आजसू 20 से कम पर तैयार होगी, इसकी संभावना भी कम है. क्योंकि 2019 में आजसू ने 20 सीट मांगी थी, भाजपा 18 देने को तैयार भी थी. मगर आजसू तैयार नहीं हुई और गठबंधन टूट गया. भाजपा और आजसू अलग-अगल चुनाव लड़े, जिसका खमियाजा दोनों को उठाना पड़ा. भाजपा सत्ता से बाहर हो गयी. कम से कम 13 ऐसी सीटें 2019 में रहीं, जहां पर दोनों दलों के वोट बिखराव के कारण यूपीए ने बाजी मार ली. इसलिए क्या इस बार भाजपा और आजसू पार्टी पुरानी गलती दोहाराने को तैयार होंगे, देखना होगा.

अब मेदिनीनगर के नाम से जाना जाएगा डालटनगंज रेलवे स्टेशन

जैनेंद्र कुमार। मेदिनीनगर

अब डाल्टेनगंज रेलवे स्टेशन का नाम भी बदलने वाला है. इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सहमति दे दी है. अब आगे की प्रक्रिया केंद्रीय गृह मंत्रालय पूरी करेगा. इसी के साथ पलामूवासियों की लंबे समय से डालटनगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग पूरी हो जाएगी. इसे लेकर पलामू सांसद विष्णु दयाल भी मुखर रहे थे. उन्होंने भी इस मामले को कई स्तर पर उठाया था. जानकारी के अनुसार 2021 में ही केंद्रीय गृह मंत्रालय नहीं इस मामले को लेकर पलामू जिला प्रशासन से पत्राचार किया था.

डाल्टेनगंज 2001 में बना था मेदिनीनगर : डाल्टेनगंज शहर का नाम परिवर्तन को लेकर लंबे समय से आंदोलन चल रहा था. स्थानीय लोग चाहते थे कि इस शहर का नाम चेरो राजा मेदिनी राय के नाम पर हो. इसे लेकर दो दशक से अधिक समय तक लोगों और सरकार के बीच बातचीत चलती रही. अंततः झारखंड राज्य गठन के बाद साल 2001 में डाल्टेनगंज का नाम बदल कर मेदिनीनगर किया गया.

अधिवक्ता की गिरफ्तारी के विरोध में न्यायिक कार्य से रहे अधिवक्ता

लातेहार। व्यवहार न्यायालय में प्रैक्टिसरत अधिवक्ता संजय कुमार गुप्ता की अजा जनजाति थाना प्रभारी के द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर जिला अधिवक्ता संघ की आपात बैठक बुलाई गई. बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष राजमणि प्रसाद ने किया. बैठक में प्रशासनिक सचिव लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने गिरफ्तारी के मामला को रखते हुए बताया कि अधिवक्ता की गिरफ्तारी रात में किसी भी परिस्थिति में क्षम्य नहीं है. शाहदेव ने दोषी पुलिसकर्मियों के प्रति रोष व्यक्त करते हुए अधिवक्ताओं को न्यायिक कार्ड से अलग रहने की बात कही. जिसे उपस्थित अधिवक्ताओं ने समर्थन किया. संघ द्वारा प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह को एक ज्ञापन सौंप. बैठक में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजमणि प्रसाद, वृंद कुमार, जयप्रकाश नाथ शाहदेव, अरुण द्विवेदी, शमशुल कमर खान, संजय कुमार, अनिल ठाकुर, सुनील कुमार, नवीन कुमार गुप्ता, गणेश प्रसाद, अब्दुल सलाम, राजीव रंजन पांडेय, प्रदीप उपाध्याय, विवेक कुमार आदि ने अपने-अपने बातों को रखा.

आदित्यपुर : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ बोले-

उद्यमियों को रक्षा उपकरण का ऑर्डर दिलाने का प्रयास

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों को रक्षा उपकरणों के ऑर्डर दिलाने का भरपूर प्रयास करूंगा. यह वादा रविवार को आदित्यपुर पहुंचे रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इसरो (इंडस्ट्रियल स्टेबिलिटी रिफॉर्म ऑर्गनाइजेशन) के उद्यमियों से किया. उन्हें इसरो के अध्यक्ष रूपेश कतरियार के नेतृत्व में उद्यमियों ने इससे संबंधित एक ज्ञापन सौंपा है.

ज्ञापन में आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के तकरीबन 1200 छोटे और मध्यम स्केल के उद्यमियों की परेशानी और एकमात्र टाटा मोटर्स की निर्भरता की बातें कही हैं. उन्हें यह भी बताया गया है किस तरह टाटा मोटर्स के ऑर्डर नहीं मिलने से यहां के उद्यमियों को काम के लिए भटकना पड़ता है. इस पर मंत्री संजय सेठ ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे इस संबंध में देश के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री से हाई लेवल मीटिंग कर इस समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे. प्रतिनिधिमंडल में रुपेश कतरियार, संदीप मिश्रा और पंकज झा मौजूद थे. तीनों लघु उद्यमियों ने मंत्री से रक्षा क्षेत्र में व्यापार के संभावनाओं को सुगम और सुलभ बनाने का प्रयास करने का अनुरोध किया.

मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर मेडिकल के छात्रों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता । मेदिनीनगर

मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में सेंट्रल लाइब्रेरी, सफाई, लिफ्ट, बिजली, पानी समेत अन्य मांगों को लेकर मेडिकल कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने सोमवार को कॉलेज के मेन गेट को बंद कर धरना दिया. मांगों से संबंधित तख्तियां लिए हुए हैं. आन्दोलन की सूचना मिलने के बाद प्राचार्य डॉ. कामेन्द्र प्रसाद और प्रो डॉ. आरके रंजन समेत अन्य शिक्षकों ने आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राओं को समझाने का प्रयास किया लेकिन उनका कहना था कि लंबे समय से वह समस्याएं झेल रहे हैं. छात्रों के प्रदर्शन से इमरजेंसी सेवा के लिए एमआरएमसीएच जाने वाले जूनियर रेजिडेंट डाक्टरों को अस्पताल से निकलने में परेशानी हुई. हालांकि, कुछ देर बाद दूसरे गेट से सारे डाक्टर निकले एवं एमआरएमसीएच पहुंचे. छात्र-छात्राओं का कहना है कि उन्हें बिजली और पानी तक मुहैया नहीं हो पा रहा है. इधर, युवा सामाजिक कार्यकर्ता अजीत मेहता ने कहा कि मूलभूत सुविधा के लिए मेडिकल के छात्रों का प्रदर्शन दुर्भाग्यपूर्ण है. मेडिकल कॉलेज के पास रहने के कारण उन्हें पता है कि छात्रों को क्या कुछ समस्या होती है. बिजली एवं पानी आम समस्या है और इसका निदान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए. लेकिन कॉलेज प्रबंधन या जिला प्रशासन इसका निराकरण नहीं कर पा रहा है यह बड़ा ही चिंताजनक है. बिजली एवं पानी के साथ साथ लाइब्रेरी, लिफ्ट की भी सुविधा मिलनी चाहिए. कॉलेज की आधारभूत संरचना जबतक सुदृढ़ नहीं होगी, बेहतर शिक्षा की उम्मीद नहीं की जा सकती.

शराब पीने से मना किया तो पिता-पुत्र को पीटा

हरिहरगंज/पलामू। जिले के पीपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सरैया पंचायत के बरवाडीह में ग्रामीण दुकान के पास नशा करने और जुआ खेलने से मना करने पर नशेड़ियों ने सोमवार को 11 बजे पिता-पुत्र की जम कर पिटाई कर दी. जिससे बरवाडीह निवासी 50 वर्षीय अवधेश राम और उनके 30 वर्षीय पुत्र उदय राम गंभीर रूप से घायल हो गए. उदय राम की पत्नी सुनैना देवी हल्ला सुनकर बीच बचाव के लिए आई तो उसे भी नशेड़ियों ने मारपीट कर घायल कर दी. घटना के बाद खून से लथ पथ पिता-पुत्र को परिजनों ने हरिहरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया. प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालात को देखते हुए चिकित्सकों ने घायल अवधेश राम को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया.

घटना की सूचना पाकर सीएचसी पहुंचे हरिहरगंज थाने के सब इंस्पेक्टर शशि शेखर पांडेय ने घायलों से फर्द बयान को सूचीबद्ध किया. पीड़ित अवधेश राम ने बताया कि पास के ही रजोखर गांव के छोटू, पवन, जटायु राम, पनवा देवी, दशरथ भुइंया, मुन्ना भुइंया, पिंटू भुइंया और नागेंद्र भुइंया के पुत्र को अपनी दुकान के समीप गांजा, शराब पीने और जुआ खेलने से मना करने पर हमलोगों के साथ मारपीट किया था.

कोर्ट नोटिस

न्यायालय,
प्रधान जिला जज, लातेहार
सिविल अपील 03/2021

तरसीयुस टोप्पो, पिता स्व० इगरोनिजस टोप्पो निवास स्थान वरटोली पो० वो थाना महुआडाँड, जिला लातेहार, वो अन्य -आवेदक

बनाम्

सिमन टोप्पो, पिता स्व० सुलेमान टोपो, निवास स्थान - बरटोली पो० - थाना महुआडाँड , जिला – लातेहार वो अन्य- विपक्षीगण,

नोटिस

बनाम्

1. शांती टोप्पो पिता स्व० सुलेमान टोप्पो, निवास स्थान बरटोली, पो० वो थाना - महुआडाँड, जिला - लातेहार

आपकों इस नोटिस के द्वारा सूचित किया जाता है कि उपर लिखे आवेदक ने मेरे न्यायालय में सिविल अपील वाद दायर किया हैं। आप के विरूद्ध साधाण कार्रवाई एवं निर्बंधित नोटिस की कार्रवाई हो चुकी है, अब आपके विरूद्ध दैनिक आखबार प्रकाशन की कार्रवाई की जा रही हैं आप दिनांक **16.08.2024** को **10:30 AM बजे** स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो, अन्सथा आपके विरूद्ध एकतरफा कार्रवाई की जायेगी।

नोटिस आज दिनांक 25.07.2024 को मेरे कार्यालय से निर्गत की जा रही है। इसे ताकिद जानें। ये नोटिस मेरे न्यायालय द्वारा मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर निर्गत की गयी है।

ह./- **प्रधान जिला जज**
व्यवहार न्यायालय लातेहार

विरोध | आदिवासी युवतियों को बरगला कर शादी कर आदिवासी जमीन पर कब्जा कर रहे मुस्लिम

बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ावा दे रही सरकारः सीता सोरेन

हेमंत सरकार पर जमकर बरसी सीता सोरेन

संवाददाता । धनबाद

धनबाद परिसदन में बैठक करतीं भाजपा नेत्री सीता सोरेन.

राज्य की गठबंधन सरकार में आम जनमानस पूरी तरह त्रस्त है. हेमंत सोरेन सरकार की मदद से बांग्लादेशी घुसपैठियों ने संथाल परगना पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है. जिसका खामियाजा क्षेत्र के आदिवासी भाई बहनों को उठाना पड़ रहा है. राज्य की वर्तमान सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है. इन सब गंभीर विषयों से आम जनमानस का ध्यान भटकने के लिए चुनावी लोक-लुभावन की मात्र घोषणा कर मतदाताओं का ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है. उक्त बातें जामा विधायक भाजपा नेत्री सीता सोरेन ने सोमवार को धनबाद परिसदन में कही. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने चुनाव के बाद आम लोगों को 100000 रुपये देने की घोषणा की है. अभी भी तो उनकी ही सरकार है, क्यों नहीं अभी योजना को लागू कर रही है. मंईयां योजना में कांग्रेस और झामुमो के लोग बिचौलिये की भूमिका निभा रहे हैं. अबुआ आवास ,अबुआ राज बोलकर अपनापन जगाकर, अबुआ-अबुआ बोलकर भोले- भाले आदिवासियों को ठगने-लूटने का कार्य यह सरकार कर रही है. अब आदिवासी भाई बहनों को जागरूक होने की आवश्यकता है. आदिवासी बहनों से मुस्लिम युवक बरगला कर शादी कर आदिवासी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं. यह खेल झारखंड में बेरोकटोक इस सरकार की मदद से चल रहा है. झारखंड में आदिवासियों की संख्या घटती चली जा रही है, यह एक गंभीर चिंता का विषय है. राज्य की हेमंत सोरेन सरकार सिर्फ वोट बैंक बढ़ाने को चुप्पी साधे हुए है. इसके लिए सीधे तौर पर राज्य सरकार दोषी है. इस सरकार के दिन पूरे हो चुके हैं. राज्य की जनता जाग चुकी है, आने वाले विधानसभा चुनाव में झारखंड की जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकेगी.

विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस लेने की अपील : भारतीय जनता पार्टी नेत्री सीता सोरेन दुमका से धनबाद पहुंची. धनबाद परिसदन में भारतीय जनता पार्टी धनबाद जिला महानगर द्वारा उनका स्वागत किया गया. जिला उपाध्यक्ष मानस प्रसुन, वीरेंद्र हांसदा मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा ने पुष्पगुच्छ देकर उनका एवं उनकी पुत्री राजश्री सोरेन का स्वागत किया. सीता सोरेन ने धनबाद परिसदन में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को पूरी तन्मयता से करने का एवं केंद्र की मोदी सरकार द्वारा आम जनों के लिए विकास योजनाओं को लगातार जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया. साथ ही चुनाव में पुरी मुस्तैदी से जुट जाने को कहा. परिसदन सभागार में मानस प्रसून, वीरेंद्र हांसदा, पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, राजकुमार मंडल, नित्यानंद मंडल, रितेश बहादुर सिंह, मनोज रिंकू, स्वरूप भाटाचार्य, डी के सिंह, संजीत सिंह, रंजीत शर्मा, अमरजीत कुमार, बबलू संदीप सिंह सहित कई अन्य मौजूद थे.

असहज करने वाले तथ्य

आम तौर पर धारणा यह है कि बांग्लादेश के नागरिक गरीबी से तंग आकर भारत में घुसपैठ करने को विवश होते हैं. इस धारणा को ले कर सरकारी स्तर पर ज्यादा कुछ नहीं कहा जाता है, लेकिन राजनीति इस पर खूब होती है. लेकिन जब यह जानकारी सामने आ जाए कि बड़ी संख्या में मेडिकल की पढ़ाई के लिए भारतीय छात्र बांग्लादेश जाते हैं तो भारतीय मन बेचैन हो जाता है. यह एक सच है. हाल में बांग्लादेश के छात्र आंदोलन के दौरान भारतवासियों को असहज कर देने वाले इस तथ्य पर रोशनी पड़ी कि अब बड़ी संख्या में भारतीय छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए बांग्लादेश जा रहे हैं. बांग्लादेश डॉक्टर बनने के इच्छुक खासकर पश्चिम बंगाल के छात्रों की पसंदीदा जगह बन गया है. जब यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था, तब ऐसा ही तथ्य उजागर हुआ था. दरअसल, कई मध्य एशियाई देशों के साथ-साथ चीन भी भारत के मेडिकल छात्रों का गंतव्य बना हुआ है. क्या यह भारत के लिए आत्म-मंथन का विषय नहीं है कि भारतीय छात्र उन जगहों पर भी जाकर पढ़ना पसंद कर रहे हैं, जो विकसित देश की श्रेणी में नहीं आते. क्यों? हर ऐसी चर्चा में यह कहा जाता है कि इसमें सबसे बड़ी भूमिका भारत में पढ़ाई पर बढ़ते खर्च की है. एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक रहन-सहन, बोली और खान-पान की समानताओं के कारण पश्चिम बंगाल के छात्र बांग्लादेश को अपना ठिकाना बना रहे हैं. रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से वहां से बांग्लादेश जाने वाले छात्रों की तादाद और तेजी से बढ़ी है. मोटे अनुमान के मुताबिक हर साल पश्चिम बंगाल से तीन हजार से ज्यादा छात्र बांग्लादेश के सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों में दाखिला ले रहे हैं. विदेशों में छात्रों के दाखिले में मदद करने वाली कोलकाता की एक सलाहकार फर्म के अधिकारियों ने मीडिया से कहा है कि भारत में निजी मेडिकल कालेजों में पढ़ाई का न्यूनतम खर्च 50 से 60 लाख रुपये के बीच है. कई कॉलेजों में तो यह खर्च एक करोड़ से भी ऊपर है, जबकि बांग्लादेश के मेडिकल कॉलेजों में यह खर्च लगभग आधा है. यही वजह है कि बांग्लादेश अब भारतीय छात्रों की पसंद बन गया है. बांग्लादेश के 37 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में करीब 4350 सीटें हैं, जबकि 72 निजी कॉलेजों में सीटों की तादाद 6,489 है. सार्क देशों के लिए आरक्षण के तहत बांग्लादेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुछ सीटें भारतीय छात्रों के लिए आरक्षित हैं. भारतीय छात्र इसका भी लाभ उठा रहे हैं. मगर यह भारत की स्थिति पर एक नकारात्मक टिप्पणी है. सवाल है कि आखिर भारतीय छात्रों को सस्ती शिक्षा के लिए उन देशों में क्यों जाना पड़ रहा है, जो भारत की आर्थिक हैसियत से कमतर हैं. भारत के राजनेताओं को इस पर आत्म मंथन करने की जरूरत है. यूक्रेन रूस युद्ध के दौरान यूक्रेन में पढ़ रहे भारतीय मेडिकल छात्रों का भविष्य क्या बना, इसकी चर्चा नहीं की जाती है, लेकिन भारत सरकार को इस दिशा में गंभीर पहल करने की जरूरत है कि भारत के संस्थान न केवल बेहतर प्रदर्शन करें, बल्कि वे सस्ते भी हों, ताकि गरीब से गरीब भारतीय नागरिक उस तक अपनी पहुंच बना सके.

> बांग्लादेश के 37 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में करीब 4350 सीटें हैं, जबकि 72 निजी कॉलेजों में सीटों की तादाद 6,489 है. सार्क देशों के लिए आरक्षण के तहत बांग्लादेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुछ सीटें भारतीय छात्रों के लिए आरक्षित हैं.

सुभाषित

सुखं शेते सत्यवक्ता सुखं शेते मितव्ययी।
हितभुक् मितभुक् चैव तथैव विजितेन्द्रियः॥

जो हमेशा सत्य बोलता है, जो मर्यादित रूप से अपने धन का खर्चा करता है, जो शरीर के लिए हितकारक पदार्थ आवश्यक प्रमाण में खाता है तथा जिसने इन्द्रियों पर विजय पाप्त कर ली है, वह चैन की नींद सोता है. उसकी नींद कभी हराम नहीं होती.

आरक्षण संबंधी सुप्रीम कोर्ट का नया फैसला

पिछड़े वर्ग में तो आतंरिक विभाजन हो गया था (जो कि अखिल भारतीय स्तर के मंडल ढांचे में अभी नहीं हुआ है) लेकिन अनुसूचित जातियों के संवर्ग में यह नहीं था. हम लोगों ने यह मांग उठाई कि ऐसा भी यह होना चाहिए. दलित समूह के बीच उनके अधिक पिछड़े हिस्से के लिए हमने महादलित और अति दलित शब्द पर विचार किया और अंततः महादलित शब्द तय माना गया. मुसलमानों के बीच उसके पिछड़े हिस्से का एक वर्गीकरण पसमांदा नाम से अली अनवर कर चुके थे.

• देश-काल

प्रेमकुमार मणि

गत 1 अगस्त '24 को आये सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों में शामिल समूहों का आंतरिक वर्गीकरण राज्य सरकारें कर सकती हैं, महत्वपूर्ण है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए. सन 2000 में ही जब बिहार परिवर्तन मोर्चा का कुछ साथियों के साथ मिल कर हमने गठन किया था, तब इस बिंदु पर हमारा ध्यान गया था. पिछड़े, दलित और मुसलमानों के बीच इस वर्गीय विभाजन की जरूरत थी. पिछड़े वर्गों का एक तबका, जिसे उच्च शूद्र कहा जा सकता है, पेशा से कृषक था. जमींदारी उन्मूलन और अन्य भूमि सुधारों, साथ ही लोकतान्त्रिक राजनीति में इनके बढ़ते प्रभाव ने, न केवल इनका संतोषजनक नगरीकरण किया था, बल्कि सरकारी-गैर सरकारी नौकरियों और अन्य आधुनिक पेशों से जुड़ कर समाज में इनकी सम्मानजनक स्थिति बन गई थी. कर्पूरी ठाकुर ने पिछड़े वर्गों का एक विभाजन अति पिछड़े वर्ग में किया था और सरकारी नौकरियों में किये गए बीस फीसद आरक्षण में से उनके लिए बारह फीसद तय किया गया था. मुंगेरी लाल कमीशन द्वारा प्रस्तावित कुल छब्बीस फीसद आरक्षण में तीन-तीन फीसद क्रमशः महिलाओं और आर्थिक तौर से पिछड़े वर्गों के लिए था, जिसे आज इडब्ल्यूएस कहा जाता है. उत्तर भारतीय राजनीति में कोटा-पॉलिटिक्स का यह आरम्भ ही था. पिछड़े वर्ग में तो आतंरिक विभाजन हो गया था (जो कि अखिल भारतीय स्तर के मंडल ढांचे में अभी नहीं हुआ है) लेकिन अनुसूचित जातियों के संवर्ग में यह नहीं था. हम लोगों ने यह मांग उठाई कि ऐसा भी यह होना चाहिए. दलित समूह के बीच उनके अधिक पिछड़े हिस्से के लिए हमने महादलित और अति दलित शब्द पर विचार किया और अंततः महादलित शब्द तय माना गया. मुसलमानों के बीच उसके पिछड़े हिस्से का एक वर्गीकरण पसमांदा नाम से अली अनवर कर चुके थे. इसे भी हमने स्वीकार किया. इस तरह अति पिछड़े, महादलित और पसमांदा समूहों के सम्यक विकास को हमने राजनीतिक एजेंडा बनाया, क्योंकि बिहारी समाज के बुनियादी परिवर्तन के लिए यह जरूरी था. 2004 में जब कांग्रेस के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी तब नीतीश कुमार दिल्ली से आकर पटना में जमे. उन्होंने मोर्चा की गतिविधियों में गहराई से रुचि ली. इस के सभी कार्यक्रमों को अपने जनतादल यूनाइटेड का कार्यक्रम घोषित किया. यह उनसे गहरे जुड़ाव का एक कारण बना.

2005 के आखिर में वह बिहार के मुख्यमंत्री बने. उनके चुनाव में इस सामाजिक समीकरण ने केंद्रीय भूमिका निभाई थी. इसलिए सरकार में आने के बाद उन्होंने अत्यंत पिछड़े वर्ग के लिए एक आयोग और दलितों के अधिक पिछड़े हिस्सों के लिए महादलित मिशन गठित किया. अत्यंत पिछड़े वर्गों और महिलाओं के लिए भी पंचायती राज व्यवस्था में क्रमशः बीस और पचास फीसद स्थान आरक्षित किये. इन सबने उन्हें सामाजिक परिवर्तन का नायक बना दिया. इसके पुराने नायक लालू प्रसाद 2009 और 2010 के चुनावों में लगभग हाशिये पर धकेल दिए गए, यह अलग बात है कि नीतीश कुमार ने ही इसके बाद एक प्रतिक्रांतिकारी रुख लिया और सवर्ण आयोग का गठन कर बैठे. तब से ही उनके राजनीतिक पतन का भी दौर शुरू हुआ. 2010 वाली मजबूत स्थिति में फिर वह कभी नहीं आ सके. तब उनकी पार्टी बिहार की सबसे बड़ी पार्टी तो थी ही, दूसरे नंबर की पार्टी भाजपा को भी पीछे रहने केलिए मजबूर किये हुए थी. बिहार विधान सभा में महाबली लालू प्रसाद सिमट कर बाइस पर आ गए थे और रामविलास पासवान केवल तीन पर. यह राजनीतिक ताकत इसी विखण्डन से निकली थी. लेकिन यह विषयांतर हो रहा है. हमें अनुसूचित जातियों जनजातियों के वर्गीकरण पर विचार करना था. मैं केवल बिहार का उदाहरण रख रहा हूं. उसमें भी केवल अनुसूचित संवर्ग का. जनजातिसमूह बिहार विभाजन के बाद हमारे यहां नगण्य (सिर्फ एक फीसद) रह गया था. 2005 में अनुसूचित जातियों का जो आंकड़ा उपलब्ध था, उसके अनुसार इस संवर्ग में कुल तेईस जातियां हैं, जो कुल जनसंख्या की 16.5 फीसद थीं. इनमें दुसाध और चमार आबादी में लगभग बराबर थे और दलितों की कुल आबादी के 62 फीसद से कुछ अधिक थे. सामाजिक तौर पर दो जातियां अधिक विकसित थीं - धोबी और पासी. पढ़ाई-लिखाई और सरकारी नौकरियों में इनकी संख्या अन्य दलितों से बेहतर थीं. इसका कारण यह था कि इनके पेशों में नगदी आती थी. धोबी कपड़ा की धुलाई के धंधे से जुड़े थे और पासी लोग ताड़ के उत्पाद और कुछ जलखेती (खास कर सिंघाड़ा और मखाना) कर के नगदी हासिल करते थे. इस कारण इनका नगरीकरण भी बेहतर हुआ और शिक्षा भी. इन दोनों की आबादी दलितों की कुल जनसंख्या के लगभग दस फीसद थी. अब शेष लगभग 28 फीसद, दलित जिसमें सबसे बड़ी आबादी 16 फीसद मुसहरों की थी, जीवन के सभी क्षेत्रों में बहुत पिछड़े थे. गांव में कहा जाता था कि क्या आप ने किसी श्वेत बाल वाले मुसहर को देखा है? जवाब आता नहीं. सचमुच उजले बाल वाले मुसहर शायद ही मिलते थे. लेकिन दुखद पक्ष यह कि इसका कारण उनका बेहतर स्वास्थ्य नहीं था. दरअसल कम प्रोटीन वाले भोजन करते-करते उनका स्वास्थ्य इतना खराब हो जाता था कि कम उम्र में ही वे मर जाते थे. नीतीश सरकार ने महादलित विभाजन में ईमानदार रुख नहीं अपनाया. धोबी और पासी जाति को इसमें शामिल कर लिया गया, ताकि राजनीतिक लाभ हासिल किया जा सके. दुसाधों पर राम विलास जी और चमारों पर बसपा का प्रभाव था. दलितों के उतने ही वोट का समर्थन नीतीश हासिल कर लेना चाहते थे. वह सफल भी हुए. इसी तरह अत्यंत पिछड़े वर्ग के आन्तरिक विभाजन में भी हुआ. ये ऐसे उदाहरण हैं जिन से भविष्य में इस वर्गीकरण के राजनीतिक लाभ उठाये जाने के प्रसंग आएंगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सदाचार और नास्तिक

सदाचार और नास्तिकता दोनों के मार्ग विपरीत दिशा में जाते हैं. इसलिए इन दोनों को एक साथ रख पाना असंभव है. आस्तिकता सदाचार को संपुष्ट करती है तो नास्तिकता उसे क्षति पहुंचाती है. इसी आशय से मैंने कहा था, 'नास्तिकी-सदाचार के तो पैर ही नहीं होते.' उसके पास दृढ़ता से खडे रहने का नैतिक बल ही नहीं होता. किस भरोसे खड़ा रहेगा? भला वह क्यों मोल लेगा भावी के भरोसे, निश्चित कष्ट, प्रतीक्षा और अनावश्यक तनाव? तत्क्षण प्रतिशोध ही उसके लिए न्यायमार्ग होता है. और प्रतिशोध किसी भी दृष्टि से सदाचार नहीं है. सदाचरण सदैव, घोर परिश्रम, सहनशीलता और धैर्य की मांग करते है. अधिकांश बार उपकार का बदला अपकार से भी मिलता है. कई बार सदाचारियों की गणना कायरों में की जाती है. सामान्यतया तो उसे डरपोक ही मान लिया जाता है. सदाचारी के शत्रुओं की भी संख्या बढ जाती है. उसे पाखण्डी ही समझा जाता है. कभी कभी तो उसे शान्ति के बदले मिलती कीर्ति का भी हनन कर दिया जाता है. इतना सब होने के बाद, अनास्थावान का सदाचारों पर टिके रहना तलवार की धार पर चलने के समान होता है. सदाचारों का लाभ तो मिले या न मिले, जीवन को क्यों लोहे के चने चबाने जैसे दुष्कर कार्य में व्यर्थ करना. जबकि कर्म-फल पर विश्वास करता हुआ आस्तिक, श्रद्धा के साथ प्रतिफल धारणा पर अटल रहता है और विश्वास के प्रति सजग भी. उसे भरोसा होता है कि देर-सबेर अच्छे कर्मों का प्रतिफल अच्छा ही मिलना है. आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में. वह सोचता है मैं अपने सब्र की डोर क्यो छोडूं. वह सदाचरण दृढता से निभाता चला जाता है. इसी आत्मबल के कारण सदाचार निभ भी जाते हैं. जबकि प्रतिकूल परिस्थिति में नास्तिक के सब्र का बांध टूट जाता है. भलाई का बदला बुराई से मिलते ही उसके भौतिक नियमों में खलबली मच जाती है. वह सोचता है, आजकल तो सदाचार का बदला बुरा ही मिलता है. कोई आवश्यक नहीं अच्छे कार्यों का नतीजा अच्छा ही हो. ऐसा कोई भौतिक नियम तो है नहीं कि नियमानुसार भले का परिणाम भला ही मिले. फिर क्यों किसी उलजलूल कर्म-सिद्धांतो की पग-चंपी की जाय और अनावश्यक सदाचार निभाकर क्यों दुख पीड़ा और प्रतीक्षा मोल लें. इस प्रकार धर्मग्रंथों से मिलने वाले नीतिबल के अभाव में व प्रतिफल की धारणा के अभाव में, अपनी नैतिक उर्ज़ा दांव पर नहीं लगाना चाहता. इसीलिए पैरविहीन नास्तिक, सदाचार की 'लम्बी दौड' दौड़ने में अक्षम होता है. नास्तिक-सदाचार की श्रद्धाविहीन धारणाओं को पैर रहित ही कहा जाएगा.

लोकतंत्र की बुनियाद शब्द और भाषा की गरिमा

• विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

जब दिल्ली में किसानों का आंदोलन चल रहा था तो प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ लोगों के लिए एक शब्द काम में लिया था– आंदोलनजीवी! उनका यह शब्द विपक्ष के लिए था, और विपक्ष के कई सदस्यों ने प्रधानमंत्री के इस प्रयोग पर आपत्ति भी प्रकट की थी. पता नहीं इस शब्द को असंसदीय कहा गया था या नहीं, पर यदि अब यह शब्द बोला गया तो निश्चित है इसे संसद की कार्रवाई के विवरण से हटा दिया जायेगा. यह बात इसलिए कही जा सकती है कि संसद में जुमलाजीवी शब्द को आपत्तिजनक माना गया है. इसी तरह कुछ और शब्द हैं, जिन्हें हमारी संसद में असंसदीय माना गया है. अराजकतावादी, शकुनी, तानाशाह, जयचंद, विनाश पुरुष, खून से खेती जैसे और भी कई शब्द हैं जिन्हें संसद की कार्रवाई से हटा दिया गया है. कुछ शब्दों को बोलने पर रोक लगाने की यह परिपाटी क्यों शुरू की गई थी, पता नहीं, पर चौबीसों घंटे के समाचार चैनलों वाले इस युग में किसी शब्द को 'कार्रवाई से निकाल दिये जाने' का कोई खास मतलब रह नहीं जाता. अब संसद के दोनों सदनों की कार्रवाई 'लाइव' दिखाई जाती है. जब जो शब्द वहां बोला जाता है, सारी दुनिया तत्काल देख-सुन सकती है. ऐसे में किसी शब्द को रिकॉर्ड में न रखे जाने से क्या फर्क पड़ता है? फर्क तो तब पड़ेगा जब बोलने वाले को यह अहसास हो कि वह कुछ अनुचित तो नहीं बोल रहा. जैसे मीडिया के लिए यह कहा जाता है कि वह अपनी मर्यादा स्वयं निर्धारित करे, वैसे ही सांसदों और विधायकों से भी यह उम्मीद की जाती है कि वे बोलने से पहले अपने शब्दों को तोल लिया करें. वैसे, अपेक्षा तो हर व्यक्ति से यह की जाती है कि वह तोल कर बोले, पर जनतांत्रिक व्यवस्था में इस बारे में भी हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों का आचरण बाकियों के लिए आदर्श होना चाहिए. पर, सदन में जिस तरह का अप्रिय व्यवहार अक्सर दिख जाता है, उससे यह शंका होनी स्वाभाविक है कि हमारे नेता अपने बोले गये के प्रति कोई सावधानी बरतने के लिए सजग भी हैं अथवा नहीं? यह कहना तो गलत होगा कि हमारे प्रतिनिधि हमेशा आपत्तिजनक व्यवहार करते हैं, लेकिन सही यह भी है कि कई बार सदनों में संवादहीनता की स्थिति सीमाएं लांघ जाती है. इन सीमाओं का सम्मान होना चाहिए. संसद सड़क नहीं है. यूं तो सड़क पर भी व्यक्ति के व्यवहार की सीमाएं होती हैं, पर सदन के भीतर जो कुछ होता है वह आम नागरिक के लिए आदर्श व्यवहार का एक उदाहरण होना चाहिए. संसद के सदनों में, या विधानसभाओं में, जो कहा जाता है, जो किया जाता है, वह उच्चतम स्तर का होना चाहिए. सदन में होने वाली बहस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, शालीन होनी चाहिए. आज सवाल 'चाहिए' और 'है' के बीच के अंतर को समझने का है. सदन के भीतर हमारे प्रतिनिधि जो कहते हैं जिस तरह की शब्दावली काम में लेते हैं, उसके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती. यह पीठासीन अधिकारी के विवेक पर निर्भर करता है कि वह किस शब्द को असंसदीय माने और उसे सदन की कार्रवाई से हटाने का निर्णय ले. असंसदीय मानी जाने वाली शब्दावली भी पीठासीन अधिकारी के विवेक का ही परिणाम होती है. इस संदर्भ में अक्सर विवाद होता है. अक्सर सांसद या विधायक अपने कहे को अनुचित मानने को लेकर आपत्ति करते हैं. जुमलाजीवी या बालबुद्धि या विनाश पुरुष जैसे शब्दों पर प्रतिबंध को लेकर भी विवाद सामने आये हैं. अक्सर विपक्ष के सदस्यों की शिकायत यह रहती है कि शब्दों को असंसदीय घोषित करके बोलने के उनके अधिकार का हनन किया जाता है, एक तरह से उनका गला घोंटा जाता है. तकनीकी दृष्टि से देखा जाये तो स्पीकर का कहना सही लगता है, लेकिन सदस्य द्वारा बोले गये किसी शब्द को सदन की कार्रवाई से हटाए जाने का मतलब प्रतिबंध से कम भी नहीं है. सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष का एक-दूसरे के व्यवहार को अनुचित ठहराना स्वाभाविक माना जा सकता है, पर जब विपक्ष को यह लगता है कि वह सारे शब्द कार्रवाई के विवरण से हटा दिये गये हैं जो सरकार की वास्तविकता को सामने लाते हैं तो 'असंसदीय शब्दों' को हटाने की परिपाटी पर सवाल तो उठता है. लेकिन सवाल माननीय सदस्यों के व्यवहार का भी है. निर्वाचित प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा करना कतई ग़लत नहीं है कि वे मर्यादित आचरण का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे और सही यह भी है कि सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष, दोनों, मर्यादा लांघते दिख जाते हैं. बोलने में चूक हो सकती है, पर ज़रूरी है ऐसी चूक को तत्काल सुधारने का प्रयास हो. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> जैसे मीडिया के लिए यह कहा जाता है कि वह अपनी मर्यादा स्वयं निर्धारित करे, वैसे ही सांसदों और विधायकों से भी यह उम्मीद की जाती है कि वे बोलने से पहले अपने शब्दों को तोल लिया करें. वैसे, अपेक्षा तो हर व्यक्ति से यह की जाती है कि वह तोल कर बोले, पर जनतांत्रिक व्यवस्था में इस बारे में भी हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों का आचरण बाकियों के लिए आदर्श होना चाहिए.

भाजपा को भी वैचारिक पुनर्गठन की जरूरत

• सियासत

अरुण श्रीवास्तव

करोड़ों भारतीयों का सपना है कि उनका देश जल्द ही सशक्त हो जायेगा और तेज़ कनेक्टिविटी, अधिक नौकरियां, बेहतर शिक्षा और जीवन की बेहतर गुणवत्ता होगी, लेकिन ऐसा संभव लगता नहीं है, क्योंकि सत्तारूढ़ भाजपा रास्ता भटक रही है, उसका मुखिया पार्टी कार्यकर्ताओं की आकांक्षाओं से जुड़ने में असमर्थ है और वह संगठनात्मक चुनौतियों को समझने में अप्रभावी साबित हो रहा है. 1980 में भारतीय जनता पार्टी की शुरुआत के बाद, संस्थापक नेताओं ने दावा किया था कि एक अलग पार्टी का जन्म हुआ है. लेकिन उस समय वे एक बात भूल गये थे कि यह किस तरह से अलग है? क्या यह मात्रात्मक या गुणात्मक अंतर था? इसमें कोई संदेह नहीं कि इसका पुराना संस्करण जनसंघ सांप्रदायिक था, लेकिन इसका नवीनतम संस्करण भाजपा न केवल सांप्रदायिक बल्कि फासीवादी भी है. पहली बार यह लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा में प्रकट हुआ, जिसने सांप्रदायिक भावना को भड़काया और पूरे देश में हिंसा को भड़काया. चौंकाने वाली बात यह है कि नरेंद्र मोदी के निरंकुश शासन में भारतीयों ने सांप्रदायिकता और नफरत की राजनीति का सबसे बुरा रूप देखा. सुशासन देने और विकास के गुजरात मॉडल को लागू करने के नाम पर मोदी ने न केवल देश की धर्मनिरपेक्ष और उदार छवि को धूमिल किया, बल्कि भाजपा को महत्वहीन और गैर-कार्यात्मक बना दिया. उन्होंने 'पार्टी विद डिफरेंस' के टैग को मिटा दिया. आज भारत को बदलने की क्षमता का धुंधलापन खत्म हो गया. भाजपा ने अपनी जड़ें खो दीं, लेकिन वह मोदी के 'भारत के लिए दृष्टिकोण की एक विकृत अवधारणा का मुकाबला करने में बुरी तरह विफल रही. भाजपा ने अपना संगठनात्मक चरित्र खो दिया और मोदी के विचारों को प्रदर्शित करने वाले दीवार-पोस्टर में बदल गई, जिससे पार्टी को अस्तित्व के सबसे बुरे संकट का सामना करना पड़ा. लगभग सभी वरिष्ठ नेताओं को मार्गदर्शक खेमे में डाल दिये जाने के बाद पार्टी को दिशा देने वाला कोई वरिष्ठ नेता नहीं बचा. संगठनात्मक ढांचा पहले से ही चरमरा चुका है. ऐसे में नेताओं के लिए इसे पुनर्जीवित करना और दिशा देना वाकई मुश्किल काम है. मोदी के दस साल के शासन में पार्टी कार्यकर्ताओं का पतन हुआ है. लगभग सभी सांप्रदायिक दंगे और हिंसा में आरएसएस की मौजूदगी थी. लेकिन मोदी राज में हुई लिंचिंग जैसी घटनाएं आरएसएस की मदद करने से कहीं ज़्यादा मोदी के हित में थीं, ताकि उन्हें हिंदू हृदय सम्राट के रूप में पेश किया जा सके. मोदी के चुनावी जादू को खोने के बाद, भाजपा को खुद को फिर से तलाशना होगा और अपनी प्रासंगिकता वापस हासिल करनी होगी. मोदी ने अपने बयानबाजी के ज़रिये जो लोकलुभावनवाद किया, उसमें पांच-टी शामिल थे-टैलेंट, ट्रेड, ट्रेडिशन, टूरिज़्म और टेक्नालॉजी. भाजपा के सामने संगठनात्मक चुनौतियां बहुत हैं. बचे हुए नेतृत्व को समाधान के लिए मोदी की ओर देखने के बजाय अपनी रणनीति और तंत्र पर काम करना चाहिए. अगर भाजपा वाकई राजनीतिक क्षेत्र में अपनी जगह बनाये रखना चाहती है तो उसे प्रशासन का ऐसा इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहिए, जिसमें समाज के सबसे कमज़ोर तबके की भी देश के विकास में बराबर की हिस्सेदारी हो. सब कुछ इसी एक विचार से शुरू होता है और आगे बढ़ता है. 2022 में ही भाजपा ने पार्टी संगठन का पुनर्गठन शुरू कर दिया था. पार्टी में महत्वपूर्ण पदों पर नये चेहरे लाये थे, जो 2024 के लोकसभा चुनावों पर नज़र रखते हुए किया गया था. लेकिन ये बदलाव नतीजे देने में विफल रहे, क्योंकि मोदी ने बदलावों को दरकिनार कर दिया और इसके कामकाज को निर्देशित करना जारी रखा. पार्टी तंत्र में सुधार की सख्त ज़रूरत है.जिस तरह से मोदी अपने शिष्य जेपी नड्डा को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जारी रखने का इरादा रखते हैं, उससे निस्संदेह पार्टी के हितों को नुकसान होगा. एक नया अध्यक्ष नये विचारों और कार्यक्रमों के साथ आयेगा जो अंततः पार्टी की मदद करेगा.लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार ने इसे दिशाहीन बना दिया है. पार्टी ने गतिशीलता और उद्देश्य खो दिया है और यह पिछले महीने ही हुए विधानसभा उपचुनावों में पार्टी की हार से स्पष्ट हुआ. लगभग सभी राज्यों में पार्टी इकाइयां अव्यवस्थित हैं. गुटबाजी चरम पर है. यह उस पार्टी के लिए कुछ असामान्य बात है जो अनुशासन की अवधारणा पर दृढ़ता से विश्वास करती है. यह रेखांकित करता है कि पार्टी पहले से ही राज्य स्तर पर भी मोदी-केंद्रित संगठन बन गई है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> भाजपा ने अपनी जड़ें खो दीं, लेकिन वह मोदी के 'भारत के लिए दृष्टिकोण की एक विकृत अवधारणा का मुकाबला करने में बुरी तरह विफल रही. भाजपा ने अपना संगठनात्मक चरित्र खो दिया और मोदी के विचारों को प्रदर्शित करने वाले दीवार–पोस्टर में बदल गई, जिससे पार्टी को अस्तित्व के सबसे बुरे संकट का सामना करना पड़ा.

मीडिया में अन्यत्र

मतों की चोरी : वेनेजुएला का राष्ट्रपति चुनाव

निकोलस मादुरो की देखरेख में, वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था एक दशक से भी कम वक्त में 80 फीसदी सिकुड़ गई. लगभग 7.8 मिलियन वेनेजुएलावासी आर्थिक कठिनाइयों के चलते पलायन कर गए. अगर 2013 में, जिस साल ह्यूगो चावेज़ की मौत हुई और मादुरो राष्ट्रपति बने, घोर गरीबी 11 फीसदी थी, तो अब यह 53 फीसदी है. जबकि संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, घरेलू गरीबी बेहद ज्यादा, 82 फीसदी है. तेल के मामले में धनी यह देश हाल के सालों में कई सरकार विरोधी प्रदर्शनों का गवाह रहा. इन प्रदर्शनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई. बीते 28 जुलाई को हुए राष्ट्रपति चुनाव से पहले, जनमत सर्वेक्षणों से पता चला कि मुख्य विपक्षी उम्मीदवार एडमंडो गोंजालेज को राष्ट्रपति के खिलाफ 20 अंकों की बढ़त हासिल थी. लेकिन आधिकारिक नतीजों के मुताबिक, इनमें से किसी भी बात का चुनाव में मायने नहीं रहा. वेनेजुएला के चुनाव प्राधिकरण ने बताया कि मादुरो को 51 फीसदी मत मिले, जबकि गोंजालेज को 44 फीसदी मत हासिल हुए. श्री मादुरो अब अपने शासन को छह और सालों के लिए बढ़ा सकते हैं. लेकिन विपक्ष ने मतों की गिनती में व्यापक अनियमितताओं की सूचना दी है और राष्ट्रपति तथा राजकीय संस्थानों में बैठे उनके सहयोगियों पर मतों की चोरी का आरोप लगाया है. विपक्ष के मुताबिक, उसके मतों के आंकड़ों से पता चलता है कि गोंजालेज को मादुरो के 3.2 मिलियन मतों के मुकाबले लगभग 7.1 मिलियन मत हासिल हुए. आधिकारिक नतीजों के एलान के बाद मादुरो-विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए. और सरकार को अभी विस्तृत मतदाता आंकड़ा जारी करना बाकी है. मादुरो आर्थिक संकट के लिए अकेले जिम्मेदार नहीं हैं. एक पूर्व टैंक कमांडर रहे चावेज़ चुनावों के रास्ते सत्ता में आए और उन्होंने उदार आर्थिक रूढ़िवाद को खारिज करके एक नया कल्याणकारी राज्य बनाया, जो तेल से हासिल होने वाले राजस्व द्वारा वित्त पोषित था. अपने पूर्ववर्ती जैसा करिश्मा से महरूम मादुरो जब सत्ता में आए, उस वक्त तक तेल की गिरती कीमतों के चलते वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को गहरा झटका लग चुका था. तेल उद्योग पर ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों ने अर्थव्यवस्था को पतन के कगार पर पहुंचा दिया. मादुरो की प्रतिक्रिया सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने की थी. जब वेनेजुएला अत्यधिक मुद्रास्फीति की मार और आवश्यक वस्तुओं व दवाओं की कमी से जूझ रहा था, तब उनका शासन बिल्कुल लाचार नजर आया. चुनावों से पहले, सरकार ने स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान का वादा किया था. लेकिन चुनाव अभियान शुरू होने से पहले ही, विपक्ष की सबसे लोकप्रिय उम्मीदवार मारिया कोरिना मचाडो को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उत्साह/उमंग/उल्लास

कोई भी काम हो, अगर उत्साह से किया जाये तो उसका परिणाम अच्छा ही होता है. मानव जीवन में उत्साह का बहुत ही महत्व है, इसलिए उत्साह को समझना बहुत जरूरी है. हिंदी शब्दसागर के अनुसार उत्साह संस्कृत से आया तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है वह प्रसन्नता, जो किसी आनेवाले सुख को सोच कर होती है और मनुष्य को कार्य में प्रवृत्त करती है, उमंग, उछाह, जोश, हौसला, साहस, हिम्मत. यानी उत्साह का एक अर्थ उमंग भी है. उत्साह एक उच्च ऊर्जा स्तर का भाव है, जो हमारे अंदर सक्रिय होता है. यह एक अधिक सक्रिय भावना होती है जो हमें कुछ बात को लेकर उत्सुक बनाती है. उत्साह हमें कुछ नया करने की प्रेरणा देता है और हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है. दूसरी ओर, उमंग एक सुखद भावना है, जो हमें कुछ चीज को प्राप्त करने के लिए उत्तेजित करती है. उमंग वह भावना होती है जो हमें खुशी देती है और हमें चीजों को प्राप्त करने में मदद करती है. उमंग हमें सफलता का एहसास दिलाती है, जो हमें नए काम में लगने के लिए प्रेरित करता है. उत्साह एक सक्रिय भावना है, जो हमें कुछ नया करने की प्रेरणा देती है, जबकि उमंग एक सुखद भावना है जो हमें खुशी देती है और हमें चीजों को प्राप्त करने में मदद करती है. उत्साह और उमंग दोनों ही भावनाएं हैं और व्यक्ति के आंतरिक स्थिति को दर्शाती हैं, लेकिन ये दोनों में थोड़ा सा अंतर होता है. उत्साह और उमंग दोनों ही जीवनशैली के महत्वपूर्ण भावनात्मक अंग हैं, लेकिन इनमें थोड़ा सा अंतर होता है. उत्साह विशेष रूप से किसी उद्यम, कार्यक्रम, या लक्ष्य के प्रति जोश और उत्कर्ष की भावना है, जबकि उमंग अधिक खुशी, संतोष, और आनंद के प्रति प्रेरणा देता है. उत्साह जिसके पीछे उद्दीपक कारण होते हैं, वहीं उमंग आनंदमयी और खुशीपूर्ण भावनाओं का उत्पन्न करने में मदद करता है.

हर ओर पानी, जलजमाव के सुंदर दृश्य

• तीर-तुक्का

यशवन्त कोठारी

हे प्राणप्यारी, सुमुखी, मयूर-पंखिनी, कमल लोचनी, सुनयने,सखि, तुम कहां हो. देखो, बाहर सम्पूर्ण आर्यावर्त में कैसा हाहाकार मचा है. कभी ब्रज में ऐसी विनाश लीला हुई थी और भगवान कृष्ण ने गोवर्धन को ऊपर उठाकर सम्पूर्ण ब्रज की रक्षा की थी. देख सखि, आज देख, देवराज (दिनेश) इन्द्र ने कैसा कहर बरपा दिया है. हर ओर पानी.....पानी और पानी. सर्वत्र जल-प्लावन का सुन्दर दृश्य उपस्थित है, तुम भी अपनी आंखों से यह महान घटना देख लो. देख सखि, बाहर देख, खिड़की के बाहर झांक. हर शहर पानीदार हो गया है. कैसी तेज मूसलाधार बारिश हो रही है. वृक्ष टूट-टूट कर जमीन पर गिर गये हैं और सड़कों पर राज्य परिवहन निगम की बसों के बजाय नावें चल रही हैं. प्रेस वाले फोटो उतार रहे हैं. हेलिकॉप्टरों से रोटियां और बासी आलू की सब्जी गिर रही है. लगता है वास्तव में ही बाढ़ आ गई है. जल का राज आ गया है, और हम सभी इस भंवर में डूब जायेंगे. सखि, देर मत कर और इस अलौकिक चमत्कार को किसी आधुनिक भगवान का चमत्कार समझ कर नमस्कार कर. बाढ़ ने क्या-क्या नहीं किया. जिले, गांव, शहर और मोहल्ले तबाह हो गये. पुल ढह गये, पुलियाएं बह गयीं और हमारे निर्माण विभाग वाले हैं कि रेत की बोरियां और फर्जी मस्ट्रोल लेकर दौड़े फिर रहे हैं. चीफ साब आ रहे हैं और एक्सइन साब जा रहे हैं. रेत में सीमेन्ट या सीमेन्ट में रेत, कोई फर्क नहीं पड़ता. तो देख, उस ओर एक अफ्सर पत्नी अपनी सरकारी कार में, अपनी कान्वेट पढ़ी पच्चीस वर्षीया बेबी को बाढ़ दिखा रही है. यू सी बेबी, इट इज फ्लड. और बेबी कह रही है, ममी, हाऊ लवली. रियली फनी. मम्मी, ऐसी सुन्दर बाढ़ रोज क्यों नहीं आती. आओ हम पिकनिक मनाएं....और उधर देख, वहां बाढ़ पीड़ित जवानी अपनी अस्मत का सौदा कर रही है, ताकि पेट भरे और घर में चूल्हा जले. इंजीनियरों, स्वयंसेवकों, नेताओं, सरकारी अफसरों, चोरों, गिरहकटों और उठाईगिरों के लिए तो बाढ स्वर्ण अवसर है. वे तो इसे दीवाली की तरह मना रहे हैं. मरणासन्न लोगों के हाथ पांव के आभूषण उतारना, कपड़े उतारना बाढ़ में बह गए कपड़ों, सामानों को अपने घर में भर लेने का नया कर्मकाण्ड शुरू हो गया है. हे सखि, हर तरफ यही मनोरम दृश्य दिखाई दे रहा है. जम्बू द्वीप में तो बाढ़ ही बाढ़ है. अब तुम ही सोचो, यदि कोई गांव समुद्री टापू हो गया है तो इसमें सरकार क्या करे. सरकार सड़क ठीक होने का इंतजार करती हैं और ठीक होते ही अफसर अपने अमलों के साथ गांव का दौरा करते हैं. पटवारी हाजरी भरते हैं, हुक्का, चिलम भरते हैं. दौरा खत्म होता है. बाढ़ का पानी भी उतर जाता है, और सरकार किसी नई बाढ़ का इन्तजार करने लगती है. बाढ़ के समय मानव मात्र का चरित्र बदल जाता है. मनुष्य-मनुष्य का भक्षण कर लेता है. गिद्ध और कौवों की तरह मनुष्य को खाता हैं. सखि, यह सब देखकर मेरी आत्मा ग्लानि से भर गई है, और अब नहीं लिखा जाता. सखि रे, भगवान को पुकार कि इस बाढ़ से देश को बचाएं. -तुम्हारी सखि.

स्टाइल और कंफर्टेबल राइडिंग
क्रॉसओवर

मौजूदा समय में ऑटोमोबाइल बाजार में विकल्पों की अधिकता इतनी अधिक है कि कई बार हम समझ नहीं पाते कि कौन सी गाड़ी हमारे लिए सबसे बढ़िया रहेगी. अगर रफ्तार के प्रेमी हैं तो कूपे, कंवर्टिबल और क्रॉसओवर गाड़ियों की शब्दावली भी लुभाती होगी. खासकर क्रॉसओवर कारों की चर्चा हाल के दिनों में बढ़ गई है. दरअसल एमजी मोटर इंडिया द्वारा आगामी विंडसर ईवी लॉन्च की घोषणा की गई है जो क्रॉसओवर कार है. इससे पहले मारुति और टोयोटा जैसी कंपनियां क्रॉसओवर पेश कर चुकी हैं मसलन मारुति सुजूकी एस-क्रॉस, वोल्वो एस60, हॉन्डा डब्ल्यू आर-वी आदि. क्रॉसओवर कारें अपने अनूठे डिजाइन, बड़े स्पेस और बेहतरीन राइडिंग एक्सपीरियंस के लिए जानी जाती हैं. हालांकि इनकी कीमत भी अन्य कारों से अधिक होती है. आइए, आज हम क्रॉसओवर कारों की खासियत से हों रू-ब-रू

बेशुमार फीचर

भारत समेत दुनियाभर में लॉन्च होने वालीं क्रॉसओवर कारों में कई तरह के आधुनिक फीचर्स मिल जाते हैं. इनमें बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, रियर व्यू कैमरा, पार्किंग सेंसर, एबीएस, ईबीडी, 360 डिग्री कैमरा, हेड-अप डिस्प्ले और मल्टीपल एयरबैग्स समेत काफी सारे और भी स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स मिल जाते हैं.

स्टाइलिश लुक

क्रॉसओवर कारों के डिजाइन आकर्षक और स्टाइलिश होते हैं. इनमें एसयूवी जैसी ऊंची बिल्ड और हैचबैक कार जैसी स्पोर्टी लुक होती है. यह डिजाइन उन्हें सड़क पर एक अलग पहचान देता है.

शानदार ड्राइविंग व हैंडलिंग अनुभव

चाहे गांव-कस्बे की कच्ची सड़के हों या पहाड़ी-पठारी इलाके की उबड़-खाबड़ रास्ते, क्रॉसओवर कारें कंफर्टेबल ड्राइविंग का मजा देती हैं. इनकी सस्पेंशन सिस्टम को इस तरह से डिजाइन किया जाता है कि वे छोटे-मोटे गड्ढों और खड्डों को आसानी से पार कर सकें. साथ ही इनकी हैंडलिंग भी काफी अच्छी होती है, जिससे आप उन्हें आसानी से चला सकते हैं.

बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस

अगर आप अक्सर शहर से बाहर जाते हैं तो क्रॉसओवर कारों आपके लिए बेहतर विकल्प है. दरअसल इन कारों की ग्राउंड क्लीयरेंस काफी अच्छी होती है, जिससे आप उन्हें आसानी से उबड़-खाबड़ रास्तों पर चला सकते हैं. यह फीचर खासकर उन लोगों के लिए काफी लाभकारी है, जो अक्सर शहर से बाहर जाते हैं.

ज्यादा स्पेस

सीट कैपेसिटी और बूट स्पेस के लिहाज से भी क्रॉसओवर कारें अन्य कारों से बेहतर हैं. इसमें केबिन स्पेस इतनी बड़ी होती हैं कि 5 लोग आसानी से बैठ सकते हैं. इसके अलावा इनमें काफी बड़ा बूट स्पेस भी होता है, जिसमें आप काफी सारे सामान आसानी से रख सकते हैं.

आ रही है एमजी ईवी विंडसर क्रॉसओवर

एमजी की ईवी विंडसर जल्दी ही भारत की सड़कों पर दौड़ती नजर आएगी. यह इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर होगी, जो कि लुक-फीचर्स और रेंज के मामले में काफी अच्छी होगी. उम्मीद की जा रही है कि 20 लाख रुपये तक की प्राइस रेंज में लॉन्च हो सकती है.

लुक और फीचर्स भी अच्छे

लुक और डिजाइन की बात करें तो एमजी विंडसर ईवी करीब 4.3 मीटर लंबी होगी और इसका व्हीलबेस 2,700 एमएम होगा. सड़क पर यह अलग ही पहचान में आएगी क्योंकि देखने में यह भारत में बिकने वालीं कारों के मुकाबले कुछ अलग और खास होगी. इस 5 सीटर इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर की खूबियों की बात करें तो इसमें बड़ा फ्लोटिंग टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस चार्जर, वेंटिलेटेड सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ, 360 डिग्री कैमरा और अडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम समेत काफी सारे और भी स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स मिलेंगे.

बैटरी-रेंज

अब तक की प्राप्त जानकारी के अनुसार एमजी विंडसर ईवी क्रॉसओवर में दो तरह के बैटरी पैक विकल्प देखने को मिल सकते हैं, जिनमें 37.9 किलोवाट बैटरी पैक की सिंगल चार्ज रेंज 360 किलोमीटर तक की और 50.6 किलोवॉट बैटरी पैक वाले वेरिएंट की सिंगल चार्ज रेंज 460 किलोमीटर तक की होगी. एमजी विंडसर ईवी को फ्रंट माउंटेड परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर से 134 एचपी के करीब पावर मिल सकता है.

लग्जरी कारों की नई शब्दावली

लग्जरी सेग्मेंट में कूपे, कंवर्टिबल और क्रॉसओवर, ये तीनों कारें आती हैं. आइए ऑटोमोबाइल की इस नई शब्दावली से परिचित हों-

कूपे

इन कारों में मुख्य रूप से दो दरवाजे दिए जाते हैं. आमतौर पर ढलान वाली छत के साथ आती हैं. दो सीटों वाली ये कारें स्पोर्टी लुक में होती हैं. केबिन और बूट स्पेस अन्य कारों से बहुत कम होता है. इन दिनों कुछ कंपनियां अपनी 4 डोर वाली कारों को भी कूपे नाम से मार्केट में लाने लगी हैं. जगुआर एफ टाइप, निसान जीटी-आर, फोर्ड मस्टंग आदि प्रमुख उदाहरण हैं.

कंवर्टिबल

भारत जैसे तीखे धूप वाले देश में इन कारों का चलन कम है. जहां धूप कम निकलती हैं, वहां इन खुली कारों का लुत्फ लोग उठाते हैं. इन कारों में छत और बिना छत के साथ चलाने का विकल्प होता है. इच्छानुसार जब चाहें खुली छत वाली और जरुरत पड़ने पर बंद कार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं. लैम्बोर्गिनी अवेंटाडोर, फेरारी कैलिफोर्निया और मर्सिडीज बेंज सी क्लास आदि प्रमुख कंवर्टिबल कारें हैं.

क्रॉसओवर

क्रॉसओवर कारें दरअसल अपने नाम के अनुरुप हैचबैक और एसयूवी का मिश्रण होती हैं और दो दो कैटेगरी वाली खूबियों के साथ आती हैं. सॉफ्ट राइडिंग कंफर्टख अधिक स्पेस और बेहतर डिजाइन इनकी खासियत हैं. मारुति सुजूकी एस क्रॉस ओवर, वोल्वो एस 69 और हॉन्डा डब्ल्यू आर-वी पहले से ही क्रॉसओवर कारें हैं और अब एमजी ने भी क्रॉसओवर ईवी विंडसर को भारतीय बाजार में लॉन्च करने की घोषणा की है.

गजेट्स रिव्यू : रेडमी पैड प्रो फाइव जी

कॉम्पैक्ट डिजाइन शानदार परफॉर्मेंस

हाल ही रेडमी का नया पैड रेडमी पैड प्रो फाइव जी मार्केट में आया है. प्रोफेशनल वर्क के लिए इसे बेहतर विकल्प बताया जा रहा है. आइए, इसके कुछ फीचर्स के बारे में जानकारी हासिल करें-

- **डिजाइन**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी मैटेलिक बॉडी डिजाइन में आती है. ग्रेफाइट ग्रे और क्विक सिल्वर, इन दो कलर ऑप्शन इसके आते हैं. बैक पैनल पर इस पैड का कैमरा सेटअप दिया गया है. उपयोग कर्ताओं का कहना है कि इसके वेट और ग्रिप का अनुभव शानदार है. कॉम्पैक्ट डिजाइन के कारण इसे कैरी करना काफी आसान है.

- **डिस्प्ले**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी का डिस्प्ले 12.1 इंच का है, जो 120 हट्र्ज रिफ्रेश रेट के साथ आता है. इसमें गोरिल्ला ग्लास 3 प्रोटेक्शन दी जाती है. डिस्प्ले के मामले में उपयोगकर्ताओं का कहना है कि आउटडोर में डिस्प्ले अच्छी नजर नहीं आती है और कहीं-कहीं पर कलर्स के साथ भी परेशानी होती है. रेडमी के इस पैड में डॉल्बी एटमॉस विजन का सपोर्ट भी दिया जाता है.

- **परफॉर्मेंस**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी में स्नैपड्रैगन 7एस जेन 2 चिपसेट दिया गया है. यह शिओमी हाइपर ओएस के साथ आता है जो एंड्रॉयड 14 बेस्ड है. इसमें स्प्लिट विंडो और फ्लोटिंग विंडो का ऑप्शन भी दिया जाता है. इसमें 5 जी सपोर्ट मिलता है और आप सिम का यूज भी कर सकते हैं. स्पीड अच्छी है.

- **स्मार्ट पेन और कीबोर्ड**

इस पैड के पेन और कीबोर्ड की डिजाइन कॉम्पैक्ट और शानदार है. हालांकि कुछ उपयोगकर्ता कीबोर्ड के थोड़े भारी होने की शिकायत भी करते हैं. टाइप सी चार्जिंग पोर्ट की मदद से दोनों असेसरीज को चार्ज किया जा सकता है.

- **कीमत**

रेडमी पैड प्रो फाइव जी की शुरुआती कीमत 21,498 रुपए है. स्मार्ट पेन के साथ लेने पर 25,497 रुपए की कीमत आएगी. वहीं, पेन और कीबोर्ड के साथ पैड लेने पर 27,997 रुपए खर्च करने होंगे.

हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल

प्रदूषण और फॉसिल फ्यूल से राहत दिलाएंगी ये बाइक

प्रदूषण एक ग्लोबल समस्या बन गई है. वाहनों के धुएं से होने वाले प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर, सांस संबंधी बीमारी आदि का कारण बन रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों को अपनी चपेट में ले रहे हैं. वहीं फॉसिल फ्यूल की सीमित उपलब्धता एक गंभीर चिंता का विषय है. इन समस्याओं से निजात के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक और इंजीनियर लगातार शोध कर रहे हैं और नए-नए विकल्पों पर काम कर रहे हैं. ऐसी ही एक विकल्प है हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल. आइए, आज इसी की करें चर्चा...

पिछले दिनों भारत में सीएनजी से चलने वाली मोटरसाइकल बजाज फ्रीडम 125 लॉन्च हुई. यह टू व्हीलर में ट्रेडिशनल फॉसिल फ्यूल यानी पेट्रोल के बेहतर विकल्प के तौर पर सामने आने के कारण आकर्षण का केंद्र बना. फिर इसी साल मोबिलिटी एक्सपो में जॉय ई-बाइक की ओर से हाइड्रोजन पावर्ड स्कूटर को प्रदर्शित किया गया. जैसा कि नाम से जाहिर है, यह पानी से चलने वाला टू-व्हीलर है. हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल प्रदूषण व सीमित फॉसिल फ्यूल की वजह से आने वाले दिनों में आवाजाही का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती हैं. बेशक इस तकनीक को अपनाने से पहले कई चुनौतियों का सामना करना होगा और इसी दिशा में दुनिया भर के वैज्ञानिक और इंजीनियर काम कर रहे हैं. इन प्रयासों के कारण ही उम्मीद जाहिर की जा रही है कि आने वाले समय में हम सड़कों पर हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकल्स को देख पाएंगे.

कैसे चलती हैं ये मोटरसाइकिल?

हाइड्रोजन मोटरसाइकिल में पेट्रोल या डीजल इंजन वाली मोटरसाइकल से अलग हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स होती हैं. जब हाइड्रोजन और ऑक्सीजन इन कोशिकाओं में मिलते हैं तो एक रासायनिक प्रतिक्रिया होती है और इसकी वजह से बिजली पैदा होती है. यह बिजली मोटर को चलाती है और मोटरसाइकल को स्पीड देती है. इस प्रक्रिया में केवल पानी निकलता है, जिससे यह एक प्रदूषण मुक्त विकल्प बन जाता है.

यह है सिस्टम

हाइड्रोजन फ्यूल सेल्स दो मुख्य भाग होते हैं, पहला एनोड और दूसरा कैथोड. हाइड्रोजन गैस एनोड में प्रवेश करती है और इलेक्ट्रॉन्स को छोड़ती है. इलेक्ट्रॉन एक बाहरी सर्किट के माध्यम से कैथोड तक पहुंचते हैं, जहां वे ऑक्सीजन के साथ मिलकर पानी बनाते हैं. इलेक्ट्रॉन्स का यह प्रवाह इलेक्ट्रिक फ्लो पैदा करता है, जिससे मोटर चलता है.

पर्यावरण के लिए हितकर

पर्यावरण के लिए हाइड्रोजन से चलने वाली मोटरसाइकिल वरदान की तरह हैं क्योंकि ये हानिकारक धुएं नहीं बल्कि केवल पानी का उत्सर्जन करती हैं. हाइड्रोजन फ्यूल सेल बहुत ही शक्तिशाली होती हैं और वे पेट्रोल इंजन की तुलना में ज्यादा एनर्जी पैदा करती हैं और बहुत तेजी से रफ्तार पकड़ सकती हैं.

ये हैं चुनौतियां

हाइड्रोजन का उत्पादन महंगी प्रक्रिया हो सकती है. साथ ही हाइड्रोजन को स्टोर करना मुश्किल होता है, क्योंकि यह एक बहुत ही हल्का और ज्यादा प्रतिक्रिय श ील एलिमेंट है. इसके अलावा जहां झारखंड जैसे स्टेट में आज के दौर में ईवी व्हीकल्स को चार्ज करने के स्टेशन कम हैं, वहीं हाइड्रोजन फ्यूल रीफीलिंग स्टेशन बहुत दूर की बात लगती है.

चैटजीपीटी के चर्चे अब नौकरी खाने वाले के रूप में भी खूब हो रही है. इंजीनियर, लेखक, एकाउंटेंट, टीचर... सब बनने को तैयार है चैट जीपीटी. पर तमाम कोशिशों के बाद भी अभी डॉक्टर नहीं बन सकता. जी हां, प्लस वन द्वारा कराए गए एक सर्वे में खुलासा हुआ है कि चैट जीपीटी लक्षण पहचानने में अभी अनाड़ी है और इससे इलाज कराना नीम हकीम खतरे जान वाला मामला हो सकता है.

चैट जीपीटी से इलाज यानी...
नीम हकीम खतरे जान

प्लस वन की रिपोर्ट के मुताबिक, चैट जीपीटी लैंग्वेज मॉडल के रूप में धाक जमा चुका है लेकिन मेडिकल संबंधित सवालों के जवाब के लिए फिसड्डी है. रिसर्चर ने मेडस्केप क्लीनिकल चैलेंजेस के इस्तेमाल से पेशेंट की कंडिशन का सिनेरियो पेश किया. इन केस में मल्टीपल हेल्थ संबंधित समस्या को दिखाया गया. इसमें वे देखना चाहते थे कि क्या चैट जीपीटी आसानी से बीमारी को डाइग्नोस कर सकता है और उससे संबंधित इलाज की सलाह दे सकता है. रिसर्चर ने चैट जीपीटी पर 150 क्लीनिकल चैलेंजेस पर टेस्ट किया है, जो अगस्त 2021 के बाद पब्लिश किए गए हैं. हर एक केस में मरीज की हिस्ट्री, इलाज और टेस्ट की जानकारी थी और रिसर्चर चैटजीपीटी से मिले परिणामों की तुलना अपनी इन रिपोट्र्स से करना चाहते थे.

- **रिसर्च के रिजल्ट से क्या हुआ खुलासा**

चैटजीपीटी ने 49 पर्सेंट केस में सही जवाब दिए. जब इन जवाब की तुलना मेडस्केप यूजर्स के रिस्पोंस किया, तो चैटजीपीटी ने करीब 61 पर्सेंट जवाब समय पर दिए. स्टडी में पाया कि चैटजीपीटी ने करीब 74 पर्सेंट एक्युरेसी हासिल की है, जिसके साथ 49पर्सेंट में क्लियर जवाब दिए हैं. इसने गलत जवाब को तो अलग किया, लेकिन इलाज के दौरान के इस पर भरोसा कम किया गया है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

मनु भाकर होंगी समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक

एजेंसी।पेरिस

पेरिस ओलंपिक खेलों में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाली निशानेबाज मनु भाकर रविवार को यहां होने वाले समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी. मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीत कर पेरिस ओलंपिक में भारत का खाता खोला था. इस तरह से वह ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बनी थी. इसके बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल में मिश्रित टीम का कांस्य पदक भी जीता.

भारतीय ओलंपिक संघ के एक अधिकारी ने कहा, मनु को ध्वजवाहक के रूप में चुना गया है. उन्होंने बेजोड़ प्रदर्शन किया और वह इसकी हकदार हैं. हरियाणा की इस 22 वर्षीय निशानेबाज ने इससे पहले कहा था कि भारत का ध्वजवाहक बनना सम्मान की बात होगी. मनु ने कहा था, भारतीय दल में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अधिक हकदार हैं लेकिन अगर मुझे ऐसा करने के लिए कहा जाता है तो यह वास्तविक सम्मान होगा. भारतीय ओलंपिक संघ ने अभी तक पुरुष ध्वजवाहक के नाम की घोषणा नहीं की है.

मनु ने रचा था इतिहास

मनु एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारत की पहली एथलीट हैं. वहीं, मनु ओलंपिक में भारत की ओर से सबसे सफल एथलीट में से भी एक हैं. मनु के अलावा अब तक किसी भारतीय एथलीट ने एक ओलंपिक में दो पदक नहीं जीते हैं. सुशील कुमार और शटलर पीवी सिंधू के नाम दो-दो पदक हैं, लेकिन ये अलग-अलग ओलंपिक में आए हैं. सुशील ने 2008 बीजिंग (कांस्य) और 2012 लंदन (रजत) ओलंपिक में दो पदक जीते थे, जबकि सिंधू ने 2016 रियो (रजत) और 2020 टोक्यो ओलंपिक (कांस्य) में दो पदक जीते थे. मनु ने सभी को पीछे छोड़ते हुए इतिहास रच दिया था. इसी के साथ

वह एक ओलंपिक में दो या इससे ज्यादा पदक जीतने वाले एथलीट्स की लिस्ट में भी शामिल हो गई थीं.

वह इसकी हकदार हैं

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अधिकारी ने कहा, ''हां, मनु को ध्वजवाहक के रूप में चुना गया है. उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था और वह इसकी हकदार हैं.'' हरियाणा की 22 वर्षीय निशानेबाज ने इससे पहले कहा था कि भारत का ध्वजवाहक बनना सम्मान की बात की है. मनु के अलावा भारत को स्वप्निल कुसाले ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक दिलाया था. आईओए ने अभी तक पुरुष ध्वजवाहक की घोषणा नहीं की है, लेकिन माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इसकी घोषणा भी कर दी जाएगी.

नीरज चोपड़ा के पेरिस में चमकने का इंतजार

एजेंसी।पेरिस

- आज क्वालीफिकेशन दौर में उतरेंगे
- फाइनल आठ अगस्त को खेला जायेगा

भारतीय एथलेटिक्स के लिये कई कीर्तिमान रच चुके नीरज चोपड़ा अपने दूसरे ओलंपिक में एक बार फिर अपने भाले से इतिहास रचना चाहेंगे चूंकि 140 करोड़ भारतीयों को उनसे एक बार फिर पीले तमगे की उम्मीद है .उनकी अप्रतिम निरंतरता की एक बार फिर परीक्षा होगी क्योंकि पूरे सत्र में वह जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में (एडक्टर) परेशानी से जूझते आये हैं . वह मंगलवार को क्वालीफिकेशन दौर में उतरेंगे और फाइनल आठ अगस्त को खेला जायेगा . चोपड़ा अगर स्वर्ण जीतते हैं तो ओलंपिक के इतिहास में खिताब बरकरार रखने वाले पांचवें खिलाड़ी हो जायेंगे . इसके साथ ही ओलंपिक व्यक्तिगत वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय भी बनेंगे . ओलंपिक की पुरूष भालाफेंक स्पर्धा में अभी तक एरिक लेमिंग (स्वीडन 1908 और 1912), जोन्नी माइरा (फिनलैंड 1920 और 1924), चोपड़ा के आदर्श जान जेलेंजी (चेक गणराज्य 1992 और 1996) और आंद्रियास टी (नॉर्वे 2004 और 2008) की ओलंपिक में भालाफेंक स्पर्धा में खिताब बरकरार रख सके हैं . इस साल चोपड़ा ने सिर्फ तीन स्पर्धाओ में भाग लिया लेकिन उनके बाकी प्रतिस्पर्धी भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं . दोहा डायमंड लीग में मई में चोपड़ा ने 88 . 36 मीटर का थ्रो फेंका . वहीं एडक्टर में असहजता के कारण 28 मई को ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक में एहतियात के तौर पर भाग नहीं लिया . उन्होंने जून में फिनलैंड में पावो नुरमी खेलों में 85 . 97 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण के साथ वापसी की . इसके बाद सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भाग नहीं लिया . उनके कोच ने फिटनेस को लेकर चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि अब उनके एडक्टर में कोई परेशानी नहीं है और वह कड़ा अभ्यास कर रहे हैं .तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर और पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स उन्हें फिर चुनौती देंगे . भारत के किशोर जेना भी दौड़ में हैं जिन्होंने पिछले साल एशियाई खेलों में 87 . 54 मीटर का थ्रो फेंककर क्वालीफाई किया था लेकिन उसके बाद से 80 मीटर तक भी नहीं पहुंच पाये हैं .

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	21	17	13	51
2. अमेरिका	19	27	26	72
3. फ्रांस	12	14	18	44
4. ऑस्ट्रेलिया	12	11	8	31
5. ब्रिटेन	10	12	16	38
6. द. कोरिया	11	08	07	26
7. जापान	10	5	11	26
8. इटली	08	10	06	26
9. नीदरलैंड	6	5	4	15
10. जर्मनी	6	5	2	13
54. भारत	0	0	3	3

ब्रीफ खबरें

सीन नदी में तैरने के बाद बीमार पड़ी खिलाड़ी

पेरिस। बेल्जियम की एक खिलाड़ी सीन नदी में तैरने के बाद बीमार पड़ गई जिस कारण उसकी टीम पेरिस ओलंपिक खेलों की मिश्रित रिले ट्रायथलॉन से हट गई. बेल्जियम ओलंपिक समिति ने बयान में कहा कि बुधवार को महिला ट्रायथलॉन में भाग लेने वाली उसकी खिलाड़ी क्लेयर मिशेल दुर्भाग्य से बीमार पड़ गई है जिसके कारण उनकी टीम को मिश्रित रिले ट्रायथलॉन से हटना होगा.पेरिस ओलंपिक खेलों के आयोजकों ने मिशेल की बीमारी को लेकर तत्काल कोई बयान जारी नहीं किया लेकिन कहा कि यह प्रतियोगिता पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी. बेल्जियम की ओलंपिक समिति ने भी उनकी बीमारी के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी.सीन नदी के पानी की गुणवत्ता पर शुरू से ही चिंता व्यक्त की जा रही है. इस कारण पहले ट्रायथलॉन के अभ्यास सत्र रद्द करने पड़े थे.

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प का निधन

लंदन। इंग्लैंड और सरे के पूर्व बल्लेबाज ग्राहम थोर्प का निधन हो गया है. वह 55 वर्ष के थे. इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने यह जानकारी दी.इंग्लैंड की तरफ से 1993 से 2005 तक 100 टेस्ट मैच खेलने वाले थोर्प 2022 में गंभीर रूप से बीमार हो गए थे लेकिन उनकी चिकित्सा स्थिति का विवरण ज्ञात नहीं है. इस बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में 44.66 की औसत से रन बनाए जिसमें 16 शतक भी शामिल हैं.ईसीबी ने बयान में कहा,''ईसीबी बहुत दुख के साथ यह खबर साझा कर रहा है कि ग्राहम थोर्प का निधन हो गया है.'ईसीबी ने हालांकि उनके निधन का कारण नहीं बताया. इस बल्लेबाज ने सरे के लिए काउंटी क्रिकेट खेला और टीम के लिए करीब 20,000 रन बनाए.

स्वर्ण से दो जीत दूर भारतीय हॉकी टीम देना चाहती है श्रीजेश को यादगार विदाई

जर्मनी के खिलाफ भारतीय टीम आज दिखाएगी दम

एजेंसी।पेरिस

ओलंपिक में 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतने की राह पर भारतीय हॉकी टीम के सामने मंगलवार को सेमीफाइनल में विश्व चैम्पियन जर्मनी की चुनौती होगी और इस बाधा को पार करके टीम संकटमोचक पीआर श्रीजेश को शानदार विदाई देने के अपने मिशन की अगला कदम रखेगी. ब्रिटेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में दस खिलाड़ियों तक सिमटने के बावजूद भारतीय टीम ने जिस साहस और कौशल का प्रदर्शन करके मुकाबला पेनाल्टी शूटआउट तक खिंचा, वह काबिले तारीफ है.

तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक मैच में जर्मनी की पेनाल्टी बचा कर भारत को 41 साल बाद पदक दिलाने वाले नायक श्रीजेश एक बार फिर जीत के सूत्रधार बने. उन्होंने शूटआउट में ब्रिटेन के दो शॉट बचाये और इससे पहले निर्धारित समय के भीतर भी ब्रिटेन ने 28 बार भारतीय गोल पर हमला बोला और दस पेनाल्टी कॉर्नर बनाये, लेकिन महज एक सफलता मिली.36 वर्ष के श्रीजेश का यह आखिरी टूर्नामेंट है और उन्हें स्वर्ण पदक के साथ विदा करने का मिशन भारतीय टीम के लिये अतिरिक्त प्रेरणा बना है. भारत ने आठ ओलंपिक स्वर्ण में से आखिरी 1980 में मॉस्को में जीता था और अब पेरिस में उसके पास 44 साल बाद इतिहास रचने का मौका है. सेमीफाइनल जीतने पर भारत का रजत तो पक्का हो जाएगा जो आखिरी बार उसने 1960 में रोम में जीता था. ब्रिटेन के खिलाफ भारत ने करीब 40 मिनट दस खिलाड़ियों के साथ खेला क्योंकि अमित रोहिदास को रेडकार्ड दिखाया गया था. अब सेमीफाइनल में भी भारत को अपने नंबर एक फर्स्ट रशर के बिना ही खेलना होगा जिन पर एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया है. हॉकी इंडिया ने हालांकि इसके खिलाफ अपील की है. रोहिदास की गैर मौजूदगी भारत को पेनाल्टी कॉर्नर में भी खलेगी क्योंकि कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बाद वह भारत के ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ हैं.

अमित रोहिदास पर एक मैच का प्रतिबंध, सेमीफाइनल मैच से बाहर

- हॉकी इंडिया की अपील खारिज

पेरिस । भारतीय हॉकी टीम के प्रमुख डिफेंडर अमित रोहिदास जर्मनी के खिलाफ मंगलवार को होने वाले सेमीफाइनल मैच में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि उन पर लगाए गए एक मैच के निलंबन के खिलाफ दायर की गई हॉकी इंडिया की अपील को इस खेल की विश्व संस्था एफआईएच ने खारिज कर दिया. रोहिदास को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ रविवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान रेड कार्ड मिला था जिसके कारण एफआईएच ने उन्हें एक मैच के लिए निलंबित कर दिया था. इसका मतलब है कि इस महत्वपूर्ण मैच के लिए भारत के केवल 15 खिलाड़ी ही उपलब्ध रहेंगे जो आठ बार के ओलंपिक चैंपियन के लिए करारा झटका है.अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने आधिकारिक बयान ने कहा,'भारत और ग्रेट ब्रिटेन के बीच चार अगस्त को खेले गए मैच के दौरान अमित रोहिदास को एफआईएच आचार संहिता के उल्लंघन के लिए एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया था.'बयान के अनुसार, 'निलंबन का असर मैच नंबर 35 (जर्मनी के खिलाफ भारत का सेमीफाइनल मैच) पर पड़ेगा, जिसमें अमित रोहिदास भाग नहीं लेंगे और भारत केवल 15 खिलाड़ियों की टीम के साथ खेलेगा.'हॉकी इंडिया ने रोहिदास के निलंबन के खिलाफ अपील दर्ज की थी लेकिन एफआईएच की जूरी बेंच ने उसे नामंजूर कर दिया.

अल्काराज ने कहा-

दबाव में हारा ओलंपिक फाइनल

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने ओलंपिक खेलों की टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष एकल के फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने के बाद कहा कि उन्होंने खुद पर अपने देश की तरफ से खेलने का दबाव बना दिया था. जोकोविच ने अल्काराज को 7-6 (3), 7-6 (2) से हराकर अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता. इससे अल्काराज का सबसे कम उम्र में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने का सपना भी टूट गया. वह रफेल नडाल की बराबरी करने से भी चूक गए, जिन्होंने 2008 में अपने पहले प्रयास में ही स्वर्ण पदक जीता था. 21 वर्षीय अल्काराज ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने खुद पर अधिक दबाव बना दिया था क्योंकि मैं स्पेन और स्पेनिश लोगों के लिए खेल रहा था.

किरण 400 मीटर हीट में सातवें स्थान पर रही

- सेमीफाइनल में जगह के लिए रेपेचेज में लेंगी हिस्सा

एजेंसी।पेरिस

भारत की किरण पहल सोमवार को पेरिस ओलंपिक की अपनी हीट रेस में सातवें स्थान पर रहने के बाद महिलाओं की 400 मीटर में स्वतः सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं. अब वह रेपेचेज दौर में दौड़ेंगी.अपना 24वां जन्मदिन मना रही किरण ने 52.51 सेकेंड का समय लिया जो उनके सत्र के 50.92 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ से काफी कम था.डोमिनिका की विश्व चैंपियन मारिलिडी पॉलिनो ने 49.42 सेकेंड के समय के साथ हीट जीती, उसके बाद अमेरिका की आलिया बटलर (50.52) और ऑस्ट्रिया की सुजैन गोगल-वाल्ली (50.67) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं. छह हीटों में से प्रत्येक में शीर्ष तीन ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की जबकि डीएनएस (रेस शुरू नहीं करने वाले) डीएनएफ (रेस खत्म नहीं करने वाले) और डीक्यू (अयोग्य) को छोड़कर अन्य सभी मंगलवार को होने वाले रेपेचेज दौर में भाग लेंगे. किरण ने जून में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 50.92 सेकंड का समय निकालकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया था. इस ओलंपिक खेल में बाधा दौड़ स्पर्धाओं सहित 200 मीटर से 1500 मीटर तक की सभी व्यक्तिगत ट्रैक स्पर्धाओं में रेपेचेज राउंड शुरू किया जाएगा.

नौकायन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की मांग

एजेंसी।पेरिस

पेरिस ओलंपिक में पुरूषों की एकल स्कल स्पर्धा में 23वें स्थान पर रहे भारतीय नौकायन खिलाड़ी बलराज पंवार ने देश में नौकायन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धायें बढाने की मांग की है ताकि भविष्य में भारत का प्रदर्शन बेहतर हो सके. पेरिस ओलंपिक में एकमात्र भारतीय नौकायन खिलाड़ी पंवार रेपेचेज के जरिये क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे और फिर ग्रुप सी और डी में सेमीफाइनल खेलकर 23वें स्थान पर रहे . पंवार ने इंडिया हाउस में पीटीआई से कहा ,' हमें नौकायन में बुनियादी ढांचा मजबूत करना होगा . जूनियर स्तर पर अधिक खिलाड़ियों को प्रशिक्षण

देना होगा और उस स्तर पर प्रतिस्पर्धायें भी बढानी होगी .' उन्होंने कहा ,' हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीन चार क्लबों की जरूरत है और जूनियर स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धायें चाहिये .' ओलंपिक में अपने प्रदर्शन पर उन्होंने कहा ,' मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा . हमारे राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में फाइनल तक तीन रेस होती है लेकिन यहां पांच रेस थी और मैने सभी में अच्छा किया. भविष्य में यह अनुभव मेरे काम आयेगा.'

महेश्वरी और नरूका स्कीट मिश्रित टीम अब कांस्य के लिए खेलेंगी

शेटराउ। भारतीय निशानेबाजों महेश्वरी चौहान और अनंत जीत सिंह नरूका ने पेरिस ओलंपिक स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा के कांस्य पदक के मुकाबले के लिये क्वालीफाई कर लिया. भारतीय जोड़ी ने क्वालीफिकेशन में 146 स्कोर किया. अब कांस्य पदक के लिये उनका मुकाबला चीन से होगा . भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन के पहले चरण के बाद 49 अंक लेकर संयुक्त दूसरे स्थान पर थी . पहले दौर में नरूका ने 25 में से 25 और महेश्वरी ने 24 अंक बनाये . दूसरे दौर में महेश्वरी ने 25 अंक बनाये लेकिन नरूका दूसरी और पांचवीं सीरिज में चूककर 23 अंक ही बना सके . तीसरे दौर में महेश्वरी ने 25 और नरूका ने 24 अंक बनाये .

मनिका की अगुआई में रोमानिया को 3-2 से हराया

टेबल टेनिस:भारत महिला टीम क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी।पेरिस

स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा की अगुआई में भारत ने सोमवार को यहां पेरिस ओलंपिक की महिला टेबल टेनिस टीम स्पर्धा में अपने से ऊंची रैंकिंग वाले रोमानिया को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया.भारत 2-0 से आगे चल रहा था लेकिन रोमानिया ने वापसी करते हुए 2-2 से बराबरी हासिल कर ली लेकिन निर्णायक मैच में मनिका ने जीत दर्ज करने टीम को जीत दिला दी.श्रीजा अकुला और अर्चना कामथ ने युगल मैच में एडिना

डायकोनू और एलिजाबेटा समारा पर 11-9, 12-10, 11-7 से जीत दर्ज करके मुकाबले की शुरुआत की.मनिका ने अपने से बेहतर रैंकिंग वाली बर्नाडेट जोक्स को 11-5, 11-7, 11-7 से हराया जिससे भारत ने अपने चौथे वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 2-0 की बढ़त हासिल की. प्रतियोगिता में भारत को 11वीं वरीयता दी गई है.दूसरे एकल में पहला गेम जीतने के बाद श्रीजा यूरोपीय चैंपियन समारा से 2-3 (11-8 4-11 11-7 6-11 8-11) से हार गईं.श्रीजा की हार के बाद अर्चना और बर्नाडेट के बीच मुकाबला हुआ. बर्नाडेट ने पहला गेम 11-5 से जीत लिया लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा गेम 11-8 से जीतकर बराबरी हासिल कर ली. बर्नाडेट ने अगले दो गेम 11-7, 11-9 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया. इसके बाद मनिका ने एडिना को 3-0 (11-5, 11-9, 11-9) से हराकर भारत को अंतिम आठ में जगह दिलाई.क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला अमेरिका या जर्मनी से होगा.

टूर्नामेंट

भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने हार का ठीकरा पिच पर फोड़ा

पिच बहुत स्पिन ले रही थी, मैच किसी भी तरफ पलट सकता था: नायर

एजेंसी।कोलंबो

भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका से मिली अप्रत्याशित हार का ठीकरा पिच पर फोड़ते हुए कहा कि विकेट काफी स्पिन ले रहा था और ऐसे में मैच किसी भी तरफ पासा पलट सकता था. भारतीय बल्लेबाजों की स्पिन के खिलाफ कमजोरी खुलकर सामने आई जब उसे दूसरे वनडे में 32 रन से हार का सामना करना पड़ा. श्रीलंका की तरफ से लेग स्पिनर जेफरी वांडरसे ने छह विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजों को टिकने नहीं दिया.नायर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में

कहा, यह आश्चर्य जनक था लेकिन आप जानते हैं कि इस तरह की परिस्थितियों में मैच का पासा किसी भी तरह पलट सकता था क्योंकि पिच से बहुत अधिक स्पिन मिल रही थी. भारत के सामने 241 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी पूरी टीम 42.2 ओवर

खास बातें

- दूसरे वनडे में 32 रन से हार का सामना करना पड़ा
- कप्तान को छोड़ कर बाकी बल्लेबाज रन बनाने में विफल रहे

में 208 रन पर आउट हो गई. कप्तान रोहित शर्मा को छोड़ कर बाकी अन्य बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे. नायर ने कहा, अगर आप पहले मैच पर भी गौर करो तो नई गेंद से रन बनाना थोड़ा आसान था. गेंद के पुरानी पड़ जाने के बाद बल्लेबाजी करना आसान नहीं था विशेषकर जबकि आप बाद में बल्लेबाजी कर रहे हों. कुछ अवसरों पर मुश्किल परिस्थितियों में विशेष कर 50 ओवर के प्रारूप में ऐसा होता है. भारत के सहायक कोच ने कहा कि टीम प्रबंधन उन चीजों पर गौर करेगा जो अभी तक टीम के अनुकूल नहीं रही हैं. उन्होंने कहा, हमें उन चीजों पर गौर करना होगा जिन पर सुधार करने की जरूरत है. हमें इस पर विचार करना होगा कि लगातार दूसरे मैच में ऐसा क्यों हुआ. पहले मैच में हम कुछ हद तक साझेदारियां निभाने में सफल रहे थे लेकिन इस मैच में हमने लगातार विकेट गंवाए.

भारत ने अपने मध्यक्रम में बदलाव करके शिवम दुबे को चौथे नंबर पर जबकि श्रेयस अय्यर को छठे और केएल राहुल को सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा लेकिन यह तीनों नहीं चल पाए.

नायर ने कहा, मेरा मानना है कि खेल में बल्लेबाजी पोजीशन तभी मायने रखती है जब आप मैच के विभिन्न चरणों में खेल रहे हैं. हमने बीच के ओवरों में विकेट गंवाए और तब मध्यक्रम के बल्लेबाज बल्लेबाजी कर रहे होते हैं. मेरा मानना था कि ऐसा करना सही था और जब यह नहीं चल पाता है तो अक्सर सवाल उठाए जाते हैं. मेरा मानना है कि अगर मध्यक्रम का बल्लेबाज मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहा हो तो उसे देखते हुए यह फैसला सही था.

कई गर्भवती भी ओलंपिक में दिखा रही हैं दम खम

पेरिस। ओलंपिक में भाग ले रहे कई खिलाड़ी अपनी जीत और हार की खबरें इंस्टाग्राम पर साझा करते हैं लेकिन पिछले सप्ताह तलवारबाजी में भाग लेने वाली मिस्र की नाडा हाफिज ने कुछ और ही साझा किया.उन्होंने खुलासा किया कि वह अकेले तलवारबाजी नहीं कर रही थी, कोई और भी उनके साथ था. हाफिज सात महीने की गर्भवती है.हाफिज ने मैच के दौरान की अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'मंच पर आपको दो खिलाड़ी दिखाई दे रहे हैं लेकिन वह असल में तीन हैं. मैं, मेरी प्रतिद्वंदी और मेरा होने वाला बच्चा. प्रतियोगिता में 16वें स्थान पर रही जो तीन ओलंपिक खेलों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है.इसके एक दिन बाद अजरबेजान की तीरंदाज ने भी खुलासा किया कि वह साढ़े छह महीने की गर्भवती है.

विजेता की तरह खेलो और स्वर्ण तुम्हारा है : पाक हॉकी दिग्गज

एजेंसी।नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के प्रदर्शन से प्रभावित पाकिस्तान के महान सेंटर फॉरवर्ड हसन सरदार ने हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम को एक ही सलाह दी है ,'' विजेता की तरह खेलो और तुम्हें स्वर्ण जीतने से कोई नहीं रोक सकता .' लॉस एंजिलिस ओलंपिक 1984 में पाकिस्तान को स्वर्ण पदक दिलाने में सूत्रधार रहे सरदार ने कराची से भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,' जब हॉकी या क्रिकेट में पाकिस्तान नहीं खेल रहा होता है तो मैं हमेशा भारत का समर्थन करता हूं . यह भारत की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से है जिसमें काफी सुधार आया है और जो

यूरोपीय टीमों को कड़ी टक्कर दे रही है .' उन्होंने कहा ,' इस टीम के पास 1980 के बाद ओलंपिक हॉकी में पहला स्वर्ण जीतने का सुनहरा मौका है और मुझे लगता है कि वे जीतेंगे .'उन्होंने कहा ,' आस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके प्रदर्शन से मैं काफी प्रभावित हुआ . भारतीय टीम अच्छी है और उसे दिमाग में यह बिठाकर खेलना है कि हम जीत सकते हैं . इस स्तर पर मानसिक तैयारी का ही फर्क होता है .'

ब्रीफ खबरें

अंतर्राज्यीय चोर धराए, 34 मोबाइल बरामद

पूर्वी चंपारण । जिले के बंजरिया थाना पुलिस ने बीती देर रात चेकिंग के दौरान खढवा पुल के समीप राष्ट्रीय उच्च पथ 28 पर चोरी के 34 मोबाइल एवं एक लैपटॉप के साथ एक अंतर्राज्यीय शातिर चोर को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने इसके पास से छह मोबाइल सिम भी बरामद किया है. पकड़ा गया चोर आदापुर थाना क्षेत्र का निजामुल हक बताया गया है. सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए एएसपी शिखर चौधरी ने बताया कि पकड़ा गया. फिलहाल बंजरिया थाना में मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

2530 नेपाली शराब के साथ दो गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । एसएसबी 71वीं वाहिनी के अठमोहान पोस्ट के जवानों ने गुप्त सूचना के आधार पर गश्ती के दौरान सोमवार की सुबह पिलर संख्या 359/4 के समीप कोइरगांवा गांव के निकट से 2530 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब के साथ दो बाइक और दो साईकल के साथ दो तस्कर को पकड़ा है.वही अन्य तस्कर अंधेरा का फायदा उठा कर भागने मे सफल रहे. पकड़े गये तस्कर की पहचान जितना थाना क्षेत्र के अगरवा गांव निवासी कृष्णनंदन कुमार पिता बृजबिहारी राय,विजय कुमार पिता ओमप्रकाश के रूप में किया गया जिसे गिरफ्तार कर जितना पुलिस को सौंप दिया गया.

आईपीएस काम्या मिश्रा ने इस्तीफा दिया

पटना । राज्य की चर्चित आईपीएस अधिकारी काम्या मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. वह पिछले दिनों पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के बाद बनाई गई एसआईटी की प्रमुख भी रहीं और इस केस के खुलासे में अहम भूमिका निभाती हुई दिखी थीं. पूर्व मंत्री के पिता की हत्या के बाद भी आईपीएस काम्या मिश्रा का नाम चर्चा में था. उन्हें ही इस बड़े केस को सॉल्व करने की जिम्मेवारी मिली थी. उन्होंने जल्द ही इस केस को सॉल्व भी कर दिया. लेडी सिंघम के नाम से मशहूर काम्या मिश्रा मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली हैं. 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उन्होंने 98 प्रतिशत अंक लाया था.

जन्दाहा रोड के सुल्तानपुर गांव में हुई घटना, ग्रामीण बोले-लटका हुआ था हाईटेंशन तार

विभाग की लापरवाही से 9 की गई जान

संवाददाता । हाजीपुर

घटनास्थल पर पुलिस अधिकारी

वैशाली जन्दाहा रोड के सुल्तानपुर गांव में हाई टेंशन तार की चपेट में डीजे के आने से 9 कांवड़ियों की मौत हो गई है. कई झुलस गए, जिनका सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है. घटना रविवार रात 11:45 बजे की है, जहां डीजे ट्राली के बिजली के तार की चपेट में आने से घटना हुई. बताया जाता है कि डीजे अधिक ऊंचा था, इस वजह से बिजली का तार उसमें फंस गया. ग्रामीणों का दावा है कि बिजली का तार टूटकर लटक रहा था, जिस वजह से ये घटना हुई है. वहीं सवाल यह भी है कि इतने बड़े व ऊंचे डीजे ट्रॉली ले जाने की अनुमति कैसे दी गई, या बिना अनुमति के ही कांवड़िये डीजे ले जा रहे थे? सुल्तानपुर गांव से कांवड़िये जल लेने के लिए पहलेजा घाट निकले थे. पहलेजा घाट से जल लेकर सभी को बाबा हरिहरनाथ मंदिर में सोमवार की सुबह जलाभिषेक करना था. इससे पहले ही ये हादसा हो गया. घटनास्थल पर कांवड़ियों के चप्पल हैं जो जल चुके हैं. मौके पर जली हुई चीजें इधर-उधर बिखरी पड़ी है.

ग्रामीणों का कहना है कि बिजली के तारों को बदलने की जरूरत है. तार जगह-जगह लटक रहा है. ग्रामिणों ने बताया कि बिजली विभाग में हम लोगों ने कल घटना के समय लाइन काटने के लिए फोन किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया. आधा घंटा तक कांवड़िये झुलसते रहे. विभाग पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए. लटके हुए तार को ठीक करने के लिए कई बार हम लोग शिकायत कर चुके हैं, लेकिन हम लोगों की नहीं सुनी गई. गांव वालों का ये भी कहना है कि घर के सामने नीचे हाइट पर ट्रांसफॉर्मर लगा दिया गया है. जिससे पूरे गांव को बिजली सप्लाई होती है. इससे भी हादसों को आमंत्रित किया जा रहा है. वहीं, घटनास्थल पर तिरहुत रेंज के आईजी शिवदीप लांडे भी पुलिसकर्मियों के साथ पहुंचे हैं, हालात का जायजा ले रहे हैं. मृतक के परिवार वालों को प्रशासन ने 4, 4 लाख रुपये का चेक दिया है.

ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में एक की मौत,दूसरा गंभीर

पूर्वी चंपारण । जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के छपवा रक्सौल मुख्य मार्ग पर बड़हरवा गांव के समीप ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में बाइक सवार एक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया. मृतक और घायल दोनों मझौलिया थाना क्षेत्र के परसा डुमरिया के बताये गये है. घटना में बाइक चला रहे समशुल मियां की मौत घटना स्थल पर ही हो गई, जबकि घायल अजमुल्लाह का गंभीर स्थिति में इलाज चल रहा है.

कटिहार में हादसा, दो बाइक में टक्कर, 4 कांवड़ियों की मौत

कटिहार । कटिहार में सोमवार सुबह दो बाइक के बीच हुई टक्कर में चार कांवड़ियों की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि सुबह करीब 3 बजे मनिहारी थाना क्षेत्र के कुमारीपुर के पास यह घटना हुई है. दो बाइक से चार कांवड़िया मनिहारी गंगा घाट पर जल भरने जा रहे थे. इसी दौरान दोनों गाड़ियों के बीच में टक्कर हो गई. दो की मौके पर मौत हो गई जबकि दो लोगों ने इलाज के क्रम में दम तोड़ दिया. मृतकों में दो कटिहार जिले के उदामा रहिका और दो पूर्णिया जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं. मृतकों की पहचान सूरज कुमार और कृष्ण राम के रूप में की गई है. ये कटिहार के उदामा रहिका के रहने वाले थे. वहीं दो अन्य मृतकों को उनके साथी लेकर रवाना हो गए. ऐसे में उनकी पहचान नहीं हुई. हादसे के बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी. बता दें कि सिर्फ दो शवों का ही पोस्टमार्टम कटिहार में हुआ. दरअसल, हर साल सावन में कटिहार जिले और आसपास के कई जिलों के लोग गंगा से जल भरकर गोरखनाथ धाम एवं अन्य शिवालयों में अर्पित करने जाते हैं. इस तरह की घटना से हड़कंप मचा है. मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

अस्पताल में परिजन.

हथियार के बल पर बदमाशों ने 21 लाख रुपये लूट लिए

डीवीआर भी ले गए लुटेरे, इलाके में मची हड़कंप

संवाददाता । पटना

पटना में बेखौफ बदमाशों ने बैंक लूट की घटना को अंजाम दिया है. सोमवार सुबह पालीगंज अनुमंडल के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के कोरैया गांव स्थित पंजाब नेशनल बैंक में हथियार के बल पर बदमाश घुसे और कर्मचारियों को बंधक बनाकर करीब 21 लाख रुपये लूट लिए. बताया जाता है कि घटना को अंजाम देने के बाद हथियार लहराते हुए बदमाश बैंक से निकले और फरार हो गए. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. यह लूट 21 लाख रुपये की बताई जा रही है, हालांकि मिलान के बाद पता चल पाएगा कि कुल कितने रुपये की लूट हुई है.

तीन से चार के करीब थी संख्या : कहा जा रहा है कि लूटपाट करने वाले बदमाशों की संख्या तीन से चार थी. नकाब पहनकर वे लोग बैंक में सुबह करीब 10 से 10:30 बजे के बीच घुसे थे. मैनेजर के अनुसार लूटी गई कुल राशि 21 लाख है. बताया गया कि बदमाशों ने बैंक कर्मियों को एक कमरे में बंद कर दिया था. इस मामले में पटना पश्चिम के एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि करीब 21 लाख रुपये की लूट हुई है. लुटेरे डीवीआर को अपने साथ लेकर चले गए हैं. आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. उनके भागने के रास्ते की तरफ भी पता किया जा रहा है. डॉग स्क्वॉड की टीम बुलाई गई है. एफएसएल की टीम भी बुलाई गई है. जल्द से जल्द जो अपराधी हैं उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी.

तेजस्वी ने पत्नी संग मंदिर में की पूजा-अर्चना

पटना में तेजस्वी यादव पत्नी के साथ पहली बार मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए.

बीमा भारती के पति अवधेश मंडल ने कोर्ट में किया सरेंडर

पूर्णिया । पूर्णिया के चर्चित व्यवसाई गोपाल यादुका हत्याकांड मामले में पूर्व विधायक बीमा भारती के पति अवधेश मंडल ने सरेंडर कर दिया है. सोमवार को पूर्णिया सिविल कोर्ट स्थित मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) कोर्ट में सरेंडर किया है. कोर्ट ने अवधेश मंडल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. इस मामले में आरोपी पुत्र राजा अब भी फरार है. मामले में अवधेश मंडल के अधिवक्ता जय हिंद कुमार ने कहा कि गोपाल यादुका हत्याकांड में अवधेश मंडल को अप्राथमिक अभियुक्त बनाया गया है. इस मामले को लेकर अवधेश मंडल ने कोर्ट में सरेंडर किया और बेल पिटिशन फाइल किया.

किशनगंज से पूर्णिया जा रही बस में लगी आग

बस में करीब 25 यात्री सवार थे, सभी यात्री बाल-बाल बचे

संवाददाता । किशनगंज

सिलीगुड़ी से पूर्णिया जा रही समीर बस में अचानक आग लग गई. बस में करीब 25 यात्री सवार थे. बस जैसे ही खगड़ा ओवरब्रिज पर पहुंची गियर बॉक्स से अचानक धुआं निकलने लगा. धीरे-धीरे बस में आग लगने लगी. यात्रियों ने बताया कि खिड़कियों से कूदकर लोगों ने अपनी जान बचाई. बच्चों को भी खिड़कियों से बाहर निकाला गया.

मामला खगड़ा ओवरब्रिज एनएच-27 का है. हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. बस में आग की सूचना सदर थाने की पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई. आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक बस पूरी तरह से खाक हो चुकी थी. बस करीब 1 बजे सिलीगुड़ी से किशनगंज बस स्टैंड पर पहुंची थी. बस वातानुकूलित थी. किशनगंज बस स्टैंड से पूर्णिया के लिए खुली थी. गाड़ी में सफर कर रहे यात्रियों ने बताया कि ओवरब्रिज पर पहुंचते ही बस रुक गई. आगे किसी ने देखा कि धुआं निकल रहा है. ड्राइवर और खलासी कोई नहीं था. हमने अपनी जान बचाने के लिए सामने वाले को धक्का मारा. लोग जल्दी से उतरने की कोशिश में थे. कई लोग खिड़की से कूदे. बच्चों को भी खिड़की से निकाला गया. ड्राइवर ने बस एकदम साइड कर दी थी, इसलिए उतरने में भी परेशानी हुई. पीछे से धुआं निकलने लगा. बस में करीब 25 यात्री सवार थे और ये पूर्णिया जा रहे थे.

तालाब में डूबे तीन बच्चों के शव को निकाला गया

किशनगंज । जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत कुर्लीकोर्ट थाना क्षेत्र के हाजीबस्ती गांव में तालाब में डूबे तीन बच्चों के शव को सोमवार को निकाला गया. एक बच्चों का शव मिलने के बाद परिजनों की चीख को पुकार से इलाके में हाहाकार मच गया. घर के चिरागों को बुझते देख परिजन बिलख-बिलख कर रो रहे हैं. बीते रविवार को तीन बच्चों के तालाब में डूबने की खबर के बाद से दिनभर प्रशासन की टीम द्वारा खोजबीन जारी रही बावजूद इसके बीते दिन लापता बच्चों का कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन सोमवार सुबह पुलिस टीम, एसडीआरएफ की टीम, एसएसबी के सहयोग से तीनों बच्चों को मृत अवस्था में बाहर निकला गया.

धार में डूबने से एक की मौत

अररिया । फारबिसगंज प्रखंड के सैफगंज वार्ड संख्या सात के निवासी 45 वर्षीय दिलीप साह की धार में डूबने से मौत हो गई. दिलीप साह धार को पारकर खेत से वापस लौट रहा था. इसी क्रम में गहरे पानी में जाने के कारण उनकी मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलने के बाद सांसद प्रदीप कुमार सिंह के निर्देश पर भाजपा अति पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल मृतक के घर पहुंचे और पीड़ित परिजनों को सांत्वना दिया. भाजपा नेता दिलीप पटेल ने बताया कि घटना की जानकारी सांसद प्रदीप कुमार सिंह को दूरभाष पर दी गई.सत्र चलने के कारण सांसद दिल्ली में है. वह दिल्ली से आने के बाद मृतक के घर पहुंचेंगे. दिलीप ने सांत्वना देते हुए मिलने वाला अनुग्रह अनुदान राशि दिलाने का भरोसा दिलाया.

कारोबार

स्विगी ने कृष्णमूर्ति को सीओओ बनाया

नयी दिल्ली । वाणिज्य मंच स्विगी इंस्टामार्ट ने साईराम कृष्णमूर्ति को सीओओ नियुक्त किया है. कंपनी ने कहा, कृष्णमूर्ति स्विगी इंस्टामार्ट की परिचालन इकाइयों की देखरेख करेंगे. इसमें 'डार्क स्टोर' संचालन, बुनियादी ढांचा संचालन, विकास व विस्तार शामिल हैं. उनके पास दैनिक उपभोग की वस्तुओं, उपभोक्ता तकनीक और खुदरा क्षेत्र में 18 वर्षों से अधिक का अनुभव है. इससे पहले, कृष्णमूर्ति मोर रिटेल में सुपर मार्केट व्यवसाय के मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में सेवाएं दे चुके हैं.

ओएनजीसी त्रिपुरा में गैस उत्पादन बढ़ाएगी

अगरतला । ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने त्रिपुरा में गैस उत्पादन बढ़ाने के लिए कदम उठाए हैं. इसके पीछे मकसद पूर्वोत्तर राज्य के बिजली उत्पादक संयंत्रों को गैस उपलब्ध कराना है. यह निर्णय राज्य में विभिन्न गैस आधारित बिजली उत्पादन संयंत्रों को गैस आपूर्ति में कमी की खबरों के बीच लिया गया है. ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में त्रिपुरा में 1,52.7 करोड़ मानक घनमीटर गैस का उत्पादन किया, जबकि उसने चालू वित्त वर्ष में 1,67.5 करोड़ मानक घनमीटर गैस उत्पादन का लक्ष्य रखा है.

जापान का सूचकांक निक्की 12.4% लुढ़का

तोक्यो । जापान का शेयर सूचकांक निक्की-225 सोमवार को भारी बिकवाली के कारण 12 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया. अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नरमी के बीच यह गिरावट आई. सूचकांक निक्की 4,451.28 अंक गिरकर 31,458.42 अंक पर आ गया. इसमें शुक्रवार को 5.8% की गिरावट आई थी. पिछले दो कारोबारी सत्रों में 18.2% की गिरावट के साथ यह अभी तक की सबसे अधिक दो दिवसीय गिरावट दर्ज कर चुका है. निक्की में अक्टूबर 1987 में 3,836 अंक या 14.9% की गिरावट आई थी जिसे ब्लैक मंडे (काला सोमवार) करार दिया गया था. वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान अक्टूबर 2008 में इसमें 11.4% की गिरावट आई थी.

एशिया ज्वेल्स शो 2024

सोमवार को बेंगलुरु में एशिया ज्वेल्स शो 2024 से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक मॉडल प्राचीन आभूषण प्रदर्शित करती हुई.

अमेरिका की वो रिपोर्ट जिसने धड़ाम कर दिए दुनियाभर के शेयर मार्केट

एजेंसी । वाशिंगटन

आखिर दुनियाभर के शेयर मार्केट में इतनी बड़ी गिरावट की वजह क्या है? दरअसल, इसके लिए अमेरिका के नौकरियों के आंकड़ों को जिम्मेदार माना जा रहा है. शुक्रवार को अमेरिका ने नौकरियों पर डेटा जारी किया था. इसमें सामने आया था कि अमेरिका में बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है. इससे अमेरिका में मंदी की आशंका पैदा हो गई है. अमेरिका से आए इस नौकरियों के डेटा ने दुनियाभर में हलचल पैदा कर दी है. सवाल उठने लगा है कि क्या दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट में आने वाली है?

क्या कहता है यूएस का नौकरियों का डेटा

बीते शुक्रवार को अमेरिका के ब्यूरो ऑफ लेबर स्टेटिस्टिक्स ने नौकरियों पर डेटा जारी किया था. इसमें बताया था कि जुलाई में 1.14 लाख लोगों को ही नौकरियां मिलीं. जबकि, अब तक हर महीने औसतन 2.15 लाख नौकरियां मिलती थीं. इसमें बताया गया है कि जुलाई लगातार तीसरा महीना रहा, जब बेरोजगारी दर बढ़ी. जुलाई में बेरोजगारी दर 4.3% रही. जबकि, इससे पहले जून में 4.1% और मई में 4% थी. जुलाई में बेरोजगारी दर का आंकड़ा अक्टूबर 2021 के बाद सबसे ज्यादा रहा. आंकड़े बताते हैं कि पुरुषों में बेरोजगारी दर 4% और महिलाओं में 3.8% रही. सबसे ज्यादा बेरोजगारी दर ब्लैक और अफ्रीकी-अमेरिकियों में रही. ब्लैक और अफ्रीकी-अमेरिकियों में बेरोजगारी दर 6.3% रही, जबकि जुलाई 2023 में ये 5.7% थी.

इन आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

- जुलाई में बेरोजगारी दर 0.2% बढ़कर 4.3% हो गई. इस महीने 3.52 लाख लोग बेरोजगार हो गए. जुलाई तक कुल 72 लाख लोग बेरोजगार थे.
- बेरोजगारों में तकरीबन 11 लाख लोग ऐसे हैं, जिन्हें अस्थाई तौर पर नौकरी से निकाला गया है. यानी, इन्हें बाद में फिर से नौकरी पर रखा जा सकता है. जबकि, 17 लाख लोग ऐसे हैं जिन्हें कंपनियों ने स्थाई तौर पर नौकरी से निकाल दिया है.
- अमेरिका में लंबे वक्त से बेरोजगारों की संख्या भी सालभर में तीन लाख से ज्यादा बढ़ गई है. जुलाई तक अमेरिका में 15 लाख से ज्यादा लोग ऐसे थे, जो लंबे वक्त से बेरोजगार हैं. जबकि, एक साल पहले तक ऐसे बेरोजगारों की संख्या 12 लाख के आसपास थी.

मंदी की आशंका क्यों

अमेरिकी सरकार ने बेरोजगारी पर जुलाई के जो आंकड़े जारी किए हैं, उससे मंदी की आशंका पैदा हो गई है. अमेरिका में मंदी को लेकर एक नियम चलता है. ये नियम पूर्व अर्थशास्त्री क्लाउडिया सैम ने बनाया था. ये नियम कहता है कि अगर लगातार तीन महीने तक बेरोजगारी दर पिछले साल के निचले स्तर से आधे प्वॉइंट भी बढ़ जाती है तो मान लेना चाहिए कि मंदी आ गई है. आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में लगातार पांच महीने से बेरोजगारी दर बढ़ रही है. मार्च में बेरोजगारी दर 3.8% थी, जो जुलाई में बढ़कर 4.3% हो गई. इतना ही नहीं, अमेरिका में जुलाई में लगभग ढाई लाख लोगों को कंपनियों ने छंटनी में नौकरी से निकाल दिया. पिछले साल भी एपल, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने लगभग दो लाख छंटनियां की थीं.

भारत पर असर क्यों?

शुक्रवार को बेरोजगारी पर रिपोर्ट आने के बाद अमेरिकी शेयर मार्केट में भी गिरावट देखी गई थी. शुक्रवार को डाउ जोंस 600 प्वॉइंट गिर गया था. अब सोमवार को दुनियाभर में शेयर बाजारों में गिरावट देखी जा रही है. भारत में सोमवार को सेंसेक्स में दो हजार और निफ्टी 650 से ज्यादा प्वॉइंट की गिरावट देखी जा रही है. इसके लिए अमेरिका की जॉब पर रिपोर्ट को ही जिम्मेदार माना जा रहा है. वो इसलिए क्योंकि इस रिपोर्ट के कारण अमेरिका में मंदी की आशंका तेज हो गई है. इसका असर शेयर मार्केट में दिख रहा है. दरअसल, जब-जब अमेरिका में अर्थव्यवस्था के कमजोर होने का संकेत मिलता है, तब-तब निवेशक अपना पैसा निकालना शुरू कर देते हैं, जिस कारण शेयर मार्केट गिर जाता है.

इंडिगो के सह-संस्थापक राहुल भाटिया ने कहा- कंपनी यहां टिके रहने के लिए है

नयी दिल्ली । इंडिगो के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने सोमवार को कहा कि वह तथा इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज यहीं बने रहेंगे. उन्होंने कहा कि हालिया हिस्सेदारी बिक्री का उद्देश्य कारोबार और सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए धन जुटाना है. इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड ने जून में अपने 77.2 लाख शेयर बेचे, जो इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन की कुल शेयर पूंजी का करीब दो प्रतिशत था. इंडिगो उड़ान सेवा के 18 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में भाटिया ने कहा कि हिस्सेदारी को व्यवसाय तथा सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए धन जुटाने हेतु बेचा गया. भाटिया ने कहा, इंटरग्लोब और मैं यहां टिके रहने के लिए हैं.

वैश्विक बाजारों में गिरावट से सेंसेक्स, निफ्टी धड़ाम

निवेशकों को 15 लाख करोड़ रुपये की चपत

एजेंसी । मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को जोरदार गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 2,200 अंक से अधिक का गोता लगा गया. वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 662 अंक की बड़ी गिरावट आई. दुनिया के अन्य देशों के शेयर बाजारों में गिरावट के रुख के बीच बैंक, आईटी, धातु तथा तेल एवं गैस शेयरों में चौतरफा बिकवाली से बाजार नीचे आया. इस गिरावट से निवेशकों को एक दिन में 15 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है.

तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 2,222.55 अंक यानी 2.74 प्रतिशत लुढ़क कर एक महीने से अधिक के निचले स्तर 78,759.40 अंक पर बंद हुआ. बाजार में चार जून, 2024 के बाद एक दिन में यह सबसे बड़ी गिरावट है. उस दिन यह 2,686.09 अंक टूटकर 78,295.86 अंक पर बंद हुआ था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 662.10 अंक यानी 2.68 प्रतिशत का गोता लगाकर 24,055.60 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 824 अंक लुढ़क कर 23,893.70 अंक तक आ गया था. निफ्टी में भी चार जून के बाद यह एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है. उस दिन आम चुनाव के नतीजों के बाद बाजार में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी. सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई थी. इस प्रकार, पिछले दो कारोबारी सत्रों में दोनों मानक सूचकांकों में करीब चार प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है.

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सोमवार को घटकर 441.84 लाख करोड़ रुपये पर आ गया. निवेशकों को शुक्रवार को 4.46 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था. इस प्रकार, दो दिनों में उन्हें 19 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है. छोटी कंपनियों के शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 4.21 प्रतिशत तथा मझोली कंपनियों से संबद्ध मिडकैप 3.60 प्रतिशत नीचे आया.

रिपोर्ट जारी | द मिडिल इनकम ट्रैप रिपोर्ट के जरिये वर्ल्ड बैंक ने कहा है

भारत को तीन आई पर फोकस करना चाहिए

भाषा । नयी दिल्ली

वर्ल्ड बैंक रिपोर्ट

- ये तीन आई इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन व इन्फ्यूजन हैं
- भारत को मध्यम इनकम वाले देश की श्रेणी में रखा है

दुनिया में एक तरफ वो देश हैं, जो आर्थिक रूप से समृद्ध हैं. वो विकसित देश के रूप में जाने जाते हैं. उनका मुकाबला अपने स्तर के देश से है. वहीं दूसरी ओर वो देश हैं, जो खुद को आर्थिक रूप से समृद्ध कर विकसित देश की श्रेणी में शामिल होने की राह पर अग्रसर हैं. उसी में भारत भी है. जो पिछले कुछ सालों से अपने दम पर आर्थिक मोर्चे पर शीर्ष देशों में एक के बाद एक पायदान ऊपर चढ़ रहा है. वहीं इस पर वर्ल्ड बैंक की भी नजर है, जो रिपोर्ट जारी कर उन देशों को मार्गदर्शन करता है. इसी क्रम में वर्ल्ड बैंक ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें भारत के विकसित बनने के सफर के बारे में विस्तार से बताया गया है.

वर्ल्ड बैंक इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन समेत 108 देशों को हाई इनकम वाला देश बनने में कई साल लग सकते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक भारत को अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय का एक-चौथाई तक पहुंचने में ही 75 साल का समय लग सकता है. यह चीन और इंडोनेशिया के मुकाबले काफी ज्यादा है. रिपोर्ट के मुताबिक यहां तक पहुंचने में चीन को 10 साल और इंडोनेशिया को करीब 70 साल लगेंगे.

इस रिपोर्ट का नाम वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट 2024: द मिडिल इनकम ट्रैप है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इन देशों को 'मिडिल इनकम ट्रैप' से निकलने के लिए तीन आई (3आई) पर फोकस करना चाहिए. ये तीन आई इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और नई तकनीक में इन्फ्यूजन हैं.वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत और चीन समेत इन 108 देशों को मध्यम इनकम वाले देश की श्रेणी में रखा गया है. इन देशों की अभी प्रति व्यक्ति आय सालाना 1136 डॉलर (करीब 95 हजार रुपये) से 13845 डॉलर (करीब 11.60 लाख रुपये) के बीच है. रिपोर्ट में बताया गया है कि इन देशों को हाई इनकम वाले देश बनने में अभी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. 1990 के बाद से केवल 34 देश मध्यम इनकम से बाहर निकल पाए हैं. रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था के जाल से कैसे बाहर निकल सकता है और अमीर बन सकता है. इसमें बताया गया है कि भारत को विकसित देश बनने के लिए अगले 20 से 30 साल तक लगातार 7 फीसदी से10 फीसदी की दर से बढ़ने की जरूरत है. अगर भारत ऐसा करता है तो यह साल 2047 तक एक विकसित देश बन सकता है. उस समय देश की प्रति व्यक्ति आय 18000 डॉलर सालाना होगी. साथ ही अर्थव्यवस्था का आकार 30 ट्रिलियन डॉलर होगा. भारत की प्रति व्यक्ति आय 2370 डॉलर है. रिपोर्ट में कहा गया है कि हाई इनकम वाली अर्थव्यवस्था बनने की राह में पहले की तुलना में और भी कठिन चुनौतियां हैं.

ब्रीफ खबरें

ममता बनर्जी ने की शांति बनाये रखने की अपील

कोलकाता। पड़ोसी देश बांग्लादेश में जारी अशांति के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य के लोगों से शांति बनाए रखने और किसी उकसावे में न आने अपील की. बांग्लादेश के घटनाक्रम पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि इस विषय पर विदेश मंत्रालय ही कोई प्रतिक्रिया देगा. पश्चिम बंगाल विधानसभा परिसर में बनर्जी ने कहा, "मैं पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने और किसी भी उकसावे में नहीं आने की अपील करती हूं."

उद्धव आज से तीनदिनी दौरे पर दिल्ली पहुंचेंगे

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे मंगलवार से तीन दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंचेंगे और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं से मुलाकात करेंगे. पार्टी सांसद संजय राउत ने सोमवार को दिल्ली में पत्रकारों को बताया कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के बाद ठाकरे का यह राष्ट्रीय राजधानी का पहला दौरा होगा. राज्यसभा सदस्य ने कहा, 'यह संवाद यात्रा है. तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी के नेता उनसे मुलाकात करेंगे.

जम्मू कश्मीर में विस चुनाव सितंबर में होंगे

आरएस पुरा। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव सितंबर में होंगे. रेड्डी ने केंद्र शासित प्रदेश के लोगों से विकास की गति बनाए रखने और आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए भाजपा को वोट देने का आग्रह किया. उन्होंने कहा कि पांच साल पहले, पांच अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद से जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान और इसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लगा है.

परमाणु संपन्न 250 मिसाइल लॉन्चर सौंपे

सियोल। उत्तर कोरिया ने एक समारोह में अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैन्य इकाइयों को परमाणु सक्षम 250 मिसाइल लॉन्चर सौंपे. उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अमेरिका के संभावित खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी सेना के परमाणु कार्यक्रम के निरंतर विस्तार का आह्वान किया. उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि देश की युद्ध सामग्री संबंधी फैक्टरियों में इन मिसाइल लॉन्चर को 'सामरिक' रूप से महत्वपूर्ण बैलिस्टिक मिसाइलों को दागने के लिए बनाया गया है.

हिमाचल में बारिश के कारण 87 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कई दिनों से भारी बारिश के कारण अचानक आयी बाढ़ और भूस्खलनों के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में 87 सड़कें बंद कर दी गई हैं. आपात अभियान केंद्र ने सोमवार को यह जानकारी दी. यहां मौसम विज्ञान केंद्र ने बृहस्पतिवार तक राज्य के विभिन्न स्थानों में भारी बारिश के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है. हिमाचल प्रदेश में लगभग एक सप्ताह से भारी बारिश हो रही है. कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में 31 जुलाई को बादल फटने से अचानक आयी बाढ़ में 13 लोगों की मौत हो गयी और अन्य 40 लापता हैं.

बांग्लादेश में लगातार चौथी बार प्रधानमंत्री चुनी गईं हसीना को समर्थक 'आयरन लेडी', तो विरोधी बताते हैं 'तानाशाह'

शेख्र हसीना के 15 साल के राज का नाटकीय अंत

लगातार न्यूज नेटवर्क

बांग्लादेश में लगातार चौथी बार और कुल मिलाकर पांचवीं बार प्रधानमंत्री निर्वाचित हुईं शेख हसीना को उनके समर्थक हमेशा एक 'आयरन लेडी' के रूप में सराहते रहे हैं. लेकिन, अब उनके 15 साल के शासन का नाटकीय ढंग से अंत हो गया है. हसीना को एक समय सैन्य शासित बांग्लादेश को स्थिरता प्रदान करने के लिए जाना जाता है, लेकिन साथ ही उनके विरोधियों द्वारा उन्हें एक 'निरंकुश' नेता बताकर उनकी आलोचना भी की जाती है.बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख़ हसीना ने कई सप्ताह चले छात्रों के हिंसक प्रदर्शनों के राष्ट्रव्यापी अशांति में बदलने के बाद इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ दिया है. रिपोर्टों के मुताबिक़, 76 वर्षीय शेख़ हसीना सोमवार को हेलीकॉप्टर से बांग्लादेश छोड़कर भारत के लिए निकल गईं. इस बीच हज़ारों प्रदर्शनकारियों ने ढाका में उनके अधिकारिक आवास पर धावा बोल दिया. इसी के साथ बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं शेख़ हसीना के राज का भी अंत हो गया. कुल 20 साल तक शेख़ हसीना ने मज़बूत पकड़ के साथ बांग्लादेश पर शासन किया है. शेख़ हसीना को दक्षिण एशियाई देश बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति का श्रेय दिया जाता है लेकिन हाल के सालों में उन पर तानाशाही के आरोप भी लगे.

आर्मी चीफ वकार उज जमान

1947 में पैदा हुईं हसीना को विरासत में मिली राजनीति

1947 में पूर्वी बंगाल के एक मुसलमान परिवार में पैदा हुईं शेख़ हसीना को राजनीति विरासत में मिली. उनके पिता राष्ट्रवादी नेता शेख़ मुजीबुर्रहमान थे. वो बांग्लादेश के संस्थापक और राष्ट्रपिता थे, जिन्होंने 1971 में देश को पाकिस्तान से आज़ाद कराया और देश के पहले राष्ट्रपति भी बने. उस दौर में शेख़ हसीना स्वयं ढाका यूनिवर्सिटी में एक छात्र नेता के रूप में ख़ुद को स्थापित कर चुकी थीं. 1975 में सैन्य तख़्तापलट के दौरान, मुजीबुर्रहमान और उनके परिवार के अधिकतर लोगों को मार दिया गया था. सिर्फ़ शेख़ हसीना और उनकी छोटी बहन की जान बची थी क्योंकि उस समय वो विदेश यात्रा पर थीं. भारत में निर्वासित जीवन बिताने के बाद शेख़ हसीना 1981 में बांग्लादेश लौटीं और अपने पिता के राजनीतिक दल अवामी लीग की नेता बन गईं. जनरल हुसैन मुहम्मद इरशाद के सैन्य शासन के ख़िलाफ़ उन्होंने अन्य राजनीतिक दलों के साथ मिलकर सड़कों पर प्रदर्शन किया और लोकतंत्र की मांग की. देश में उठे विद्रोह ने तेज़ी से शेख़ हसीना को राष्ट्रीय आईकॉन बना दिया. वो सबसे पहले साल 1996 में चुनकर सत्ता तक पहुंचीं. उन्हें भारत के साथ जल-संधि करने और देश के दक्षिण पूर्वी इलाक़े में विद्रोहियों के साथ संधि करने का श्रेय जाता है. लेकिन इसी समय, उन पर कई सौदों में भ्रष्टाचार करने और भारत के अधिक प्रभाव में होने के आरोप भी लगे. आगे चलकर, वो साल 2001 में अपनी राजनीतिक सहयोगी से प्रतिद्वंदी बनी बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की बेगम ख़ालिदा ज़िया से चुनाव हार गईं. राजनीतिक परिवारों की वारिस, ये दोनों महिलाएं तीन दशकों तक बांग्लादेश की राजनीति पर हावी रहीं. इन्हें 'बैटलिंग बेगम' भी कहा जाता है. बेगम, उच्च परिवारों की मुसलमान महिलाओं को कहा जाता है. विश्लेषक मानते हैं कि इन दोनों महिला नेताओं की कड़वी राजनीतिक प्रतिद्वंदिता के नतीजे में बांग्लादेश में बसों में बम धमाके हुए, लोग अग़वा किए गए और ग़ैर-न्यायिक हत्याएं आम बात हो गईं.

किन विवादों में घिरी रहीं शेख़ हसीना

सत्ता संभालने के बाद से, शेख़ हसीना के सामने आया सबसे गंभीर संकट ताज़ा विरोध प्रदर्शन ही है. ये प्रदर्शन बेहद विवादित चुनाव नतीजों के बाद हुए हैं. विवादित आम चुनावों में लगातार चौथी बार उनकी पार्टी को चुन लिया गया था. इस्तीफ़ा देने की बढ़ती मांगों के बीच शेख़ हसीना डटी हुईं थीं. उन्होंने प्रदर्शनकारियों की 'आतंकवादी' कहकर आलोचना की. उन्होंने इन 'आतंकवादियों' से सख़्ती से निपटने के लिए समर्थन भी मांगा था. ढाका और देश के दूसरे हिस्सों में प्रदर्शन सरकारी नौकरियों में आरक्षण समाप्त करने की मांग से शुरू हुए थे लेकिन ये व्यापक सरकार विरोधी आंदोलन में बदल गए. कोविड महामारी के बाद से बांग्लादेश लगातार बढ़ती महंगाई और बढ़ते ख़र्चों से जूझ रहा है. महंगाई आसमान पर है, विदेशी मुद्रा भंडार गिर रहा है और 2016 के बाद से बांग्लादेश का विदेशी क़र्ज़ दोगुना हो चुका है. आलोचकों ने इसके लिए हसीना सरकार के प्रबंधन को ज़िम्मेदार ठहराया है और आरोप लगाये कि बड़े पैमाने पर हो रहे भ्रष्टाचार की वजह से बांग्लादेश की आर्थिक तरक्की का फ़ायदा सिर्फ़ उन लोगों को पहुंचा जो हसीना की अवामी लीग पार्टी के नज़दीक थे.

शेख़ हसीना ने की बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति

हसीना के शासन वाला बांग्लादेश एक विपरीत तस्वीर पेश करता है. एक समय दुनिया का सबसे ग़रीब देश रहा मुस्लिम बहुल बांग्लादेश, उनके नेतृत्व में 2009 के बाद से विश्वसनीय आर्थिक प्रगति हासिल कर चुका है. अब बांग्लादेश, इस क्षेत्र में सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, आर्थिक प्रगति के मामले में बांग्लादेश अपने विशाल पड़ोसी देश भारत से भी आगे निकल गया है. पिछले एक दशक के दौरान बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय तीन गुना बढ़ चुकी है. विश्व बैंक के मुताबिक़ बीते दो दशकों में बांग्लादेश में ढाई करोड़ लोगों को ग़रीबी से बाहर निकाला गया है. बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति का श्रेय देश के कपड़ा उद्योग को जाता है. देश के कुल निर्यात का अधिकतर हिस्सा कपड़ा उद्योग से ही है और हाल के दशकों में ये उद्योग तेज़ी से बढ़ा है. बांग्लादेश का ये उद्योग यूरोप, अमेरिका और एशिया के बाज़ारों को आपूर्ति करता है. अपने देश के स्वयं के संसाधनों, कर्ज़ और विकास के लिए मदद लेकर, हसीना की सरकार ने कई विशाल आधारभूत ढांचा विकास योजनाएं शुरू की हैं, इनमें गंगा नदी पर 2.9 अरब डॉलर से बनने वाला पदमा पुल भी शामिल है.

आलोचकों का कहना है कि देश की तरक्की लोकतंत्र और मानवाधिकारों की क़ीमत पर हुई है. वो आरोप लगाते हैं कि हसीना के शासन में उनके राजनीतिक विपक्षियों, मीडिया और विरोधियों का दमन किया गया. बांग्लादेश सरकार और शेख़ हसीना इस तरह के आरोपों को हमेशा ख़ारिज करते रहे. लेकिन हाल के महीनों में, बीएनपी के कई वरिष्ठ नेताओं को गिरफ़्तार किया गया, उनके साथ सरकार विरोधी प्रदर्शनों में शामिल हज़ारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों को भी गिरफ़्तार किया गया. कभी देश में बहुदलीय लोकतंत्र के लिए लड़ने वाली नेता में यह एक उल्लेखनीय बदलाव था. बांग्लादेश में मानवाधिकार समूहों ने साल 2009 के बाद से सैकड़ों लोगों के ग़ायब होने और ग़ैर न्यायिक हत्याओं को लेकर भी चिंताएं ज़ाहिर की हैं. शेख़ हसीना की सरकार ऐसे आरोपों को सिरे से ख़ारिज करती रही थी. हालांकि ऐसे आरोपों की जांच करने का इरादा रखने वाले विदेशी पत्रकारों की यात्राओं को भी उनकी सरकार रोकती रही.

जानिए छात्रों ने एशिया की सबसे ताक़तवर महिला शेख़ हसीना को कैसे हिला दिया?

हिंसक प्रदर्शनों के बीच शेख़ हसीना ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा दिया और अपनी बहन के साथ देश से बाहर निकल गई हैं. शेख़ हसीना वर्ष 2009 से लगातार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं. कई लोगों का मानना है कि पिछले सोलह सालों में प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजिद ने बांग्लादेश को ग़रीबी से बाहर निकाला है. कुछ लोग ये भी मानते हैं कि बांग्लादेश ने जो प्रगति की है, वो शेख़ हसीना की वजह से है. साथ ही जानकारों का कहना है कि यह शेख़ हसीना के लगातार बढ़ रहे तानाशाही शासन के बावजूद हुआ है. लेकिन उनकी स्थिति जितनी कमज़ोर अब है, उतनी पहले कभी नहीं थी. यूनिवर्सिटी और कॉलेज के छात्रों का प्रदर्शन, देशभर में व्यापक असंतोष, ख़ून ख़राबे और अफ़रातफ़री तक पहुंच गया है. बांग्लादेश की सरकार ने प्रदर्शनों को रोकने की कोशिश की, लेकिन लोग पीछे नहीं हटे. इसी दबाव की वजह से आखिर में शेख़ हसीना को इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ना पड़ा है.

हिंसक प्रदर्शनों के बीच हेलीकॉप्टर से भारत रवाना होतीं शेख हसीना.

क्या छात्रों के प्रदर्शन ने गिरा दी सरकार?

शेख़ हसीना ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफ़ा देकर देश छोड़ दिया. बड़ी तादाद में प्रदर्शनकारियों ने उनके निवास पर धावा बोल दिया. शांत लेकिन मज़बूत मानी जाने वाली शेख़ हसीना देश के संस्थापक राष्ट्रपति की बेटी हैं और कई बार अपनी जान पर हमलों और संकट के समय से उबर चुकी हैं. मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों और विपक्षी दलों के कई बार व्यापक प्रदर्शनों का सामना कर चुकी हैं. लेकिन देश भर में छात्रों के प्रदर्शन से शुरू हुआ ये मौजूदा संकट उनके राजनीतिक जीवन की सबसे मुश्किल चुनौती साबित हुआ. छात्रों के प्रदर्शन में समूचा देश घिर गया और विपक्षी दल छात्रों के पीछे एकजुट हो गए. बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने विवादित कोटा व्यवस्था को समाप्त कर छात्रों की मुख्य मांग को तो पूरा कर दिया लेकिन असंतोष समाप्त नहीं हुआ. इन प्रदर्शनों में 100 से अधिक छात्र मारे गए जबकि बीते सप्ताह सरकार के ख़िलाफ़ शुरू हुए जन-आंदोलन के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा हुई और बड़ी तादाद में लोग मारे गए हैं. अपने कार्यकाल के दौरान शेख़ हसीना की सरकार देश के सीमा सुरक्षा बलों के हिंसक विद्रोह से भी बच चुकी है. उसमें 57 सैन्य अधिकारी मारे गए. वो तीन विवादित आम चुनाव चुनाव जीत चुकी हैं. इन चुनावों की अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी आलोचना की है.

प्रेशर कुकर जैसे हालात

ओस्लो यूनिवर्सिटी से जुड़े डॉ. मुबशर हुसैन मानते हैं कि ये हालात एक दिन में नहीं बने हैं बल्कि 'प्रेशर कुकर की तरह फटे हैं.' डॉ मुबशर हुसैन ने एशिया में तानाशाही पर गहन अध्ययन किया है. डॉ. हसन ने बीबीसी बांग्ला से कहा, 'याद रखिए, हम ऐसे देश की बात कर रहे हैं जिसका प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक रूस से भी नीचे है.' वे कहते हैं, "शेख़ हसीना और उनकी पार्टी ने मुक्ति संग्राम की भावना का अति राजनीतिकरण किया, साल दर साल नागरिकों को मताधिकार के मूल मानवाधिकार से वंचित रखना, और उनकी सरकार की तानाशाही प्रवृति ने समाज के एक बड़े वर्ग को आक्रोशित कर दिया.

साभार : बीबीसी हिंदी

राष्ट्रपति विलियम मैवालिली कटोनिवेरे और प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका के साथ बैठक करेंगी

संबंधों को प्रगाढ़ करने फिजी पहुंची मुर्मू

एजेंसी। सुवा (फिजी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में सोमवार को फिजी पहुंचीं. वह फिजी के राष्ट्रपति विलियम मैवालिली कटोनिवेरे और प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका के साथ बैठक करेंगी.

मुर्मू फिजी के राष्ट्रपति कटोनिवेरे के निमंत्रण पर 5-7 अगस्त तक यहां रुकेंगी. यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस द्वीपसमूह राष्ट्र की पहली यात्रा है. राष्ट्रपति मुर्मू का हवाई अड्डे पर फिजी के उप प्रधानमंत्री विलियम गावोका, फिजी में भारतीय उच्चायुक्त पी एस कार्तिकेयन और फिजी के अन्य अधिकारियों ने स्वागत किया. फिजी सरकार के आधिकारिक फेसबुक

पेज पर एक पोस्ट में कहा गया, "भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू फिजी की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के लिए नाडी पहुंची हैं. उनकी अगवानी उप प्रधानमंत्री विलियम गावोका और भारत में नियुक्त फिजी के उच्चायुक्त श्री जगन्नाथ सामी ने किया." मुर्मू अपनी यात्रा के दौरान, फिजी की संसद को संबोधित करेंगी और इसके सदस्यों से बातचीत करेंगी, जिनमें से कई भारतीय मूल के हैं. नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय के अनुसार, फिजी की अपनी यात्रा के बाद, मुर्मू न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की यात्रा करेंगी.

मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति की छह दिवसीय तीन देशों की यात्रा का उद्देश्य भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को आगे बढ़ाना है. विदेश मंत्रालय ने फिजी रवाना होने से पहले 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की तीन देशों की यात्रा पर रवाना हुईं. पहले चरण में राष्ट्रपति फिजी की राजकीय यात्रा करेंगी। यह यात्रा दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और प्रगाढ़ करेगी."

फ्लोरिडा में तूफान 'डेब्बी' मचा सकता है भारी तबाही

टैंपा (अमेरिका)। तूफान 'डेब्बी' के सोमवार की सुबह फ्लोरिडा के बिग बेंड तट पर पहुंचने के आसार हैं जिससे रिकॉर्ड बारिश, विनाशकारी बाढ़ और जानलेवा तूफानी लहरें उठने का अनुमान है. यह तूफान जॉर्जिया और दक्षिण कैरोलिना के तटीय क्षेत्रों में रुकने से पहले राज्य के उत्तरी भाग में धीरे-धीरे बढ़ेगा. मियामी में राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने रविवार शाम को कहा कि इस तूफान के कारण 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही हैं. तूफान टैंपा से लगभग 100 मील दूर, पश्चिम में स्थित था और यह 19 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर की ओर बढ़ रहा है. डेब्बी इस साल का चौथा अटलांटिक तूफान है. इससे पहले जून में उष्णकटिबंधीय तूफान अल्बर्टो, तूफान बेरिल और उष्णकटिबंधीय तूफान क्रिस आए थे.

पेंचीदा मामले में जल्दी सुनाएगा फैसला

वैवाहिक रेप के मामलों पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अगले सप्ताह इस बहुचर्चित कानूनी प्रश्न पर सुनवाई करेगा कि यदि पति अपनी पत्नी को यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है, जो नाबालिग नहीं है, तो क्या पति को बलात्कार के अपराध के लिए अभियोजन से छूट मिलनी चाहिए ? चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सोमवार को एक पक्ष की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता करुणा नंदी की दलीलों पर गौर किया कि वैवाहिक बलात्कार के मुद्दे पर याचिकाओं पर सुनवाई की जानी चाहिए. सीजेआई ने कहा कि याचिकाओं पर अगले सप्ताह सुनवाई होगी. अब इस महत्वपूर्ण और पेंचादी मामले में देर नहीं करेंगे. उन्होंने कहा कि पीठ इस सप्ताह कराधान कानूनों से संबंधित कई मामलों से निपटने में व्यस्त रहेगी. 16 जुलाई को एक पक्ष की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने याचिकाओं का उल्लेख किया था और कहा था कि उन्हें कुछ प्राथमिकता दी जानी चाहिए. सीजेआई ने कहा था कि याचिकाओं पर सुनवाई की जाएगी. उन्होंने संकेत दिया था कि उन पर 18 जुलाई को विचार किया जा सकता है.

शीर्ष कोर्ट में कई याचिकाएं लंबित : पीठ ने कहा था, हमें वैवाहिक बलात्कार से संबंधित मामलों को सुलझाना है. केंद्र ने पहले कहा था कि इस मुद्दे के कानूनी और सामाजिक निहितार्थ हैं और सरकार याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल करना चाहेगी. याचिकाओं में से एक इस मुद्दे पर 11 मई, 2022 के दिल्ली हाईकोर्ट के खंडित फैसले से संबंधित है. यह अपील एक महिला द्वारा दायर की गई है, जो दिल्ली हाईकोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ताओं में से एक थी. हाईकोर्ट के जज राजीव शकधर और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर ने खंडित फैसला सुनाते हुए याचिकाकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की अनुमति देने पर सहमति व्यक्त की थी, क्योंकि इस मामले में कानून के महत्वपूर्ण प्रश्न शामिल हैं, जिन पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्णय लिया जाना आवश्यक है.

क्या कहता है नया कानून

अब निरस्त हो चुके और भारतीय न्याय संहिता द्वारा प्रतिस्थापित भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के अपवाद खंड के तहत, यदि पत्नी नाबालिग नहीं हैं, तो पति द्वारा उसके साथ संभोग या यौन क्रिया किया जाना बलात्कार नहीं माना जाएगा. यहां तक कि नए कानून-भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत, धारा 63 (बलात्कार) के अपवाद-2 में स्पष्ट किया गया है कि यदि पत्नी की उम्र 18 साल से कम नहीं है, तो पति द्वारा उसके साथ संभोग या यौन क्रिया किया जाना बलात्कार नहीं है. शीर्ष अदालत ने 16 जनवरी, 2023 को भारतीय दंड संहिता के उस प्रावधान के खिलाफ कुछ याचिकाओं पर केंद्र से जवाब मांगा था, जो पत्नी के वयस्क होने पर जबरन यौन संबंध के लिए पति को अभियोजन से सुरक्षा प्रदान करता है.

सेहत की बात

टीकाकरण खुद को और कमजोर बच्चों को संक्रमण से बचाने का सबसे अच्छा तरीका

छोटे बच्चों के लिए जानलेवा हो सकती है काली खांसी

एजेंसी। सिडनी

2024 में अब तक पूरे ऑस्ट्रेलिया में काली खांसी (पर्टुसिस) के 17,000 से अधिक मामले सामने आए हैं. यह हमारे सामान्य राष्ट्रीय औसत से काफी ऊपर है. यह पूरे 2023 के दौरान सामने आए इस तरह के मामलों की तुलना में छह गुना अधिक हैं. कई राज्यों में समाचारों की सुर्खियों में हाल के हफ्तों और महीनों में काली खांसी फैलने की चेतावनी दी गई है. हाल ही में, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में इसमें वृद्धि दर्ज की गई है, जो राज्य के दक्षिण-पश्चिम में सबसे अधिक है. इससे छोटे शिशुओं को गंभीर बीमारी और मृत्यु का सबसे बड़ा खतरा होता है. तो काली खांसी के लिए यह इतना बड़ा साल क्यों रहा? और हम इस खतरनाक बीमारी को आगे फैलने से कैसे रोक सकते हैं?

काली खांसी क्या है?

काली खांसी एक संक्रमण है जो फेफड़ों और वायुमार्ग को प्रभावित करता है. यह जीवाणु बोर्डेटेला पर्टुसिस के कारण होता है. अन्य श्वसन संक्रमणों की तरह, यह खांसने, छींकने या बात करने के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैल जाता है. वयस्क और बच्चे लंबे समय तक खांसी से पीड़ित हो सकते हैं जो हफ्तों या महीनों तक रह सकती है. शिशुओं में, जब इस तरह की खांसी होती है तो उनके सांस लेने पर "हूप" की आवाज आती है और खांसने के बाद उन्हें उल्टी हो सकती है. कुछ मामलों में, खांसी नहीं होती, और एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सांस लेने में रुकावट का अनुभव हो सकता है या उनका रंग नीला पड़ सकता है. छह महीने से छोटे बच्चे विशेष रूप से काली खांसी की चपेट में आते हैं क्योंकि तब तक उनका पूरी तरह से टीकाकरण नहीं हुआ होता है. चार महीने से कम उम्र के शिशुओं में अस्पताल में भर्ती होने की दर सबसे अधिक है.

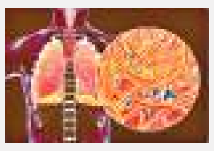

वैक्सीन के बारे में क्या?

टीकाकरण खुद को और कमजोर बच्चों को काली खांसी के संक्रमण से बचाने का सबसे अच्छा तरीका है. ऑस्ट्रेलिया में, बच्चों को छह सप्ताह, चार महीने और छह महीने (प्राथमिक पाठ्यक्रम) की उम्र में छह पर्टुसिस टीके लगाए जाते हैं. "बूस्टर" खुराक 18 महीने, चार साल और 7 साल की उम्र में दी जाती है. बहुत छोटे शिशुओं की सुरक्षा के लिए मातृ टीकाकरण सबसे अच्छा तरीका है. गर्भवती महिलाओं के लिए काली खांसी बूस्टर खुराक की सिफारिश गर्भावस्था के 20 सप्ताह से की जाती है. यह बच्चे में सुरक्षात्मक एंटीबॉडी के हस्तांतरण में मदद देता है, जिससे जीवन के पहले कुछ महीनों के दौरान काली खांसी होने की संभावना कम हो जाती है – विशेष रूप से छह सप्ताह में अपना पहला टीकाकरण प्राप्त करने से पहले. स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों और वयस्कों के लिए भी बूस्टर खुराक की सिफारिश की जाती है जो शिशुओं के निकट संपर्क में आते हैं, या छोटे शिशुओं की देखभाल करते हैं.

वैक्सीन कितनी असरदार है?

वर्तमान में अनुशंसित टीके गंभीर काली खांसी (लगभग 85 प्रतिशत प्रभावकारिता) से सुरक्षा प्रदान करने में अच्छे हैं. वे बच्चों में हल्के संक्रमण से रक्षा करने में कम सक्षम हैं. इसका मतलब यह है कि उनका काली खांसी के संचरण को कम करने पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है, जो तब होता है जब हल्के संक्रमण वाले लोग बाहर निकलने और समुदाय में घुलने-मिलने के लिए पर्याप्त रूप से स्वस्थ होते हैं. ऑस्ट्रेलिया में उपलब्ध काली खांसी के टीके "अकोशिकीय" टीके हैं. इन्हें "संपूर्ण कोशिका" निष्क्रिय टीकों (बोर्डेटेला पर्टुसिस के संपूर्ण निष्क्रिय संस्करण पर आधारित) के बजाय शुद्ध प्रोटीन का उपयोग करके बनाया जाता है. पहले संपूर्ण कोशिका टीकों का उपयोग किया जाता था और इससे बेहतर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न होती थी, लेकिन इसके अधिक दुष्प्रभाव भी होते थे, जैसे बुखार या इंजेक्शन स्थल पर प्रतिक्रिया. अकोशिकीय टीके कम दुष्प्रभाव पैदा करते हैं और बहुत सुरक्षित होते हैं, लेकिन इसके परिणामस्वरूप प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया थोड़ी कम हो सकती है, जो समय के साथ ठीक हो जाती है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)